जयपुर,सीकर, झुंझुनूं, चुरू,नागौर एवं अलवर से एक साथ प्रकाशित

दैनिक

जयपुर टाइम्स

नई सोच नई रफ्तार

वर्ष : 09 अंक : 242 ■ डाक पंजीयन संख्या : जयपुर सिटी / 007/2017-19 जयपुर, सोमवार 28 अप्रैल, 2025 ■ RNI.No.RAJHIN/2016/70162 ■ मूल्य : 1.5 रुपए ■ पृष्ठ : 8+2

jaipurtimes.org twitter.com/JaipurTimes2 facebook.com/dainikjaipurtimes youtube.com/c/JaipurTimes instagram.com/jaipurtimesjt

मन की बात में मोदी छलका मोदी का गुस्सा : पहलगाम हमले के दोषियों को बख्शेंगे नहीं

जयपुर टाइम्स

नई दिल्ली(एजेंसी)।। 'मन की बात' कार्यक्रम में पीएम मोदी ने एक बार फिर से पहलगाम हमले को लेकर दुख जताया और साथ ही पहलगाम के दोषियों को कड़ी सजा देने की बात दोहराई। उन्होंने कहा कि 'पहलगाम की घटना ने देशवासियों को पीड़ा पहुंचाई है और इसे लेकर देशवासियों के मन में गहरी पीड़ा है। लोग पीड़ित परिजनों के दर्द को महसूस कर सकते हैं। हर भारतीय का खून आतंक की तस्वीरों को देखकर खौल रहा है। ऐसे समय में जब कश्मीर में शांति लौट रही थी और लोकतंत्र मजबूत हो रहा था। पर्यटकों की संख्या में अभूतपूर्व बढ़ोतरी हो रही थी और लोगों की कमाई बढ़ रही थी, लेकिन देश के दुश्मनों को और जम्मू कश्मीर के दुश्मनों को ये रास नहीं आया। आतंकी

चाहते हैं कि कश्मीर फिर से तबाह हो जाए। इस मुश्किल वक्त में 140 करोड़ देशवासियों की एकता सबसे बड़ा आधार है।

पीड़ितों को न्याय मिलेगा, मिलकर रहेगा

पीएम मोदी ने कहा कि 'हमें इस चुनौती का सामना करने के लिए अपने संकल्पों को मजबूत करना है। हमें एक दृढ़ राष्ट्र के रूप में अपनी इच्छाशक्ति को मजबूत करना है। भारत के लोगों में जो आक्रोश है, वो पूरी दुनिया में हैं। इस आतंकी हमले के बाद दुनियाभर से लगातार संवेदनाएं आ रही हैं। कई राष्ट्राध्यक्षों ने मुझे भी फोन करके पहलगाम की घटना पर दुख जताया है। इस जघन्य तरीके से किए गए आतंकी हमले की सभी ने कठोर निंदा की है। पूरा विश्व आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में देश के साथ खड़ा है। मैं पीड़ित परिवारों को भरोसा देता हूं उन्हें न्याय मिलेगा...और न्याय मिलकर रहेगा। इस हमले के दोषियों को कठोरतम जवाब दिया जाएगा।

बिहार की धरती से भी पीएम मोदी ने दी थी आतंक के आकाओं को चेतावनी

इससे पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बीते गुरुवार को बिहार की एक जनसभा में भी पहलगाम हमले के दोषियों को चेतावनी देते हुए कहा था कि 'आज बिहार की सरजमीं से मैं पूरी दुनिया से यह कहना चाहता हूं कि भारत इन लोगों की पहचान करेगा, उन्हें ढूंढेगा और हर आतंकी तथा उनकी मदद करने वालों को सजा देगा। हम उन्हें पृथ्वी के अंतिम छोर तक खदेड़ देंगे। भारत की आत्मा को आतंकवाद कभी नहीं तोड़ सकता। इंसाफ मिले, इसके लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे। इस दुनिया में जो भी इंसानियत के पक्ष में है, वह हमारे साथ है। इस वक्त दुनिया में जो हमारे साथ खड़ा है, हम उनके शुक्रगुजार हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि 'यह हमला सिर्फ निहत्थे पर्यटकों पर नहीं हुआ है, देश के दुश्मनों ने भारत की आत्मा पर हमला करने का दुस्साहस किया है। मैं बहुत स्पष्ट शब्दों में कहना चाहता हूं कि जिन्होंने यह हमला किया है, उन आतंकियों को और इस हमले की साजिश रचने वालों को उनकी कल्पना से भी बड़ी सजा मिलेगी। सजा मिलकर रहेगी। अब आतंकियों की बची-खुची जमीन को भी मिट्टी में मिलाने का समय आ गया है। 140 करोड़ भारतीयों की इच्छाशक्ति अब आतंक के आकाओं की कमर तोड़कर रहेगी।

सिक्किम के राज्यपाल बोले-पाकिस्तान को एक बूंद पानी नहीं जाएगा, वो प्यासे मरेंगे

अलवर(निसं.)। सिक्किम के राज्यपाल ओमप्रकाश माथुर का कहना है कि पहलगाम हमले के बाद कुछ लोग कह रहे हैं कि कुछ नहीं किया। बता दें कि आतंकी हमले के तीसरे दिन सिंधु जल समझौता तोड़ा था। आने वाले दिनों में एक बूंद पानी पाकिस्तान नहीं जाने देंगे। वो(पाकिस्तान के लोग) प्यासे मरेंगे और ये पानी आपके काम आएगा। माथुर का रविवार को अलवर के प्रताप ऑडिटोरियम में अभिनंदन किया गया। इस मौके पर राज्यपाल माथुर ने कहा कि कुछ बेईमान लोगों ने पहलगाम में आतंक किया है। हमें विश्वास है कि बदला लिया जाएगा। इससे पहले भी हुए हमलों का बदला लिया है। चिंता मत करिए। घटना के बाद आतंकियों का सपोर्ट करने वालों को जवाब दिया है। अब भारत की ताकत को सब जानते हैं। आतंकी हमले के बाद अमेरिका, ईरान, रूस ही नहीं, यूएई भी कह रहा है कि जो

कार्यवाही करनी है करिए, हम साथ में खड़े हैं। ये गाड़ी रुकने वाली नहीं है। पहले भी घटनाएं घटी है। लेकिन पहले कोई देश साथ नहीं था। अब बड़े बड़े देश साथ हैं। उन्होंने संबोधन में चीन का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि चीन के बॉर्डर पर हम वहीं के वहीं है। 1962 में चीन से हारे थे। लेकिन उस समय दिल्ली में कमजोर नेता था। अब नहीं। वो दिन और थे। माथुर ने कहा कि हमारे यहां के नेता हर जगह चर्चा करते हैं कि चीन ने भारत की जमीन दबा ली। मैं कई जगह घूमकर भी आया हूं। आपके यहां का एक एमएलए गवाह भी है। एक इंच जमीन नहीं दबाई।

प्रधानमंत्री मोदी के शब्दों में है गहरा प्रभाव, आतंकियों को देंगे कड़ा जवाब : भजनलाल

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को 'मन की बात' कार्यक्रम की 121वीं कड़ी में देशवासियों को संबोधित किया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भी अपने मुंबई प्रवास के दौरान मुंबई एयरपोर्ट पर 'मन की बात' कार्यक्रम को सुना। अपने संबोधन में मोदी ने कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि यह हमला आतंक के सरपरस्तों की हताशा को दिखाता हैं। उन्होंने कहा कि कश्मीर में शांति लौट रही थी और लोकतंत्र मजबूत हो रहा था, मगर देश के दुश्मनों को ये शांति और समृद्धि रास नहीं आई। मोदी ने विश्वास दिलाया कि पीड़ित परिवारों को न्याय मिलेगा और हमले के दोषियों और साजिशकर्ताओं को कठोरतम जवाब दिया जाएगा।

प्रधानमंत्री के शब्दों में गहरा प्रभावः भजनलाल

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि इस प्रेरणादायक कार्यक्रम के माध्यम से प्रधानमंत्री ने भारत की विकास यात्रा की उल्लेखनीय उपलब्धियों का चित्रण करते हुए समाज के प्रत्येक वर्ग को राष्ट्र निर्माण के महायज्ञ में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए प्रोत्साहित किया। शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री के शब्दों में गहरा प्रभाव है, जो हमें 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के संकल्प के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।

एक ग्लोबल स्पेस पॉवर बन चुका

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में अंतरिक्ष वैज्ञानिक डॉ. के. कस्तूरीरंगन के निधन पर श्रद्धांजलि व्यक्त करते हुए उनके योगदान को याद किया। उन्होंने आर्यभट्ट उपग्रह के प्रक्षेपण के 50 वर्ष पूरे होने का जिक्र करते हुए कहा कि अंतरिक्ष में भारत के सपनों की उड़ान एक समय केवल हौसलों से शुरू हुई थी, मगर आज देश एक ग्लोबल स्पेस पॉवर बन चुका है। हमने एक साथ 104 सेटेलाइट्स लॉन्च करके रिकॉर्ड बनाया है और चन्द्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचने वाला भारत पहला देश बना है। प्रधानमंत्री के संपूर्ण राष्ट्र को संवाद के माध्यम से एक सूत्र में पिरोने वाले 'मन की बात' कार्यक्रम का रविवार को मुंबई एयरपोर्ट पर श्रवण कर उनका बहुमूल्य मार्गदर्शन प्राप्त किया। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में म्यांमार में भूकंप के बाद भारत की ओर से चलाए गए राहत अभियान और अफगानिस्तान के लिए वैक्सीन भेजे जाने की चर्चा की। उन्होंने कहा कि संकट के समय विश्व मित्र के रूप में भारत की पहचान बन रही है। एक पेड़ मां के नाम अभियान की बात करते हुए प्रधानमंत्री ने गर्मी के मौसम में देशवासियों को अधिक से अधिक तादाद में पेड़ लगाने का आह्वान किया। उन्होंने मन की बात में अन्य कई विषयों पर भी चर्चा की।

भारत का खौफ, पाक पस्त, दो दिन में 5 हजार जवानों ने नौकरी छोड़ी

जयपुर टाइम्स

राजौरी(एजेंसी)।। एलओसी पर भारत व पाक सेना के बीच बढ़ते तनाव से पाक सेना के जवान व अधिकारी अपनी जान बचाने के लिए इस्तीफे पर इस्तीफा दे रहे है। अधिकतर जवान व अधिकारी परिवार वालों के दबाव में आकर नौकरी छोड़ रहे है और कुछ मौत के डर से। पिछले दो दिनों में पाक सेना के पांच हजार के करीब जवान व अधिकारी अपने अपने पदों से इस्तीफा देकर अपने घरों को लौट चुके है और कई जवान व अधिकारी इस्तीफा देने की पूरी तैयारी कर चुके है। जिसके बाद से पाक सेना में हड़कंप सा मच चुका है। पाक सेना के उच्च अधिकारी लगातार पाक सेना प्रमुख को पत्र लिख रहे है और कह रहे है कि इस्तीफे के सिलसिले को बंद करवाए अगर ऐसा नहीं हुआ तो हमारे जवानों का मनोबल पूरी तरह से गिर जाएगा जिसके बाद हम कुछ भी नहीं कर पाएंगे। सूत्रों के अनुसार पेशावर में स्थित पाक सेना की 11वीं कोर के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल उमर बुखारी ने पाक सेना के प्रमुख जनरल जनरल असीम मुनीर को पत्र लिखा है और इस पत्र में कहा गया है कि 12 कोर जो

पश्चिमी सीमा पर तैनात है। पिछले दो दिनों से 200 के करीब अधिकारी व छह सौ करीब जवान अपनी नौकरी छोड़ चुके है। इसी तरह से फोर्स उत्तरी कमांड एरिया में तैनात एक सौ से अधिक अधिकारी व पांच सौ करीब जवान इस्तीफा देकर अपने घरों को लौट चुके है।

एलओसी पर तैनात मंगल कोर के 75 के करीब अधिकारी व पांच सौ से अधिक जवान इस्तीफा देकर घरों को जा चुके है और यह सिलसिला बढ़ता ही जा रहा है। पत्र में लिखा गया है भारत व पाक के बीच बढ़ते तनाव के कारण अधिकतर परिवार अपने बच्चों को वापस घर बुला रहे है और कुछ मौत के डर से घरों को जा रहे है।

पत्र में पाक सेना प्रमुख से कहा गया है कि इस स्थिति को संभालने का प्रयास करे नहीं तो हमारे जवानों का मनोबल गिर जाएगा और अगर भारत व पाक के बीच जंग होती है या एलओसी पर कोई भी कार्रवाई होती है तो हम कुछ नहीं कर पाएंगे। इस लिए समय रहते हालात को संभाले को जवानों व अधिकारियों का मनोबल बढ़ाने कार्य करे।

पहलगाम हमले के बाद डर का माहौल

पहलगाम हमले के बाद से पाक सेना के जवानों व अधिकारियों के बीच डर का माहौल बना हुआ है। सूत्र बताते है कि पाक सेना के जवानों व अधिकारियों के परिवारों के सदस्यों अपने बच्चों को लगातार फोन पर बात करके उन्हें नौकरी छोड़कर घर आने को कह रहे है। यह इस लिए हो रहा है कि पाकिस्तान के लोगों को लग रहा है कि भारत किसी भी समय पाकिस्तान के ऊपर हमला कर देगा इस हमले में कहीं हमारे बच्चे न मारे जाए। बढ़ते इस्तीफों के देखते हुए पाक सेना के उच्च अधिकारियों ने हडकंप सा मचा हुआ है और जवानों को इस्तीफों से रोकने का हर संभव प्रयास किया जा रहा है, लेकिन इन सब के बावजूद इस्तीफा देने वालों की होड़ सी लगी हुई है।

राजस्थान में तेज गर्मी, बाड़मेर में पारा 46 °C के पार, 25 शहरों में तापमान 40 डिग्री से ज्यादा

जयपुर(कासं.)। राजस्थान में गर्मी के तेवर फिर तेज हो गए हैं। जैसलमेर, बाड़मेर, बीकानेर, चूरू समेत अधिकांश शहरों में रविवार को अधिकतम तापमान 2 डिग्री सेल्सियस तक चढ़ गया। पश्चिमी राजस्थान के कई जिलों में दिन में लू चली। 25 शहरों में अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस या उससे ज्यादा दर्ज हुआ। मौसम विशेषज्ञों ने राज्य में कल (सोमवार) से गर्मी और तेज होने व दिन के साथ-साथ रात में भी लू चलने और तापमान सामान्य से ज्यादा दर्ज होने की आशंका जताई है। तेज गर्मी के इस दौर से 1 मई बाद राहत मिलने की संभावना है। आज राज्य में सबसे ज्यादा तापमान बाड़मेर में 46.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। जैसलमेर में अधिकतम तापमान 45.5, फलोदी में 44.2, जोधपुर में 43.5, चित्तौड़गढ़ में 43.3, श्रीगंगानगर में 43.2, बीकानेर में 42.8, चूरू में 42.6, कोटा में 42.2, जालोर में 42.1, पाली में 41.3 और वनस्थली (टोंक) में 41.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। जैसलमेर, बाड़मेर, फलोदी, श्रीगंगानगर, जोधपुर और चित्तौड़गढ़ में आज दिन में हीटवेव चली। बीकानेर, कोटा, चूरू, जालोर समेत अन्य कई जिलों में आज सुबह से आसमान साफ रहा। सुबह 10 बजे से तेज गर्मी का दौर शुरू हो गया। जयपुर में आज अधिकतम तापमान 40.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

भारत के डर का साया, पाकिस्तान अब चीन-रूस की शरण में आया

जयपुर टाइम्स

नई दिल्ली(एजेंसी)। पहलगाम में आतंकी हमले के बाद आतंकियों को संरक्षण देने वाले पाकिस्तान की वैश्विक स्तर पर कड़ी आलोचना हो रही है। तमाम देशों के नेताओं ने आतंक से निपटने के लिए भारत के प्रति अपना समर्थन जताया है। वहीं इस हमले के बाद भारत के कड़े रुख और जवाबी एक्शन से पड़ोसी देश की नींद उड़ गई है। आतंकवाद के मुद्दे पर फंसे पाकिस्तान ने हमले की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जांच की मांग की है। इतना ही नहीं, पाकिस्तान ने जांच के लिए अपने पुराने दोस्त चीन का नाम लिया है। पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने पहलगाम हमले की अंतरराष्ट्रीय जांच में

चीन और रूस की भागीदारी की बात की। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि रूस या चीन या यहां तक कि पश्चिमी देश इस संकट में बहुत ही सकारात्मक भूमिका निभा सकते हैं। वे एक जांच दल भी गठित कर सकते हैं, जिसे जांच का काम सौंपा जाना चाहिए कि भारत झूठ बोल रहा हैं या सच। उन्होंने कहा कि एक अंतरराष्ट्रीय दल को इस बात का पता लगाने दें। पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भी अंतरराष्ट्रीय जांच कराने का प्रस्ताव रखा है। इस बात के कुछ सबूत होने चाहिए कि पाकिस्तान इसमें शामिल है या इन लोगों को पाकिस्तान का समर्थन प्राप्त था। ये सिर्फ खोखले बयान और कुछ नहीं। मॉस्को के एक स्वतंत्र अमेरिकी विश्लेषक एंड्रयू कोरिबको ने भी टिप्पणी की है। उन्होंने कहा कि जैसा कि पहले से ही उम्मीद थी, पाकिस्तान ने भारत के आरोपों का खंडन किया है। वहीं, उसके दो शीर्ष मंत्रियों ने हैरान करने वाले ऐसे दावे किए हैं जिससे वे खुद ही बेइज्जत हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसहाक डार ने टिप्पणी की कि 22 अप्रैल को जम्मू व कश्मीर के पहलगाम जिले में हमले करने वाले लोग स्वतंत्रता सेनानी हो सकते हैं। ऐसे में पर्यटकों का नरसंहार करना आतंकवाद का निर्विवाद कृत्य है। ऐसे में यह अनुमान लगाना कि अपराधी 'स्वतंत्रता सेनानी हो सकते हैं' यह दुनिया भर के सच्चे स्वतंत्रता सेनानियों को बदनाम करना है और चुपचाप आतंकवाद को उचित ठहराता है। वहीं, दूसरी ओर पहलगाम आतंकवादी हमले के बारे जो दूसरा दावा रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने किया जिसमें उन्होनें कहा कि ये 'झूठा' बयान हो सकता है। ऐसे में इसहाक डार और ख्वाजा आसिफ के बयानों को अगर देखें तो एक स्पष्ट विरोधाभास दिख रहा है। पहले पाकिस्तानी मंत्री ने जहां पहलगाम हमले को मंजूरी देते हुए अनुमान लगाया कि अपराधी स्वतंत्रता सेनानी हो सकते हैं

डॉ. सतीश पूनिया के पुत्र महीप के आशीर्वाद समारोह में उमड़ा सैलाब, सीएम- राज्यपाल पहुंचे

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं)। राजस्थान भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष व हरियाणा भाजपा प्रभारी डॉ. सतीश पूनिया के पुत्र की शादी समारोह में रविवार को आयोजित आशीर्वाद समारोह में जन सैलाब उमड़ पड़ा। राजधानी में वाहनों की रेलमपेल से कई किलोमीटर तक लम्बा जाम लग गया। लोगों को जाम से निकलने में घंटो लग गए। सड़क के दोनों और वाहनों की कतारे लग गई। वहीं आशीर्वाद समारोह में बड़े नेताओं सहित वीआईपी लोगों का भी तांता लगा रहा। हजारों वाहनों के चलते पार्किंग स्थल भी छोटा पड़ गया। भारी भीड़ से कार्यक्रम स्थल खचाखच्च भर गया। भाजपा के दिग्गज नेताओं, कांग्रेस के नेताओं सहित कई ब्यूटोक्रेटस ने पहुंचकर आशीर्वाद दिया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया, पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़, विधायक हरलाल सहारण, केन्द्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी, कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौर, देवेंद्र झाझडिया, जयपुर टाइम्स के प्रधान संपादक रामेश्वरलाल जाट सहित कई नेताओं ने पहुंचकर आशीर्वाद दिया। वही राजस्थान के राज्यपाल बागड़े, कांग्रेस नेता सचिन पायलट, स्वायत शासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा, जोराराम कुमावत, हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहरलाल खट्टर, गुलाब चंद कटारिया, भाजपा के राष्ट्रीय नेता ओम माथुर, प्रशांत शर्मा सहित कई दिग्गज नेताओं ने समारोह में शिरकत की और महीप पूनिया व सिप्पी को आशीर्वाद प्रदान किया।

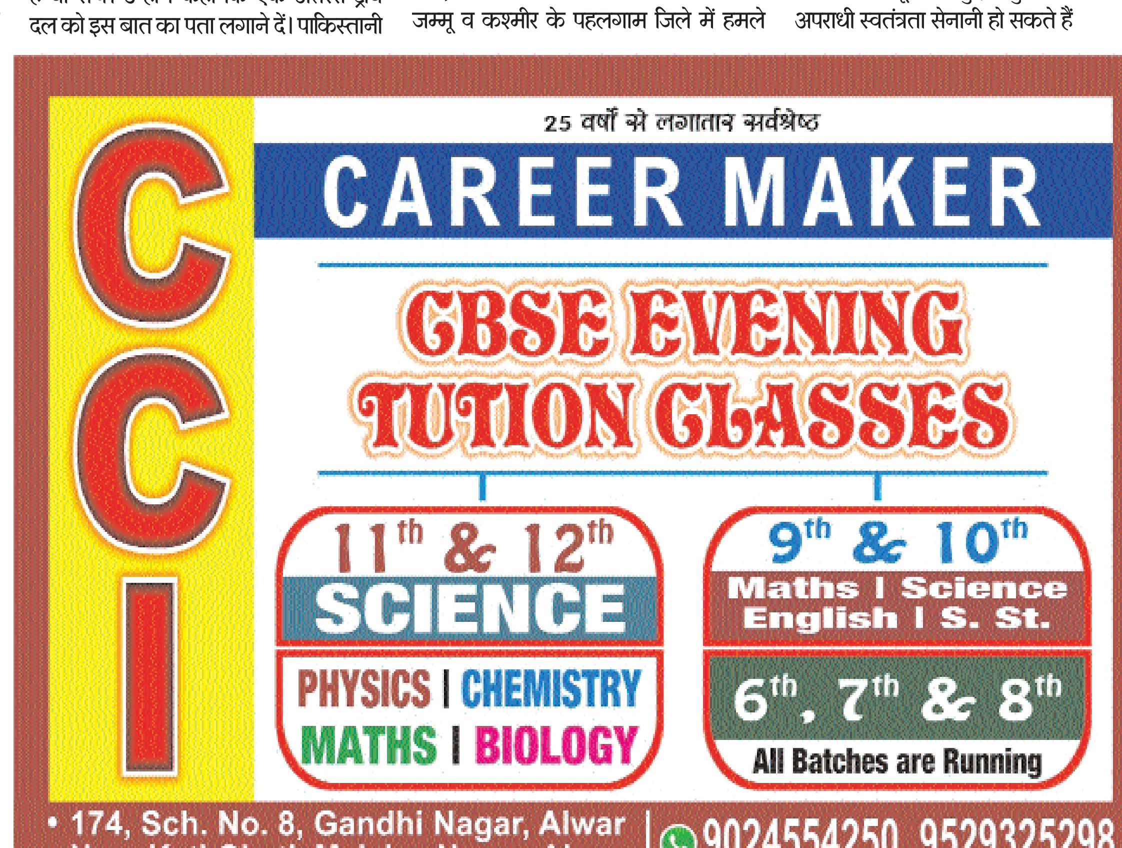

अलवर जयपुर टाइम्स

जयपुर, सोमवार
28 अप्रेल, 2025

जिला कलक्टर ने किया ई-लाइब्रेरी का निरीक्षण, विद्यार्थियों से लिया सुविधाओं का फीडबैक

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने रविवार को सचूना एवं जनसंपर्क कार्यालय (पीआरओ ऑफिर) एवं राजकीय पुस्तकालय एसएमडी सर्किल में निर्मित कराई गई ई-लाइब्रेरी का निरीक्षण किया। जिला कलक्टर ने दोनों ई-लाइब्रेरी की व्यवस्थाओं का जायजा लेकर लाइब्रेरी प्रभारी व संचालक को निर्देश दिये कि ई-लाइब्रेरी को सुव्यवस्थित रूप से संचालित कराने के साथ यहां सभी व्यवस्थाएं निर्बाध रूप से संचालित रहे। उन्होंने कहा कि लाइब्रेरी में साफ-सफाई आदि का विशेष ध्यान रखा जावे। इस दौरान उन्होंने वहां अध्ययन कर रहे विद्यार्थियों से ई-लाइब्रेरी की सुविधाओं का फीड बैक लिया जिस पर विद्यार्थियों ने बताया कि ई-लाइब्रेरी में अध्ययन की निशुल्क सुविधा होने के साथ-साथ क प्यूटर, एसी, अच्छा फर्नीचर आदि की काफी अच्छी व्यवस्थाएं की गई हैं। इस दौरान नगर विकास न्यास की सचिव धीगदे स्नेहल नाना, अधीक्षण अभियन्ता तैयब खान व अधीशाषी अभियन्ता कुमार संभव अवस्थी मौजूद रहे।

रोटरी क्लब अलवर ने बांटे सेनेटरी पैड

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। रोटरी क्लब अलवर का हर माह परमानेंट प्रोजेक्ट वूमेन हाइजीन के तहत सहचरी प्रोजेक्ट किया जाता है जिसमें रोटरी क्लब अलवर की रोटेरियन महिलाएं स्लम एरियाज में सेनेटरी नैपकिन का निशुल्क वितरण करती है एवं महिलाओ को स्वच्छता एवं स्वस्थ रहने की जानकारी दी गयी। 27 अप्रैल, 2025 को इस बार सुभाष नगर, पानी की टंकी के पास निशुल्क सेनेटरी नैपकिन पैड का वितरण किया गया। इस बार रोटरी क्लब अलवर की क्लब की प्रथम महिला रोटेरियन बबीता कट्टा द्वारा निशुल्क सेनेटरी नैपकिन पैड दिये गये। इस कार्यक्रम की कोर्डिनेटर कविता खण्डेलवाल ने बताया इस कार्यक्रम में रोटश शिप्रा वर्मा, रोटश ममता खन्ना, रोटश साक्षी खण्डेलवाल, बबीता कट्टा मौजूद रहीं। यह जानकारी दीपक कट्टा अध्यक्ष रोटरी क्लब अलवर ने दी।

प्रथम सहायता प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। रविवार को ईएसआईसी हॉस्पिटल एंड मेडिकल कॉलेज, एमआईए अलवर में डॉ. गोपाल राय चौधरी चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा प्रथम सहायता प्रशिक्षण (फर्स्ट एड / बेसिक लाइफ सपोर्ट) कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 125 प्रतिभागियों ने भाग लिया और सीपीआर एवं प्रथम सहायता की महत्वपूर्ण तकनीकों को सीखा प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को डमी मैनिक्विन पर सीपीआर का व्यावहारिक अनुभव प्रदान किया गया। इस प्रशिक्षण के माध्यम से प्रतिभागियों को वास्तविक जीवन की स्थितियों में प्रथम सहायता प्रदान करने के लिए तैयार किया गया डॉ. गोपाल राय चौधरी चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा आयोजित यह 50वां सीपीआर / बेसिक लाइफ सपोर्ट प्रशिक्षण कार्यक्रम है। ट्रस्ट का उद्देश्य समाज के विभिन्न वर्गों को स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति जागरूक करना और उन्हें आवश्यक कौशल प्रदान करना है कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य एम्बुलेंस ड्राइवरों को प्रथम सहायता के बारे में जानकारी प्रदान करना और महिला रोगियों के लिए उचित देखभाल और सम्मान के महत्व को उजागर करना है। महिला मरीज की गरिमा का विशेष ध्यान रखने के लिए जागरूक किया कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों को भागीदारी प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। इस अवसर पर ट्रस्ट के प्रतिनिधियों ने कहा कि यह कार्यक्रम समाज में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। ई एस आई सी हॉस्पिटल के डीन डॉक्टर असीम दास का आभार व्यक्त किया कि उन्होंने सामाजिक सरोकार में अपना और अपनी टीम का पूरा योगदान दिया हमें उम्मीद है कि इस कार्यक्रम के माध्यम से प्रशिक्षित प्रतिभागी अपने समुदायों में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे इस तरह के कार्यक्रम आगे भी जारी रखेंगे।

ज्ञान व वैराग्य का संगम है भागवत

बीदासर(निस)। कस्बे के टांटिया अस्पताल के पीछे वार्ड 5 घंटियालिया बास में सांखला परिवार की ओर से आयोजित श्रीमद भागवत ज्ञान यज्ञ में पांचवें दिन रविवार को कथा के शुभारम्भ पर व्यासपीठ की पूजा अर्चना मुख्य यजमान रामेश्वर लाल, केशरमल सांखला, पार्षद ललित माली, कमल, चिरंजीलाल सैनी, रमेश, हेमराज ने की। कथा का वाचन करते हुवे नोखा की कथावाचक मोनिका पारीक ने कहा कि भागवत कथा, ज्ञान व वैराग्य का संगम है। इसके सुनने मात्र से व्यक्ति समस्त पापों से मुक्त होकर भगवान की शरण मे चला जाता है। कथा में कृष्ण जन्म व बाल लीला के विभिन्न प्रश्न सुनाएं। इस अवसर पर शंकर लाल, मदनलाल गौड़, रामदेव गहलोत, जोराराम, शतीस, मनोज, दीपक आदि उपस्थित रहे। कथा के दौरान रामेश्वर लाल, केशरमल सांखला की ओर से 51 हजार व भंवरलाल सांखला की ओर से 11 हजार रुपये गायों के लिए गौशाला में दिए गए।

सिक्किम के राज्यपाल ओमप्रकाश माथुर ने किया डिजिटल लाइब्रेरी 'ई-गुरूकुल' का लोकार्पण

2 ज्ञान वाहनों (मोबाइल ई-लाइब्रेरी) को हरी झण्डी दिखाकर किया रवाना

नागरिक अभिनन्दन समारोह में कहा विकसित भारत के संकल्प को पूर्ण करने में समग्र प्रयास व आधुनिक शिक्षा की अहम भूमिका- राज्यपाल माथुर

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। सिक्किम राज्य के राज्यपाल ओमप्रकाश माथुर ने रविवार को स्वामी विवेकानन्द स्मारक पर सांसद निधि द्वारा तैयार कक्ष में वी शक्ति ट्रस्ट द्वारा बनाए गए स्वामी विवेकानन्द ई-गुरूकुल का लोकार्पण एवं 2 ज्ञान वाहन (मोबाइल ई-लाइब्रेरी) का हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया व पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया तथा प्रताप ऑडिटोरियम में आयोजित नागरिक अभिनन्दन कार्यक्रम में सूचना केंद्र (पीआरओ ऑफिस) व राजकीय पुस्तकालय (एसएमडी चौराहा) की ई-लाइब्रेरी का वर्चुअल लोकार्पण किया। कार्यक्रम में केंद्रीय पर्यावरण एवं वन मंत्री एवं अलवर सांसद भूपेन्द्र यादव तथा पर्यावरण एवं वन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा भी मौजूद रहे। कार्यक्रम में सर्वप्रथम पहलगाम में आतंकी हमले में मृतक लोगों को श्रद्धांजलि दी। राज्यपाल माथुर पहलगाम की आतंकी घटना की निन्दा करते हुए कहा कि सरकार आतंकवाद के विरूद्ध कठोर कदम उठा रही है जिसमें दुनिया के अधिकतम देश हमारे साथ खडे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश विकसित भारत सशक्त राष्ट्र के लक्ष्य को साकार करने की दिशा में तेजी से आगे बढ रहा है। प्रधानमंत्री का सपना है कि वर्ष 2047 तक देश को पूरी तरह से विकसित बनाकर युवाओं पीढी के सपनों के राष्ट्र का निर्माण करना है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की भ्रष्टाचार मुक्त भारत की सोच के अनुरूप विभिन्न योजनाओं में देश के लाभार्थियों को सीधे उनके खातों में राशि हस्तांतरित की जा रही है तथा सरकार द्वारा देश भर में सडक, रेलवे एवं आमजन की सुविधाओं से जुडे आधारभूत संरचनाओं को विकसित कर देश को प्रगति के पथ पर आगे बढाने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय वन मंत्री व अलवर सांसद भूपेन्द्र यादव की पहल के तहत आज ई-लाइब्रेरी के उद्घाटन एवं जिले में बनने वाली 101 ई-लाइब्रेरियों के निर्माण से बच्चों एवं युवाओं को आधुनिक डिजिटल पद्धति से शिक्षा सुगमता से प्राप्त हो सकेगी। माथुर विवेकानन्द स्मारक में स्वामी विवेकानन्द जी के साधना कक्ष में ध्यान किया एवं उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। उन्होंने ई-लाइब्रेरी (ई-गुरूकुल) का अवलोकन भी किया। केंद्रीय पर्यावरण एवं वन मंत्री भूपेन्द्र यादव ने अपने संबोधन में कहा कि देश को 2047 तक विकसित भारत बनाने के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सपने को साकार करने हेतु युवा ऊर्जावान पीढ़ी को विज्ञान, तकनीकी से लेकर खेल तक के सभी क्षेत्रों में तैयार करना है। इसी भावना को साकार करते हुए अलवर संसदीय क्षेत्र में जरूरतमंद बालक-बालिकाओं को आधुनिक डिजिटल तकनीक के माध्यम से अध्ययन का अच्छा माहौल व बेहतर सुविधाएं प्रदान करने के उद्देश्य से ई-लाइब्रेरियों का निर्माण कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ई-गुरूकुल अभियान के तहत बनाई जाने वाली 101 लाइब्रेरियों में से अब तक 66 ई-लाइब्रेरी बनकर तैयार हैं और शेष लाइब्रेरियां 30 जून तक बन जाएगी केंद्रीय मंत्री ने कहा कि स्वामी विवेकानन्द जी ने शिक्षा के महत्व पर जोर देते हुए कहा था कि शिक्षा व्यक्ति के चारित्रिक, मानसिक, आध्यात्मिक आदि गुणों का विकास करती है। उन्होंने कहा कि खेल व शिक्षा दो ऐसे विषय हैं जो जाति, लिंग के भेद को समाप्त कर राष्ट्रवाद को खड़ा करते हैं। यादव ने कहा कि अलवर संतो की तपोस्थली है तथा पूर्व सांसद व संत महन्त चांदनाथ ने शिक्षा को आगे बढ़ाने के विचारों को ये ई-लाइब्रेरियां समर्पित हैं। उन्होंने उपस्थित महिलाओं को आश्वस्त किया कि अलवर की पानी की समस्या के स्थायी समाधान के लिए दिन-रात लगकर सकारात्मक काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वन राज्यमंत्री संजय शर्मा के सिलीसेढ से अलवर शहर को पेयजल आपूर्ति हेतु भेजे गए प्रस्ताव को एक हफ्ते में ही पास कराया गया। सिलीसेढ योजना का 23 करोड़ रूपये का टैंडर हो चुका है तथा शीघ्र ही कार्य पूर्ण होकर अलवर शहर को पानी मिलने लगेगा। साथ ही उन्होंने कहा कि एसटीपी के शोधित जल का उपयोग उद्योगों में लिया जाएगा जिससे पानी की बचत होगी और उसका उपयोग शहरवासी कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि पानी का टैंकर सही घर तक पहुंचे इसके लिए टैंकरों की जीपीएस से जिला प्रशासन द्वारा मॉनिटरिंग की जा रही है। वन राज्यमंत्री संजय शर्मा ने सिक्किम के राज्यपाल ओमप्रकाश माथुर का भर्तृहरि बाबा की तपोभूमि अलवर में स्वागत करते हुए कहा कि माथुर लम्बे समय से अलवर जिले से जुडे हुए हैं। इन्होंने राज्यसभा सांसद रहते हुए अलवर के विकास में अभूतपूर्व योगदान दिया है जिसके तहत सांसद निधि से स्वामी विवेकानन्द स्मारक में आज जिस ई-लाइब्रेरी के उद्घाटन हुआ है उसके कक्ष का निर्माण कराने के साथ-साथ प्रतापबंध से ग्राम मांचा तक बिजली लाइन पहुंचाने कार्य, गौरी देवी राजकीय महिला छात्रावास में प्रतीक्षा कक्ष का निर्माण, शिवाजी पार्क एवं देव खेडा में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय कक्षा-कक्ष का निर्माण, दिवाकरी में सामुदायिक स्नानघर व अस्थि स्थल भवन का निर्माण एवं वार्ड नं. 41 गोविन्द नगर में सार्वजनिक पार्क की चार दिवारी व सौन्दर्यकरण का कार्य कराया है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव ने सांसद खेलों का आयोजन कराकर ग्रामीण क्षेत्रों की प्रतिभा को निखारने का काम किया तथा अलवर के शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को अध्ययन हेतु अच्छी सुविधा मिल सके इसके लिए ई-लाइब्रेरियों का निर्माण करा रहे हैं। इनमें से अलवर के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में 55 लाइब्रेरियों का निर्माण पूर्ण हो चुका है। उन्होंने कहा कि अलवर शहर की पानी की समस्या के समाधान हेतु केंद्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव के नेतृत्व में सार्थक प्रयास किए जा रहे हैं। भारत विकास परिषद के क्षेत्रीय प्रचारक डॉ. के.के शर्मा ने स्वामी विवेकानन्द स्मारक को बनाने के संकल्प को मूर्त रूप लेने के संबंध में विस्तार से अवगत कराया तथा संस्था द्वारा किए जा वंचित वर्गों के कल्याण के कार्यों के बारे में अवगत कराया। विभिन्न समाजों, संस्थाओं, व्यापारिक संगठनों ने राज्यपाल माथुर का नागरिक अभिनन्दन किया। इस समारोह में केंद्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव की नई पहल से प्रेरित होकर समाजों व संस्थाओं के पदाधिकारियों ने राज्यपाल को फूल, माला व बुके के स्थान पर पुस्तकें भेंट की। उल्लेखनीय है कि सिक्किम के राज्यपाल ने तत्कालीन राज्यसभा सांसद के रूप में सांसद निधि से दिए गए 27 लाख रूपये से विवेकानन्द स्मारक अलवर में पुस्तकालय कक्ष निर्माण कराया गया जिसमें वी शक्ति ट्रस्ट द्वारा निर्मित ई-लाइब्रेरी का निर्माण किया गया। इसी प्रकार नगर विकास न्यास द्वारा एसएमडी सर्किल स्थिति राजकीय पुस्तकालय में 41.20 लाख रूपये की लागत से ई-लाइब्रेरी तथा 35.90 लाख रूपये की राशि से सूचना एवं जनसम्पर्क कार्यालय (पीआरओ ऑफिस) अलवर में ई-लाइब्रेरी निर्माण एवं मीटिंग हॉल की मरम्मत का कार्य किया गया जिसका वर्चुअल लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम में तिजारा विधायक महंत बालकनाथ, कठूमर विधायक रमेश खींची, सुखवंत सिंह, देवी सिंह शेखावत, जिला प्रमुख बलवीर छिल्लर, जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला, भारत विकास परिषद संरक्षक डॉ. के के गुप्ता, जिलाध्यक्ष अशोक गुप्ता एवं महासिंह चौधरी, पूर्व मंत्री हेम सिंह भडाना व मंगलराम कोली, पूर्व विधायक रामहेत यादव, जयराम जाटव, मामन सिंह यादव व मंजीत चौधरी, पं. धर्मवीर शर्मा, जिला क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष मोहित यादव, बलवान सिंह यादव, इंद्रजीत सिंह पटा, पूर्व महापौर घनश्याम गुर्जर, संजय नरूका, बन्ना राम मीणा, पं. जलेसिंह, प्रधान दौलत राम जाटव व वीरमति देवी सहित प्रबुद्ध व्यक्ति एवं बड़ी संख्या में आमजन मौजूद रहे।

सरकारी अस्पताल में सम्पति को नुकसान पहुंचाने का मामला, सभी आरोपी दोषमुक्त

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। 2017 में राजकीय बगड़िया अस्पताल के पीएमओ कार्यालय परिसर में हुई तोड़फोड़ की घटना और राजकार्य में बाधा तथा मेल नर्स के साथ मारपीट के मुकदमे में न्यायालय का फैसला आ गया है। हैरान करने वाली बात ये है कि सभी 9 आरोपियों को न्यायालय ने विड्रा के आधार पर बरी कर दिया है। आरोपियों के अधिवक्ता एडवोकेट रमेश गुलेरिया ने बताया कि सुजानगढ़ थाने में 13 जुलाई 2017 को बगड़िया अस्पताल के तत्कालीन पीएमओ डॉ. नरेंद्र कुमार प्रधान ने 12 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया था। मुकदमे में बताया गया था कि 13 जुलाई 17 को शाम करीब साढ़े 6 बजे अस्पताल में विनोद कुमार नर्स द्वितीय ओपीडी में अपनी ड्यूटी कर रहा था। तभी शेर बानो निवासी सुजानगढ़ अपने साथ दो साल के बच्चे बासीद को इंजेक्शन लगवाने के लिए आई। इंजेक्शन लगवाने के कुछ देर बाद ही महिला ने अस्पताल में शोर कर दिया कि बच्चे को गलत इंजेक्शन लगा दिया, जिससे उसे पैरों से चलने में दिक्कत हो रही है। शोर मचाने के साथ ही महिला वहां मौजूद अस्पताल स्टाफ व चिकित्सकों को गालियां देने लगी। इसके बाद महिला के परिजनों ने फोन करके अन्य लोगों को अस्पताल बुलाया। जिस पर अख्तर लीलगर, मो. उस्मान, मो. नौसाद, शेर मोहम्मद, मो. हसन, मो. फारूक, जाफर, इमरान, नवाब अली, साजिद, बाबू लीलगर व 20-25 अन्य लोग आए और विनोद कुमार को मारने पीटने लगे। लात घुसों से हमला बोल दिया। जिस पर विनोद कुमार पीछे स्थित पीएमओ कार्यालय में भागा, तो सभी आरोपी उसके पीछे भागते हुए पीएमओ कार्यालय पहुंच गए और वहां पर विनोद कुमार को बुरी तरह पीटा, जिस पर वहां मौजूद स्टाफ के लोगों ने बीच बचाव के प्रयास किए। तब उपद्रवियों ने कार्यालय परिसर के दरवाजे खिड़कियों को तोड़ दिया। कम्प्यूटर, टेबल, कुर्सियां व फाईलों को इधर उधर फेंक दिया। तोड़फोड़ के बाद आरोपी विनोद को घसीटते हुए अस्पताल के सामने पोर्च में ले आए। तब मंजू देवी अपने पति को बचाने के लिए आई। तो आरोपी उसे भी मारने लगे तब अस्पताल के स्टाफ और मेडिकल स्टोर वालों ने छुड़ाया, तभी पुलिस भी आ गई। इस मुकदमे पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू की और जांच के दौरान 9 आरोपियों पर अपराध प्रमाणित मानते हुए 3/4 राजस्थान मेडिकेयर सेवा व्यक्ति और मेडिकेयर सेवा नियंत्रण (संपति की हिंसा और नुकसान का निवारण) अधिनियम 2008 के तहत भी अपराध प्रमाणित मानते हुए न्यायालय में चालान पेश किया। और आरोपी शेर बानो, बाबू, साजिद पर आरोप प्रमाणित नहीं माना। इसके बाद न्यायालय में सभी 9 आरोपियों को चार्ज सुनाया गया और आरोपियों ने अपराध करने से इंकार करते हुए अन्वीक्षा चाही। इस पर एसीजेएम न्यायालय में मुकदमा चला। ट्रायल के दौरान अधिकांश गवाहों को अभियोजन की ओर से न्यायालय में परीक्षित करवाया गया। लेकिन इसी दौरान 2024 में राज्य सरकार का एक आदेश मुकदमा विड्रा करने का आया। जिस पर अभियोजन की ओर से आदेश के साथ प्रार्थना पत्र भी न्यायालय में पेश किया गया और कहा गया कि अभियोजन अब मुकदमा नहीं चलाना चाहता, लेकिन न्यायालय ने इस प्रार्थना पत्र को खारिज कर दिया और विचारण जारी रखा। आरोपियों के अधिवक्ता एडवोकेट रमेश गुलेरिया ने बताया कि इस पर आरोपी पक्ष की ओर से एडीजे न्यायालय में गिनरानी याचिका दाखिल की गई। लेकिन एडीजे न्यायालय ने भी निगरानी याचिका खारिज करते हुए अधीनस्थ न्यायालय के आदेश को यथावत् रखा। इसके बाद राजस्थान उच्च न्यायालय में एक विविध याचिका 482 के तहत पेश की गई, जिसमें एसीजेएम कोर्ट व एडीजे कोर्ट सुजानगढ़ के आदेश को चुनौती दी गई।

इंद्रसिंह शेखावत बने रावणा राजपूत समाज के नवनिर्वाचित अध्यक्ष

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। नेशनल हाईवे नंबर 52 पर एक निजी होटल में रावणा राजपूत समाज की बैठक अध्यक्ष हरिसिंह की अध्यक्षता में आयोजित की गई। रविवार को नई कार्यकारिणी का गठन किया गया जिसमें इंद्रसिंह शेखावत को सर्वसम्मति से अध्यक्ष बनाया गया। नयी कार्यकारिणी में नत्थू सिंह शेखावत को उपाध्यक्ष, भंवरसिंह परिहार को महासचिव, अमरसिंह राजावत को कोषाध्यक्ष, डूंगर सिंह सोनगरा को संगठन सचिव और पप्पू सिंह को कार्यकारिणी सदस्य, बजरंग सिंह परिहार, शोभाराम बनीरोत व हरिसिंह कुमानी को संरक्षक नियुक्त किया गया। इस मौके पर नव नियुक्त जिलाध्यक्ष इंद्रसिंह शेखावत ने कहा कि मैं समाज के लिए सदैव कार्यशील रहूंगा और युवा वर्ग को व मातृशक्ति को ज्यादा से ज्यादा समाज से जोड़कर समाज में व्याप्त कुरीतियों को समाप्त करने का प्रयास करूंगा। उपाध्यक्ष नत्थू सिंह शेखावत ने कहा कि समाज को पिछड़ने से उभरने के लिए शिक्षित होना अति आवश्यक है।

महासचिव भंवरसिंह परिहार ने कहा कि हमें सामाजिक उत्सव शादी, जन्मदिन व मौसर पर दिखावा न करके उत्सव को साधारण रूप से मनाना चाहिए एवं मृत्यु भोज जैसे अभिशाप को बंद करना चाहिए। कार्यक्रम के अध्यक्ष पूर्व जिलाध्यक्ष हरिसिंह ने कहा कि हमारे समाज में युवाओं का योगदान बहुत कम है इसके लिए हमें राजकीय सेवा में नियुक्ति खेलकूद में उत्कृष्ट व अन्य सेवा में योगदान देने वालों को हमें सम्मानित करना चाहिए जिससे अन्य छात्र छात्राओं को प्रेरणा मिले। इस अवसर पर बैठक में समाज के प्रेम सिंह राठौड़, शंकर सिंह चौहान, बहादुर सिंह, हनुमान सिंह चौहान, श्रवण सिंह, मनोज सिंह, ओंकार सिंह, भंवर सिंह गहलोत सहित समाज के अनेक लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन इंद्रसिंह शेखावत ने किया।

पुरुषार्थी समाज सनातन धर्म मंदिर को बनाएगा आदर्श

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। अलवर के पुरातन सनातन धर्म मंदिर को पुरुषार्थी समाज आदर्श रोल मॉडल के रूप में विकसित करेगा। सनातन धर्म सभा मंदिर की अध्यक्ष संदीप नकड़ा के नेतृत्व में नव कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह में पुरुषार्थी समाज के विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों ने यह घोषणा की। इस अवसर पर नवीन कार्यकारिणी के कार्यालय का उद्घाटन पंजाबी वेलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष दीवान चंद सेतिया, पुरुषार्थी धर्मशाला समिति के अध्यक्ष प्रेम गांधी और समाजसेवी दौलत राम हजरती ने किया। यहां खानचंद चिमनी बाई हजरती की ओर से लगाए गए वाटर कूलर का उद्घाटन प्रदीप हजरती और अंजली हजरती ने किया।

मंदिर को बनाएंगे आदर्श

कार्यक्रम में अतिथि पुरुषार्थी धर्मशाला समिति स्कीम नंबर दो के अध्यक्ष के.एल. अरोड़ा, पंजाबी वैलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष दीवान चंद सेतिया, समाजसेवी अमित

छाबड़ा, धर्मशाला समिति के अध्यक्ष अमित छाबड़ा, समाजसेवी अभिषेक तनेजा, तांगा स्टैंड रामलीला के निदेशक हरि किशन खत्री, समाजसेवी जोगेन्द्र सिंह कोचर थे। इस अवसर पर सभी ने 1964 में झ्रहदू पाड़ा में बने सनातन धर्म मंदिर के विकास व सौंदर्यकरण के लिए कार्य करने का आह्वान किया। यहां दुर्गावती की ओर से तीन लाख की लागत से मंदिर में शीशे का दरबार बनाने की घोषणा की। इस अवसर पर सेवा कार्यों के लिए सौरभ कालरा, अशोक आहूजा, अशोक तनेजा, पंकज मल्होत्रा, भीमसेन कालरा, दुर्गावती, पवन सोनी, सुरेन्द्र सोनी का स्वागत किया। स्वागत करने वालों में संरक्षक कमल कपूर, अध्यक्ष संदीप नकड़ा, कोषाध्यक्ष राजू धवन, महामंत्री बलदेव अरोड़ा, पवन छाबड़ा और रवि लांबा आदि थे। संचालन धर्मेन्द्र अदलकखा ने किया।

मंदिर में चलता है प्रतिदिन अन्न क्षेत्र

1964 में स्थापित इस मंदिर में प्रतिदिन काफी संख्या में जरूरतमंद लोगों को भोजन कराया जाता है। यहां भगवान लक्ष्मीनारायण की प्रतिमा है जो शयन के रूप में है। इस मंदिर में महिला समिति यहां के सौंदर्यकरण को देखती है। इसकी अध्यक्ष कमलेश सचदेवा और कोषाध्यक्ष सुषमा अरोड़ा ने आभार जताया। अंत में समाज की ओर से समाजसेवी दौलत राम हजरती ने इस मंदिर के कायाकल्प में सभी को आगे आने का आह्वान किया और आभार जताया। नवीन कार्यकारिणी ने संदीप नकरा के नेतृत्व में पद व गोपनीयता की शपथ ली।

जलदाय मंत्री की अध्यक्षता में जयपुर संभाग के पेयजल कार्यों की समीक्षा बैठक

मुख्यमंत्री की मंशा अनुसार 24*7 कंट्रोल रूम व पेयजल कार्यों की प्रभावी मॉनिटरिंग किया जाना सुनिश्चित करें- जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री श्री कन्हैया लाल की अध्यक्षता में रविवार को विभाग के गांधीनगर परिसर स्थित सभागार कक्ष में जयपुर संभाग के पेयजल संबंधी कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जलदाय मंत्री ने ग्रीष्म ऋतु 2025 की चुनौतियों के मद्देनजर पेयजल व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए विभिन्न महत्वपूर्ण निर्देश दिए । उन्होंने कहा कि समर कंटीजेंसी के तहत नलकूप की गहराई करने, पाइपलाइन एवं पंप सेट बदलने जैसे कार्यों को शीघ्रता से पूर्ण किया जाए जिससे आमजन को भीषण गर्मी के दौरान राहत पहुंचाई जा सके। उन्होंने कहा कि जिला कलेक्टर की अनुशंसा से स्वीकृत आकस्मिक कार्यों को अति शीघ्र पूर्ण कर लिया जाए, इसमें किसी भी तरह की देरी एवं लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जलदाय मंत्री ने जयपुर शहर व ग्रामीण क्षेत्र में ग्रीष्म 2025 हेतु जल परिवर्तन कार्य वास्तविक आवश्यकतानुसार स्वीकृति अनुरूप कर पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि वर्ष 2024-25 में स्वीकृत हेडपंप एवं नलकूप निर्माण कार्यों को 15 मई 2025 तक पूर्ण कर चालू करने तथा वर्ष 2025-26 के बजट घोषणाओं के कार्यों को 31 मई 2025 तक पूर्ण कर लिया जाए।

अवैध जल कनेक्शन को हटाकर नियमित करने की कार्रवाई करें

जलदाय मंत्री ने कहा कि अभियान के दौरान अवैध जल कनेक्शनों को हटाकर नियमित करने की कार्यवाही की जाए। उन्होंने अमृत 2.0 योजना के तहत प्रक्रियाधीन निविदाओं के कार्यादेश 15 मई तक तथा शेष कार्यादेश 31 मई तक जारी करने सहित बकाया जल राजस्व वसूली में तेजी लाने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहां कि विभागीय गतिविधियों के व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए साथ ही सांभर व फुलेरा में नियमित पेयजल आपूर्ति बनाए रखने के लिए आवश्यक कार्यवाही की जाए। उन्होंने बीसलपुर योजना की ट्रांसमिशन लाइन टीएम-01 की सघन मॉनिटरिंग, जल जीवन मिशन के तहत न्यायिक प्रकरणों के कारण अटके कार्यों का शीघ्र निस्तारण एवं मिशन के तहत टूटी गई सड़कों का मरम्मत करने के निर्देश दिए। जलदाय मंत्री ने कहा कि पेयजल कनेक्शनों में निर्धारित गुणवत्ता मानकों का पालन करते हुए फिटिंग करवाई जाए साथ ही अमृत 2.0 कार्यों को फेस्ड मैनर में समय पर पूर्ण किया जाए। उन्होंने राजस्थान संपर्क पोर्टल एवं जिला स्तरीय कंट्रोल रूम पर प्राप्त शिकायतों का तत्परता से गुणवत्तापूर्ण समाधा करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को ग्रीष्म ऋतु के दौरान मुख्यालय पर उपस्थित रहने तथा वर्ष 2025-26 की बजट घोषणाओं में प्रस्तावित कार्यों की स्वीकृति प्रक्रियाओं में तेजी लाने के निर्देश भी दिए। बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री भास्कर ए सावंत मुख्य अभियंता (ग्रामीण) श्री केडी गुप्ता मुख्य अभियंता (शहरी) श्री मनीष बेनीवाल मुख्य अभियंता मुख्य अभियंता (प्रोजेक्ट) श्री राज सिंह चौधरी सहित संबंधित अभियंता गण उपस्थित रहे।

श्री वैष्णव ब्राह्मण समाज के ताराचंद वैष्णव निर्विरोध महासंघ अध्यक्ष निर्वाचित हुए

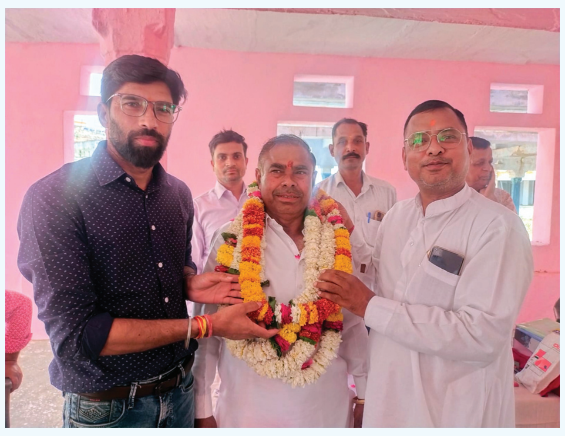

जयपुर टाइम्स

चाकसू(निसं.) चाकसू शीतला माता वैष्णव ब्राह्मण समाज धर्मशाला में श्री वैष्णव ब्राह्मण समाज महासंघ जयपुर के अध्यक्ष पद पर पुनः ताराचंद वैष्णव को निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया। 4 मई को होने थे चुनाव, आज 27 अप्रैल को नामांकन फॉर्म भरे गए ,चुनाव नामांकन फार्म भरने के लिए कोई भी महासंघ सदस्य नही आया सामने केवल मात्र ताराचंद वैष्णव का एक मात्र फॉर्म भरा गया। इस दौरान चुनाव अधिकारी शंकर लाल शर्मा ने र्निविरोध महासंघ अध्यक्ष ताराचंद वैष्णव को घोषित किया। इस दौरान चुने गए अध्यक्ष ताराचंद वैष्णव का समाज बंधुओ ने माला पहनकर स्वागत सत्कार किया। इस दौरान महासंघ चुनाव अधिकारी शंकर लाल शर्मा ने नियुक्त अध्यक्ष ताराचंद वैष्णव को निर्वाचन प्रमाण पत्र देते हुए महासंघ अध्यक्ष पद की शपथ दिलाई। इस दौरान रामगोपाल शर्मा राजेश वैष्णव महासचिव, दशरथ वैष्णव कोषाध्यक्ष, राम अवतार स्वामी, सियाराम स्वामी, महेश, शिवाजी लाल वैष्णव देवेंद्र वैष्णव रमेश ओमप्रकाश कमल वैष्णव राम अवतार सीताराम मुकेश खेमराज त्यागी मदनलाल स्वामी नानकपुरा रामप्रसाद हाथीपुरा मोहनलाल चरणगढ़ कैलाश बनवारी लाल वैष्णव सहित समाज बंधु उपस्थित रहे

फुलेरा कस्बे को जल्द मिलेगी पेयजल समस्या से राहत

प्रशासन ने स्वीकृत किए तीन महत्वपूर्ण कार्य

जयपुर टाइम्स

फुलेरा(निसं.)। फुलेरा कस्बे में लंबे समय से जारी पेयजल संकट के समाधान की दिशा में प्रशासन ने तीन महत्वपूर्ण परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की है। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, खंड जोबनेर के अधिशाषी अभियंता मदनलाल मीणा ने जानकारी देते हुए बताया कि बंद पड़े कुओं का गहरीकरण कर उन्हें पुनः चालू करने का कार्य स्वीकृत हुआ है,जिसके लिए 54.74 लाख रुपये की राशि आवंटित की गई है।इसके साथ ही, कस्बे में पानी की आपूर्ति सुचारू बनाए रखने हेतु क्षतिग्रस्त व जर्जर पाइप लाइनों को बदलने का कार्य भी स्वीकृत किया गया है, जिसके लिए 44 लाख रुपये की राशि मंजूर की गई है।तीसरी ओर, अमृत योजना के अंतर्गत फुलेरा कस्बे के लिए 7 करोड़ रुपये की स्वीकृति मिली है। इस योजना के तहत व्यापक स्तर पर जल आपूर्ति सुधार कार्य किए जाएंगे। कार्यादेश जारी कर शीघ्र ही इन कार्यों की शुरुआत की जाएगी। इन सभी कार्यों के पूर्ण होने पर फुलेरा वासियों को पेयजल संकट से स्थायी राहत मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

पहलगांव गोलीकांड के बाद फुलेरा में आपात बैठक,

सोशल मीडिया पर निगरानी के निर्देश

जयपुर टाइम्स

फुलेरा(निसं.) पहलगांव में हुई गोलीकांड की घटना के बाद फुलेरा थाना परिसर में रविवार को प्रशासन,सीएलजी सदस्यों और व्यापारियों की आपात बैठक आयोजित की गई। बैठक में क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने और सोशल मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट पर कड़ी नजर रखने का निर्णय लिया गया। बैठक की अध्यक्षता तहसीलदार कृष्णा कुमारी, उप पुलिस अधीक्षक अनुपम मिश्रा और थाना अधिकारी श्रवण कुमार ने की। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने या सौहार्द बिगाड़ने वाली पोस्ट डालने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी ।व्यापार महासंघ अध्यक्ष मनोज आहूजा, पूर्व पार्षद लतीफ कुरैशी, पूर्व पालिका अध्यक्ष रतन राजोरा, पूर्व भाजपा मंडल अध्यक्ष गजेंद्र सिंह शेखावत और शिक्षाविद शक्ति सिंह,दैनिक रेल यात्री संघ एकीकृत अध्यक्षअशोक वासदेव सहित अनेक गणमान्य नागरिक बैठक में मौजूद रहे। सभी ने क्षेत्र में शांति बनाए रखने का संकल्प दोहराया और नागरिकों से संयम बरतने की अपील की। पुलिस ने संवेदनशील इलाकों में गश्त बढ़ा दी है और घटना की जांच तेजी से जारी है। प्रशासन ने जनता से अफवाहों पर ध्यान न देने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को देने की अपील की है।

जयपुर टाइम्स
हमारे यहाँ दैनिक साप्ताहिक पाक्षिक एवं मासिक समाचार पत्रो की प्रिंटिंग की जाती है।
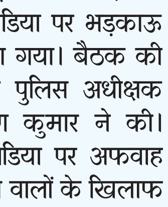
7014217770
सी-588, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मण्डी रोड़, जयपुर-13

चाकसू के अंबेडकर सर्किल पर लोगों ने किया विरोध प्रदर्शन

आतंकी संगठनों का पुतला दहन कर नारेबाजी

जयपुर टाइम्स

चाकसू(निसं.)। चाकसू के अंबेडकर सर्किल पर रविवार को विश्व हिन्दू परिषद बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने आतंकी संगठनों और पाकिस्तान का पुतला दहन कर अपने गुस्से और आक्रोश का जोरदार प्रदर्शन किया। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए कायराना आतंकी हमले के खिलाफ शनिवार को प्रदर्शन के दौरान विश्व हिन्दू परिषद बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने आतंकवाद मुर्दाबाद, पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे लगाते हुए हमले की घोर निंदा की और आतंकियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग उठाई। प्रदर्शन स्थल पर मौजूद वक्ताओं ने कहा कि यह हमला न केवल देश की संप्रभुता पर हमला है, बल्कि मानवता के खिलाफ भी एक गहरी साजिश है। उन्होंने सरकार से मांग की कि दोषियों को तुरंत पकड़कर कठोर से कठोर सजा दी जाए और आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई की जाए। बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने आतंकवादी हमले में शहीद हुए निर्दोषों को श्रद्धांजलि अर्पित की और दो मिनट का मौन रखकर उन्हें नमन किया। इस मौके पर महेश जी प्रखंड अध्यक्ष विहिप, प्रखंड मंत्री रमेश साहू, केशव गौतम जिला मिलन प्रमुख, भगवान गुर्जर गौ रक्षा प्रमुख, बलराम शर्मा धर्माचार्य प्रमुख,सुनील गौतम प्रखंड मिलन प्रमुख, बुद्धि प्रकाश गौतम,कौशल वाल्मीकि प्रखंड सहसंयोजक, मोहित अग्रवाल, सुनील गौतम,सुरेश यादव, रामावतार शर्मा, प्रहलाद भगत, महेश शर्मा, घनश्याम बाहेती, कृष्ण बिहारी शर्मा, दिनेश शर्मा, आशीष गोस्वामी, मोहित गोड़ीवाल, मुकेश शर्मा,सौरभ रावत, कौशिक, यश, अनिल गुर्जर, तरुण गौतम आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे ।

कानून व्यवस्था के साथ सौहार्द और सद्भाव बनाए रखने के लिए हर संभव प्रयास हों सुनिश्चित

जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने अधिकारियों को दिये सख्त निर्देश

असामाजिक तत्वों पर नजर रखने एवं सोशल मीडिया की मॉनिटरिंग के लिए किया निर्देशित

जयपुर टाइम्स

जयपुर(निसं.)। जिला कलेक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने जयपुर में कानून व्यवस्था बनाए रखने के साथ-साथ जिले में सांप्रदायिक सौहार्द और आपसी सदभाव कायम बनाये रखने के लिए हर संभव प्रयास सुनिश्चित करने के निर्देश दिये हैं। जिला कलक्टर ने रविवार को जिले की कानून व्यवस्था को लेकर वीसी के माध्यम से अधिकारियों की बैठक ली जिसमें उन्होंने अधिकारियों को प्रत्येक स्तर पर संवाद कायम रखते हुए कानून व्यवस्था बिगाड़ने वाले तत्वों पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिये। बैठक में जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने सभी उपखण्ड अधिकारियों से कानून व्यवस्था के संबंध में फीडबैक लिया। उन्होंने उपखण्ड अधिकारियों एवं पुलिस उपाधीक्षकों को प्रत्येक स्तर पर क्षेत्र के मौजीज लोगों, धर्म गुरूओं के साथ संवाद कायम करने, सभी पुलिस थानों को नियमित सीएलजी और शान्ति समितियों की बैठक लेकर संदिग्ध व्यक्तियों, स्थानों, भ्रामक और साम्प्रदायिक तनाव भड़काने वाले व्यक्तियों की पहचान कर उन पर सख्त कार्रवाई करने, सूचना तंत्र को और अधिक मजबूत बनाने के साथ-साथ सोशल मीडिया की मॉनिटरिंग करने के लिए भी निर्देशित किया। जिला कलक्टर ने जिले में कानून एवं शान्ति व्यवस्था बनाये रखने के लिए पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों को मुस्तैदी से कार्य करने, नाकेबंदी और पुलिस गश्त को और अधिक सशक्त बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने महत्वपूर्ण स्थानों, मुख्य बाजार, पर्यटन स्थलों, धार्मिक स्थलों, बस स्टेण्ड, रेल्वे स्टेशन एवं संवेदनशील एवं भीड़भाड़ वाले अन्य स्थानों पर सतत् निगरानी रखने एवं पर्याप्त पुलिस जाप्ता नियोजित करने के साथ-साथ संभावित तनावपूर्ण स्थानों को चिन्हित कर अतिरिक्त जाप्ता लगाने के निर्देश दिये। जिला कलक्टर के निर्देशों की अनुपालना में बैठक के बाद जिले के सभी उपखंड अधिकारियों, पुलिस उप अधीक्षकों, तहसीलदार, नायब तहसीलदार ने पुलिस थानों में सीएलजी शांति समिति की बैठक ली क्षेत्र में कानून व्यवस्था एवं सौहार्द बनाने एवं बनाये रखने के लिए मौजिज लोगों एवं धार्मिक संगठनों के पदाधिकारियों, सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों सहित आमजन से संवाद किया।

रास्ते खुले, चेहरे खिले और कुछ इस तरह ग्रामीणों के लिए वरदान बन गया रास्ता खोलो अभियान

अभियान के तहत महज साढ़े पांच महीनों में खुले एक हजार से अधिक रास्ते

हर सप्ताह हर तहसील में खोले जा रहे तीन रास्ते, लाखों ग्रामीणों की राहें हुई आसान

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशों की अनुपालना में जयपुर जिले में रास्ता खालो अभियान का प्रभावी संचालन किया जा रहा है। विगत साढ़े पांच महीनों में अभियान के तहत जयपुर जिले में एक हजार से अधिक रास्ते खोल कर लाखों ग्रामीणों को राहत प्रदान की गई है। अतिरिक्त जिला कलक्टर एवं अभियान की नोडल अधिकारी देवेन्द्र कुमार जैन ने बताया कि जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देषन में प्रत्येक तहसील में हर सप्ताह 3 रास्ते खुलवाए जा रहे हैं। रास्ता खोलो अभियान के सफल क्रियान्वयन एवं अधिक से अधिक आमजन को लाभांवित करने के लिए जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी स्वयं अभियान की लगातार मॉनिटरिंग कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि अभियान के तहत विगत एक सप्ताह में जयपुर जिले के समस्त तहसीलों में बरसों से बंद 41 रास्ते खुलवाए गए। अभियान के तहत जिला प्रशासन ने समझाइश एवं सहमति से महज साढ़े 5 महीनों में गांवों, खेतों और ढाणियों के बरसों से बंद पड़े एक हजार 18 रास्ते खुलवाने में कामयाबी हासिल की है। नोडल अधिकारी देवेन्द्र कुमार जैन ने बताया कि 15 नवंबर 2024 से 27 अप्रैल 2025 तक अभियान के तहत जिले में फागी तहसील में सर्वाधिक 84 रास्ते खुलवाए गए हैं। जिनमें से 44 रास्तों पर ग्रेवल सड़क बनाये जाने का कार्य जारी है। वहीं, 2 रास्तों पर ब्लॉक सड़क का निमार्ण कार्य जारी है। वहीं, अभियान के तहत जयपुर तहसील में 4 रास्ते, कालवाड़ तहसील में 8 रास्ते, आमेर तहसील में 59 रास्ते, जमवारामगढ़ तहसील में 47 रास्ते, आंधी तहसील में 49 रास्ते, बस्सी तहसील में 51 रास्ते, तूंगा तहसील में 42 रास्ते खुलवाए गए। वहीं, शाहपुरा तहसील में 64 रास्ते, जोबनेर तहसील में 62 रास्ते, किशनगढ़-रेनवाल तहसील में 51 रास्ते, फुलेरा तहसील में 56 रास्ते, रामपुरा-डाबड़ी तहसील में 42 रास्ते, जालसू तहसील में 33 रास्ते, चौमूं तहसील में 68 रास्ते, सांगानेर तहसील में 21 रास्ते खुलवाए गए। उन्होंने ने बताया कि चाकसू तहसील में 41 रास्ते, कोटखावदा तहसील में 41 रास्ते, माधोराजपुरा तहसील में 57 रास्ते, दूदू तहसील में 55 रास्ते एवं मौजमाबाद तहसील में 63 रास्ते खुलवाए गए। उन्होंने बताया कि जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने अधिकारियों को रास्ता खोलो अभियान के तहत बंद रास्ते खुलवाए जाने के पश्चात खोले गए रास्तों पर ग्रेवेल, सी.सी. रोड़ बनवाये जाने की कार्यवाही भी जल्द से जल्द अमल में लाने के निर्देश दिये हैं, इन निर्देशों की अनुपालना में अधिकांश स्थानों पर ग्रेवल रोड बनाने की कार्यवाही भी आरंभ की जा चुकी है। वहीं, जिन रास्तों के वाद न्यायालय में विचाराधीन है परिवादियों द्वारा संबंधित न्यायालय से ही अनुतोष प्राप्त किया जाएगा। ग्रामीण क्षेत्रों में रास्तों की भूमि पर अतिक्रमण को लेकर जनसुनवाई के दौरान बड़ी संख्या में परिवाद प्राप्त होते हैं। रास्तों को लेकर न्यायालय में भी वाद दायर किए जाते रहते हैं। ऐसे प्रकरणों में निरन्तर बढ़ोतरी होने से आमजन को न्यायालय के चक्कर लगाने एवं जन-धन की हानि होने के साथ-साथ क्षेत्र की कानून व्यवस्था भी प्रभावित होती है। इसलिए प्रशासन ने रास्ते सम्बन्धी समस्याओं के निराकरण के लिए 'रास्ता खोलो अभियान' चलाने का निर्णय लिया गया।

सुन्दरकाण्ड समिति चूरू का 22 वां वार्षिकोत्सव संपन्न

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। श्री हनुमान भक्त मंडल सुन्दरकाण्ड समिति चूरू का 22वां वार्षिकोत्सव शनिवार देर रात समारोहपूर्वक संपन्न हुआ। सुभाष चौक स्थित लोहिया के सीताराम मंदिर में भव्य सुन्दरकाण्ड पाठ का आयोजन किया गया। पाठ वाचकों ने प्रबिसी नगर कीजै सब काजा, हृदय राखि कौशलपुर राजा, दीनदयाल बिरदु संभारी,हरहु नाथ मम संकट भारी, जैसी चौपाइयों के मर्म की विस्तृत व्याख्या की गई तथा सुन्दरकाण्ड के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया। इस अवसर पर देवकीनन्दन चौधरी, अनिल कसेरा, उत्तम ओझा, पवन ठठेरा, सुशील लोहिया, मनोज अग्रवाल, सुशील जांगिड़, घनश्याम स्वामी, पंकज शर्मा, ओमप्रकाश स्वामी, गौरीशंकर जांगिड़ व राधेश्याम सारस्वत आदि उपस्थित सदस्यों ने सुन्दरकाण्ड पाठ का वाचन किया। यह समिति चूरू जनपद की सबसे पुरानी सुन्दरकाण्ड समिति है जो गत 22 वर्षों से घर घर जाकर निशुल्क सुन्दरकाण्ड का पाठ करती आ रही है।

5 हजार उचित मूल्य की दुकानों पर अन्नपूर्णा भण्डार खोलने हेतु सुझाव आमंत्रित करने सोमवार को होगी बैठक

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। प्रदेशभर में प्रस्तावित अन्नपूर्णा भण्डार योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए सोमवार को राजस्थान राज्य खाद्य एवं आपूर्ति निगम मुख्यालय में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक की अध्यक्षता निगम के प्रबन्ध निदेशक राजेंद्र वर्मा करेंगे। इसमें एफएमसीजी उत्पादक, एग्रीग्रेटर, केरिंग और फॉरवर्डिंग एजेंट (सीएफए), राशन डीलर एसोसिएशन तथा राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद के अध्यक्ष व प्रतिनिधि शामिल होंगे। इस बैठक का उद्देश्य प्रदेश में 5 हजार उचित मूल्य की दुकानों पर खोले जाने वाले अन्नपूर्णा भण्डार के संचालन हेतु विभिन्न पक्षों से सुझाव एकत्र करना है। सरकार का लक्ष्य है कि अल्प आय वर्ग के परिवारों को रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुएं उचित मूल्य पर उपलब्ध कराई जाएं। इससे सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत कार्यरत उचित मूल्य दुकानदारों को भी आर्थिक मजबूती मिलेगी। उल्लेखनीय है कि राज्य बजट 2025-26 की घोषणा (बिंदु संख्या 80) के तहत अन्नपूर्णा भण्डार योजना प्रस्तावित की गई है। योजना के तहत मल्टी ब्रांड उपभोक्ता वस्तुएं उच्च गुणवत्ता के साथ उचित एवं प्रतिस्पर्धी दरों पर उपलब्ध कराई जाएंगी। इससे उपभोक्ताओं को एक ही स्थान पर विविध ब्रांड के उत्पाद खरीदने की सुविधा मिलेगी। बैठक में विभिन्न हितधारकों के सुझावों के आधार पर विस्तृत दिशा-निर्देश तैयार किए जाएंगे, ताकि योजना के सफल क्रियान्वयन को सुनिश्चित किया जा सके।

गांधी की दृष्टि में गांव और किसान

1920 से गांधीजी ने पूरे देश के स्वराज्य के लिए असहयोग, सविनय अवज्ञा जैसे जो आंदोलन चलाए, उनके पीछे भी उनका मुख्य उद्देश्य रहा गांवों तथा किसानों का पुनरुद्धार करना, क्योंकि उनका मानना था कि भारत अपने सात लाख गांवों में बसता है, न कि चंद शहरों में। यही कारण था कि जहां वे एक तरफ राष्ट्रीय स्वाधीनता आंदोलन तथा अपने रचनात्मक कार्यक्रमों को उत्तरोत्तर व्यापक व असरदार बनाने में पूरे दम-खम के साथ लगे रहे, वहीं उनका गांवों से लगाव प्रगाढ़ होता गया। यही कारण था कि वे 1933 में अहमदाबाद के साबरमती आश्रम को छोड़ वर्धा आ गए और 1936 में वर्धा से कुछेक मील की दूरी पर सेगांव नामक गांव में आकर आश्रम बना कर रहने लगे। बाद में इस 'सेगांव' का ही नामकरण सेवाग्राम कर दिया गया जो निपट गंवई इलाका था। सेवाग्राम में बसने के पीछे गांधी ने जो कारण बताए थे, वे गांवों से उनके गहरे लगाव को समझने में बहुत सहायक हैं।

महात्मा गांधी के विचारों और सोच के निर्माण में देश-विदेश के अनेक विचारकों, कवियों, लेखकों के साथ-साथ उनके अपने जीवनानुभवों का भी बहुत बड़ा हाथ रहा। इन जीवनानुभवों में अत्यंत महत्त्वपूर्ण रहा भारत में गांवों तथा किसानों के संबंध में उनके अनुभव। यह दीगर बात है कि उनके विचारों तथा कार्यों के मूल्यांकन के संदर्भ में इस पक्ष पर बहुत कम ध्यान दिया जाता है। सर्वविदित है कि दक्षिण अफ्रीका में रहते हुए वहां रंग-भेद के खिलाफ गांधी ने संघर्ष के लिए 'सत्याग्रह' जैसे अस्त्र का आविष्कार किया, पर इस सत्याग्रह की सफलता का भरोसा बहुत हद तक उन्हें भारत के किसानों की जीवन शैली से प्राप्त हुआ था। सत्याग्रह में जिस साहस को वे आवश्यक मानते थे, वह उन्हें शहरी लोगों में नहीं, बल्कि किसानों के जीवन में मूर्तिमान रूप में दिखाई पड़ता था। 'हिंद स्वराज' में वे स्पष्ट शब्दों में कहते हैं- 'मैं आपसे यकीनन कहता हूं कि खेतों में हमारे किसान आज भी निर्भय होकर सोते हैं, जबकि अंग्रेज और आप वहां सोने के लिए आनाकानी करेंगे।ज किसान किसी के तलवार-बल के बस न तो कभी हुए हैं और न होंगे। वे तलवार चलाना नहीं जानते, न किसी की तलवार से वे डरते हैं। वे मौत को हमेशा अपना तकिया बना कर सोनेवाली महान प्रजा हैं। उन्होंने मौत का डर छोड़ दिया है। ज्बात यह है कि किसानों ने, प्रजा मंडलों ने अपने और राज्य के कारोबार में सत्याग्रह को काम में लिया है। जब राजा जुल्म करता है तब प्रजा रूठती है। यह सत्याग्रह ही है।'

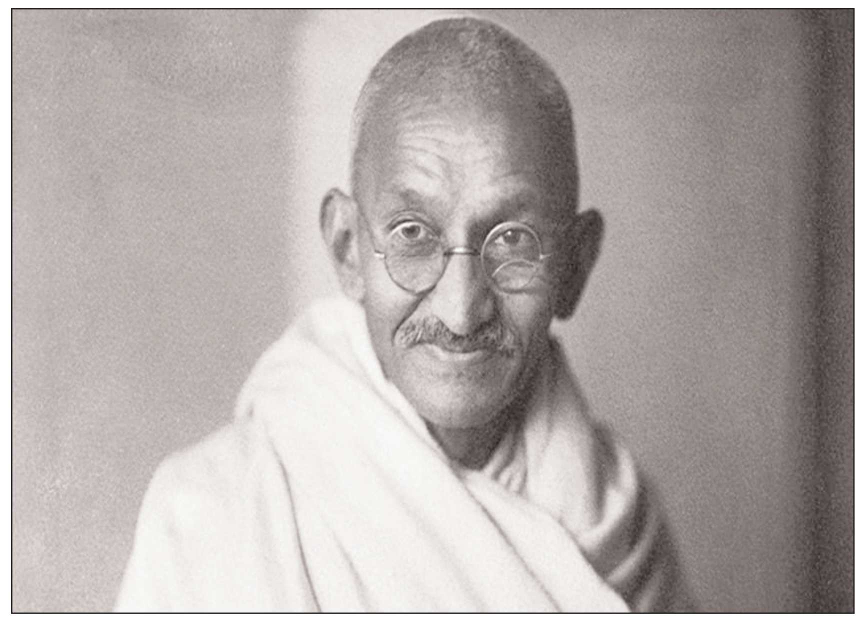

गांधी जहां अपने सत्याग्रह की सफलता के लिए किसानों जैसा साहस, मौत से न डरने का जज्बा वांछनीय समझते थे, वहीं देश की आजादी हासिल करने में भी किसानों की महती भूमिका स्वीकार करते थे। छह फरवरी 1916 को काशी हिंदू विश्वविद्यालय के उद्घाटन-समारोह में गांधी ने जो ऐतिहासिक भाषण दिया था, उसमें उन्होंने दो टूक कहा था- 'मैं जब कभी यह सुनता हूं कि कहीं कोई बड़ा भवन उठाया जा रहा है, तो मेरा मन दुखी हो जाता है और मैं सोचने लगता हूं यह पैसा तो किसानों के पास से इकट्ठा किया गया पैसा है। यदि हम इनके परिश्रम की सारी कमाई दूसरों को उठा कर ले जाने दें तो कैसे कहा जा सकता है कि स्वराज्य की कोई भी भावना हमारे मन में है। हमें आजादी किसानों के बिना नहीं मिल सकती। आजादी वकील, डॉक्टर या संपन्न जमींदारों के वश की बात नहीं है।' वस्तुत किसानों के प्रति यही हमदर्दी गांधी को चंपारण के गांवों तक खींच ले गई जहां के किसान अंग्रेज नीलहे जमींदारों के दमन से त्रस्त थे। अप्रैल 1917 में चंपारण पहुंच कर गांधी ने नीलहे जमींदारों के स्वेच्छाचार के खिलाफ सत्याग्रह करके वहां के किसानों को 'तीन कठिया प्रथा' के शोषण-चक्र से छुटकारा दिलाया। 1920 से गांधीजी ने पूरे देश के स्वराज्य के लिए असहयोग, सविनय अवज्ञा जैसे जो आंदोलन चलाए, उनके पीछे भी उनका मुख्य उद्देश्य रहा गांवों तथा किसानों का पुनरुद्धार करना, क्योंकि उनका मानना था कि भारत अपने सात लाख गांवों में बसता है, न कि चंद शहरों में। यही कारण था कि जहां वे एक तरफ राष्ट्रीय स्वाधीनता आंदोलन तथा अपने रचनात्मक कार्यक्रमों को उत्तरोत्तर व्यापक व असरदार बनाने में पूरे दम-खम के साथ लगे रहे, वहीं उनका गांवों से लगाव प्रगाढ़ होता गया। यही कारण था कि वे 1933 में अहमदाबाद के साबरमती आश्रम को छोड़ वर्धा आ गए और 1936 में वर्धा से कुछेक मील की दूरी पर सेगांव नामक गांव में आकर आश्रम बना कर रहने लगे। बाद में इस 'सेगांव' का ही नामकरण सेवाग्राम कर दिया गया जो निपट गंवई इलाका था। सेवाग्राम में बसने के पीछे गांधी ने जो कारण बताए थे, वे गांवों से उनके गहरे लगाव को समझने में बहुत सहायक हैं। 'गांधी-मार्ग' पत्रिका के नवंबर-दिसंबर 2016 अंक में छपे लेख में कनकमल गांधी ने बताया है कि सेवाग्राम आते ही शाम की प्रार्थना में बापू ने बताया कि हमारी दृष्टि देहली की ओर से उलट कर देहात की ओर होनी चाहिए। देहात हमारा कल्पवृक्ष है। मेरे सेगांव में आ बसने का तात्कालिक उद्‌देश्य तो यह है कि मैं अपनी सामर्थ्य-भर गांवों में व्याप्त भयंकर अज्ञान और दरिद्रता को और उससे भी भयंकर बाहरी गंदगी को दूर कर सकूं। सच तो यह है कि ये तीनों बुराइयां एक दूसरे से जुड़ी हुई हैं। हम गांवों में फैले हुए इस अज्ञान को मुंह से अक्षर-ज्ञान करा कर नहीं, बल्कि लोगों के समक्ष सफाई का आदर्श-पाठ प्रस्तुत करके, उन्हें दुनिया में क्या कुछ हो रहा है, इसकी जानकारी देकर और इसी तरह के दूसरे उपायों से दूर करना चाहते हैं। पर इससे यह नहीं समझना चाहिए कि गांधीजी सिर्फ सेवाग्राम को इन बुराइयों से मुक्त करना चाहते थे, वस्तुत वे उसे समस्त गांवों के समक्ष एक मॉडल के रूप में प्रस्तुत करना चाहते थे ताकि भारत के सभी गांव स्वच्छ, साफ-सुथरे हों। वे अपने लेखों के जरिये बार-बार इन बातों की तरफ ग्रामवासियों का ध्यान आकृष्ट करते रहे। मई 1936 के 'हरिजन' में उन्होंने लिखा- 'हमें गांवों को अपने चंगुल में जकड़ रखने वाली जिस त्रिविध बीमारी का इलाज करना है, वह इस प्रकार है (1) सार्वजनिक स्वच्छता की कमी (2) पर्याप्त और पोषक आहार की कमी (3) ग्रामवासियों की जड़ता।' गांवों को इस जहालत से उबारने में वे शहरवासियों का सहयोग भी वांछनीय समझते थे। गांधीजी यह भी चाहते थे कि प्रत्येक गांव अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के मामले में स्वावलंबी हो तभी वहां सच्चा ग्राम-स्वराज्य कायम हो सकता है। इसके लिए उन्होंने इस बात पर भी बल दिया कि जमीन पर अधिकार जमींदारों का नहीं होगा, बल्कि जो उसे जोतेगा वही उसका मालिक होगा। इसके अतिरिक्त, उन्होंने ग्रामोद्योग की उन्नति के लिए कुटीर उद्योगों को बढ़ाने पर बल दिया जिसमें उनके द्वारा चरखा तथा खादी का प्रचार शामिल था। गांधी का मानना था कि चरखे के जरिये ग्रामवासी अपने खाली समय का सदुपयोग कर वस्त्र के मामले में स्वावलंबी हो सकते हैं। ग्रामोद्योगों की प्रगति के लिए ही उन्होंने मशीनों के बजाय हाथ-पैर के श्रम पर आधारित उद्योगों को बढ़ाने पर जोर दिया। यह कहने में तनिक असंगति नहीं कि दक्षिण अफ्रीका से भारत आने के बाद गांधीजी ने कमर तक धोती पहनने तथा कमर का ऊपरी हिस्सा उघारे रखने का जो लिबास अपनाया, वह यहां के ग्रामवासियों के पहनावे के ही अनुरूप था, क्योंकि तब अधिकतर किसान गर्मी-बरसात में कमर से ऊपर उघारे देह ही रहते थे।

सम्पादकीय

पहलगाम हमले पर सियासी सरहदें टूटीं, एकजुट भारत ने दिया दुश्मनों को कड़ा संदेश

यह एक स्वस्थ लोकतंत्र की निशानी है कि जब भी राष्ट्रीय सुरक्षा का मसला उठता है, तो सभी राजनीतिक दल अपने नफे-नुकसान से ऊपर उठ कर एकजुटता दिखाते और सार्थक समाधान के उपाय तलाशते हैं। पहलगाम आतंकी हमले पर राजनीतिक दलों की एकजुटता और सरकार को खुले मन से समर्थन इस अर्थ में सराहनीय है। इस मामले में सरकार ने भी लचीला रुख दिखाया और स्वीकार किया कि सुरक्षा व्यवस्था में उसकी तरफ से चूक हुई है। दरअसल, विपक्षी दल इसी मुद्दे पर लगातार सवाल पूछ रहे थे। सरकार ने उसे टालने का प्रयास नहीं किया और अपनी कमजोरी को स्वीकार किया। इससे आगे की रणनीति पर काम करने में आसानी होगी। सबसे बड़े विपक्षी दल के अध्यक्ष ने कहा कि इस मसले पर सरकार जो भी फैसला करेगी और कदम उठाएगी, उसमें उनकी पार्टी उसके साथ खड़ी रहेगी। अन्य सभी विपक्षी दलों ने भी सरकार को यही भरोसा दिलाया। निस्संदेह इससे अंतरराष्ट्रीय मंचों पर एक सशक्त संदेश गया और इस आतंकी हमले को लेकर सियासत करने का सिलसिला भी समाप्त हो गया है। अच्छी बात है कि सरकार ने इस मसले पर देश के सभी राजनीतिक दलों को अपने साथ जोड़ लिया। हालांकि ऐसे नाजुक मामलों में सूचनाएं और संसाधन सरकार के पास ही होते हैं और आगे के कदम उसे ही उठाने होते हैं, पर वह विपक्षी दलों को नजरअंदाज नहीं कर सकती। जिन मामलों में पूरे देश के प्रतिनिधित्व की जरूरत होती है, उनमें उन्हें साथ लेना ही चाहिए। यही परंपरा भी रही है। अगर ऐसा न होता, तो बेवजह सियासी रस्साकशी शुरू होती, जो कि किसी भी रूप में अच्छा नहीं कहा जा सकता। विपक्षी दलों ने अपनी लोकतांत्रिक मर्यादा निभाई है, अब सरकार पर है कि वह किस तरह उनकी भावनाओं का मान रखती है। यों, ऐसे मौकों पर सरकार के ऊपर कई अतिवादी किस्म के दबाव भी बनते हैं, जो कि बन भी रहे हैं। पर क्या देश के हित में है, उसका फैसला अंतिम रूप से सरकार को ही करना पड़ता है। विपक्षी दलों की तरफ से एक सुझाव आया कि सरकार को सीमा पार आतंकी ठिकानों को नेस्तनाबूद करने की कोशिश करनी चाहिए। सभी ने पाकिस्तान पर शिकंजा कसने के लिए सरकार के फौरी फैसलों की सराहना की है। पर देश के बहुत सारे लोगों की भावना पाकिस्तान के खिलाफ सख्त और निर्णायक कदम उठाने की है। भारत के फैसलों के जवाब में पाकिस्तान ने जो कदम उठाए हैं, उससे जाहिर है कि वह रार लेना चाहता है। भारत के सामने पाकिस्तान की हैसियत बहुत मामूली है। वह इस वक्त बहुत बुरे दौर से गुजर रहा है। जबकि भारत तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है और दुनिया के देश इसकी तरफ सम्मान की नजर से देखते हैं। पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय बिरादरी में अलग-थलग पड़ा हुआ है। वहां की हुकूमत खुद अपनी अहमियत के लिए जूझ रही है। ऐसे में भारत को उसे सबक सिखाने के लिए बहुत ठंडे दिमाग से फैसला करना होगा। पुलवामा की घटना के बाद जिस तरह उस पर निरंतर दबाव बनाए रखने की जरूरत थी, उस पर फिर से विचार किया जा सकता है। आतंकवाद से निपटने के मसले पर भारत को दुनिया के अनेक देशों का समर्थन हासिल है, इसलिए पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों को खत्म करने को लेकर रणनीति बनाना महत्त्वपूर्ण हो सकता है। सर्वदलीय बैठक में सुझाए गए बिंदुओं को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए।

धीरज का दम

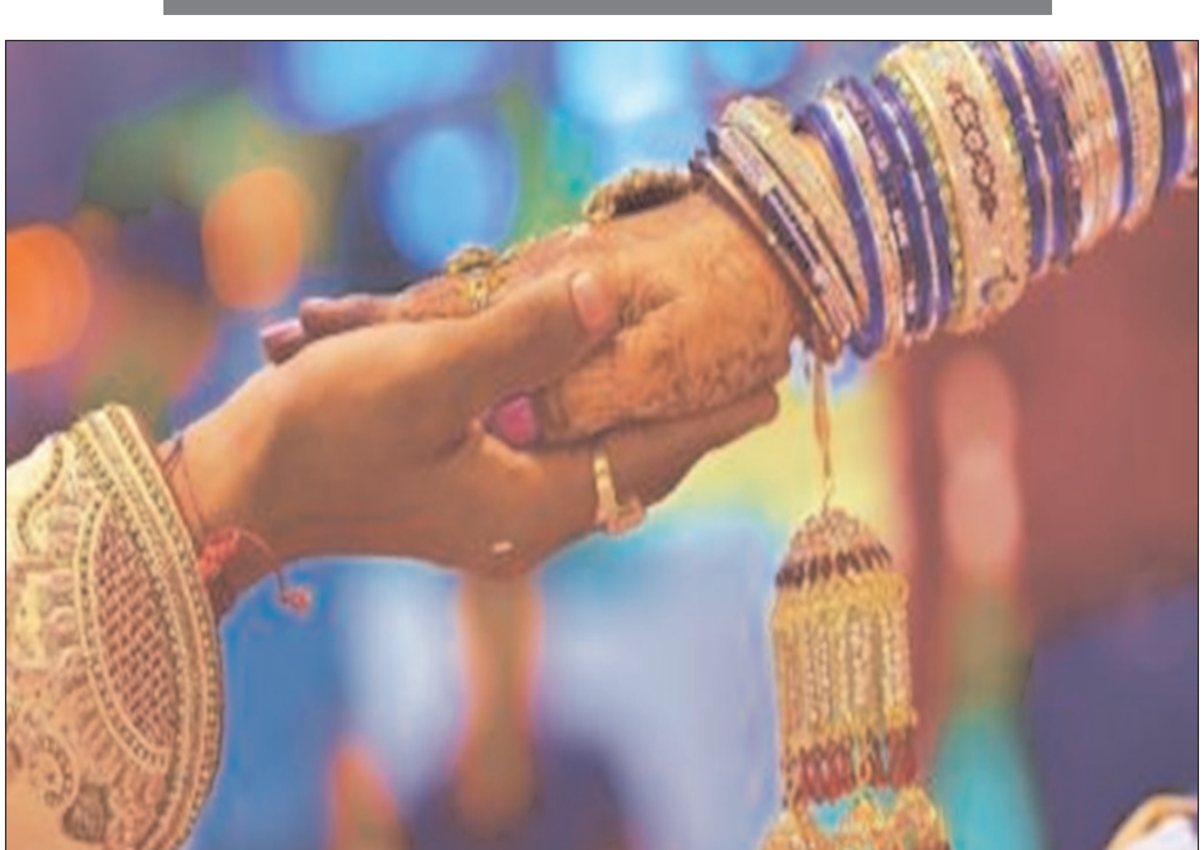

एक बीता वर्ष किसी के लिए बहुत अच्छा रहा होगा, किसी के लिए मध्यम, तो किसी के लिए खराब। किसी के घर में नन्ही किलकारियां गूंजी होंगी, तो किसी के यहां गृहस्थ जीवन का आरंभ यानी विवाह हुआ होगा। किसी को शिक्षा में उन्नति मिली होगी, किसी को व्यापार में। पर इसका एक पहलू और है, वह है दुख का। कोई अपने करीबियों को खोया होगा, किसी को असफलता हाथ आई होगी। सुख और दुख एक सिक्के के दो पहलू हैं। ये हमारे जीवन का संतुलन बनाए रखते हैं। नव वर्ष पर व्यक्ति ने अपने मन में कोई निश्चय किया होगा, कोई प्रण लिया होगा। यह उचित भी है। लेकिन हम जो भी निश्चय करें, हमें दोनों पक्षों के लिए खुद को तैयार रखना चाहिए। आज की युवा पीढ़ी सब कुछ अच्छा होने के विषय में सोच कर चल रही है। यह उचित है, लेकिन जो भी आपकी अपने आप से अपेक्षा है, उसका दूसरा पक्ष भी सोच कर खुद को तैयार कर के चलना चाहिए। हम अपनी क्षमता का विश्लेषण कर के चले, अपनी कमजोरी, अवसर और भय को लिख लें। जिन विषयों पर हमें ज्यादा काम करना है, उसकी सूची बना कर अपने सामने रखें। आत्महत्या के बढ़ते मामलों का एक कारण यह भी हैं कि हम खुद सब कुछ तय कर लेते हैं और जब उस अनुसार नहीं हो रहा होता है तो तनाव और अवसादग्रस्त हो जाते हैं। बचपन में नैतिक शिक्षा वाले पाठ में हमें यह सिखाया जाता रहा है कि जो हो रहा हैं, वह अच्छा है। जो हो गया, वह भी अच्छा था और जो होगा, वह भी अच्छा होगा। हम जिस काम में लगे हैं, उसमें अपना शत-प्रतिशत दें। देर हो सकती है, पर परिणाम अवश्य अच्छा होगा, धैर्य रखने की जरूरत है। दरअसल, आज की पीढ़ी की धैर्य का ही स्तर नीचे गिरता जा रहा है। स्मार्टफोन हमें कितना भी स्मार्ट क्यों न बना दे, एक स्वस्थ जीवन को जीने का स्मार्ट तरीका और धैर्य धारण करना नहीं सिखा सकता। उसका रेडिएशन यानी विकिरण हमें चिड़चिड़ापन का शिकार बना रहा है। अपनों से दूर कर रहा है। यह कैसा स्मार्टफोन हैं, जो हमारे जीवन से खुशियों को दूर कर हमे अवसादग्रस्त कर रहा है। आज युवा पीढ़ी के जीवन में एक ऐसा शत्रु बन बैठा है, जिससे निकालना मुश्किल है। यह एक वैश्विक संकट बनता जा रहा है, जो दीमक की तरह हमारे विचार, जीवन और हमारी आत्मा तक को खाए जा रहा। एक श्लोक में कहा गया है- 'व्यसने वार्थकृच्छे वा भये वा जीवितान्तगते। विमृशंश्च स्वया बुद्ध्या धृतिमान नावसीदति।' यानी शोक में, आर्थिक संकट में या प्राणों का संकट होने पर जो अपनी बुद्धि से विचार करते हुए धैर्य धारण करता है, उसे अधिक कष्ट नहीं उठाना पड़ता। इस नव वर्ष में प्रण किया जा सकता है कि कैसी भी परिस्थिति हो, हम खुद को तैयार कर धैर्य से सामना करेंगे। हाल में चीन की अध्यक्षता और कनाडा की मेजबानी में मांट्रियल शहर में आयोजित पंद्रहवें संयुक्त राष्ट्र जैव विविधता सम्मेलन कुनमिंग मांट्रियल वैश्विक जैव विविधता रूपरेखा नामक ऐतिहासिक समझौते के साथ समाप्त हो गया।

नेपथ्य के नायक

ये नायक सिर्फ स्वतंत्रता संग्राम के वक्त नहीं थे, बल्कि वे आज भी हमारे आसपास मौजूद होते हैं, लेकिन हम उनके दखल पर गौर करने को तैयार नहीं होते। एक सत्य घटना का उल्लेख कर रहा हूं। उस दिन पुष्य नक्षत्र था, इसलिए शहर की आभूषण बेचने वाली तमाम दुकानों के विज्ञापनों से अखबार पटे हुए थे। इसकी वजह यह थी कि पुष्य नक्षत्र में सोना-चांदी खरीदना शुभ माना जाता है। मेरे दो रिश्तेदार भी कुछ गहने खरीदने शाम को बाजार गए। बाजार में अन्य खरीदारी के बाद उन्होंने अपनी पसंद का गहना खरीदा तब तक अंधेरा छा चुका था।

हमारे देश को ब्रिटिश राज से स्वतंत्रता मिली तो इसका श्रेय मुख्य रूप से महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, वल्लभभाई पटेल आदि के साथ भगतसिंह, राजगुरु जैसे स्वतंत्रता सेनानियों को दिया जाता है। इसमें कोई संदेह नहीं कि इन महान लोगों की बहुत भूमिका रही देश को आजाद कराने में, लेकिन इनके अलावा भी सैकड़ों-हजारों और भी थे, जिन्होंने अपने घर-परिवार की चिंता छोड़ कर इस महासंग्राम में आहुतियां दी थीं। इस महासंग्राम में कुछ लोगों ने विदेशी सामान का बहिष्कार करते हुए अपनी खून-पसीने की कमाई से खरीदे विदेशी कपड़े और सामान जला दिया। क्रांतिकारियों की चिट्ठियां एक से दूसरे के पास पहुंचाने का काम भी अनेक लोगों ने किया। इसी तरह अपने घरों में क्रांतिकारियों को पनाह देने वाले भी बहुत थे। कहा जा सकता है कि उस दौर में बहुत सारे लोगों ने सीधे तो आंदोलनों में हिस्सा नहीं लिया, लेकिन उन्होंने आंदोलन के दौरान जो भूमिकाएं निभाई थीं, उन्हें भले दर्ज नहीं किया गया, लेकिन उनकी अहमियत बहुत ज्यादा है। दरअसल, 'अनसंग हीरोज' या फिर नेपथ्य के नायक इन्हीं को कहा जाता है, क्योंकि इनके बलिदानों को इतिहास में कहीं कोई स्थान नहीं मिल पाया। ये नायक सिर्फ स्वतंत्रता संग्राम के वक्त नहीं थे, बल्कि वे आज भी हमारे आसपास मौजूद होते हैं, लेकिन हम उनके दखल पर गौर करने को तैयार नहीं होते। एक सत्य घटना का उल्लेख कर रहा हूं। उस दिन पुष्य नक्षत्र था, इसलिए शहर की आभूषण बेचने वाली तमाम दुकानों के विज्ञापनों से अखबार पटे हुए थे। इसकी वजह यह थी कि पुष्य नक्षत्र में सोना-चांदी खरीदना शुभ माना जाता है। मेरे दो रिश्तेदार भी कुछ गहने खरीदने शाम को बाजार गए। बाजार में अन्य खरीदारी के बाद उन्होंने अपनी पसंद का गहना खरीदा तब तक अंधेरा छा चुका था। हमारा घर जहां है, वहां पहुंचने के लिए रास्ता कुछ दूर तक सुनसान है। इसलिए वे लूटपाट या झपटमारी की कुछ चिंता के साथ ही स्कूटर पर

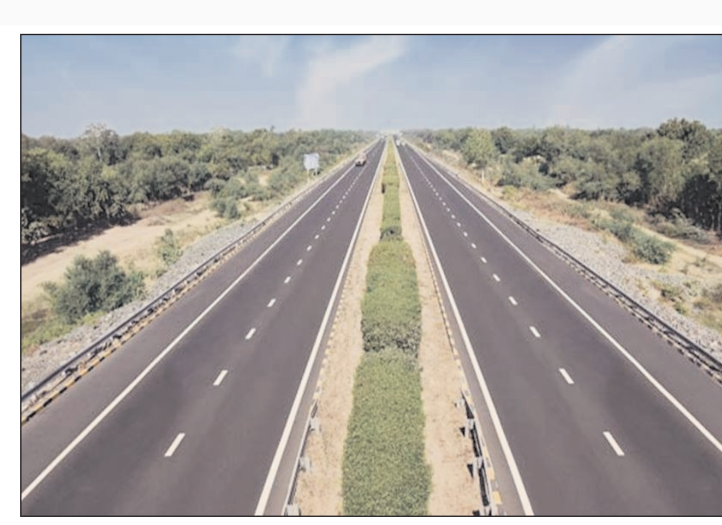

घर की ओर चले। तभी पीछे से हॉर्न बजाते मोटरसाइकिल पर दो लड़के तेजी से उनकी ओर आते नजर आए। वे हाथ से इशारे भी कर रहे थे। ऐसे में मेरे उन रिश्तेदारों का डर जाना स्वाभाविक ही था। इसलिए उन्होंने अपना स्कूटर रोकने के बजाय उसक गति बढ़ा दी। लेकिन अगले कुछ ही पलों में मोटरसाइकिल पर सवार युवक उनसे आगे निकल गए और एक जगह पर उन्हें रोक लिया। मेरे रिश्तेदार कई तरह की आशंकाओं से घिर गए थे कि इस बीच मोटरसाइकिल से उतर कर एक लड़का उनके पास आया और बोला कि 'अंकल, हम कब से आपको रुकने के लिए इशारा कर रहे हैं, लेकिन आप रुके ही नहीं। ये देखिए आंटी जी का बैग पीछे गिर गया था। वही देने के लिए हम आपको रुकने का इशारा कर रहे थे।' डरे हुए मेरे रिश्तेदारों के लिए यह बिल्कुल अप्रत्याशित और उम्मीदों से परे था। उनकी बातें सुन कर पहले तो दोनों की जान में जान आई और वे उन लड़कों को बहुत धन्यवाद देकर घर आ गए। घर आकर देखा तो गहने और सभी कीमती चीजें बैग में सही-सलामत थीं। अखबारों में हम चोर-लुटेरों, भ्रष्ट नेताओं, व्यसनी-छली और तथाकथित संतों के समाचार और उनकी तस्वीरें रोज ही देखते रहते हैं, मगर उन मोटरसाइकिल सवार युवकों की तरह के तमाम नायक गुमनाम ही रह जाते हैं। जबकि हमारे समाज में लोगों के सभ्य और संवेदनशील होने की उम्मीद ऐसे ही लोगों से बची रहती है। इस तरह की यह अकेली घटना नहीं है, बल्कि हमारी रोजमर्रा की जिंदगी में ऐसे कई गुमनाम नायक हमारे आसपास दिख जाते हैं, जिन पर हम ध्यान नहीं देते। किसी बुजुर्ग या महिला को बस में खड़ा देख कर तुरंत उठ कर वे अपनी सीट देते हैं। किसी स्टेशन पर दो मिनट के लिए रुकी ट्रेन से उतरते किसी बुजुर्ग का सामान उतार देने वाले या नए शहर में किसी पता पूछने वाले को सही पता बता कर ऑटो या बस में चढ़ने में मदद करने वाले वे गुमनाम नायक ही तो होते हैं, जिनसे समाज का मानवीय चेहरा बचा रहता है! इतना ही नहीं, सड़क दुर्घटना में घायल किसी अनजान को अस्पताल पहुंचाने वाले या किसी अनजान को रक्तदान करने वाले, मरने के बाद ही सही, अपनी देह दान करने वाले सभी गुमनाम नायक ही हैं। मदद छोटी हो या बड़ी, मदद या सहयोग ये 'अनसंग हीरोज' बिना किसी निहित स्वार्थ के करते रहते हैं। इन्हें कई बार सिर्फ एक 'शुक्रिया' मिल जाता है तो कभी नहीं भी।

सिकंदर की स्क्रिप्ट में आखिरी समय पर हुआ बदलाव, सलमान खान ने फिल्माया फिल्म का पोस्ट-क्रेडिट गाना

सलमान खान ने हाल ही में सऊदी अरब में एक अंतर्राष्ट्रीय फिल्म के लिए अपने हिस्से की शूटिंग पूरी की है। सुपरस्टार 24 फरवरी को खाड़ी में वापस लौटे और बीते दिन सिकंदर के लिए फिर शूटिंग की। दरअसल, एआर मुरुगादोस की एक्शन फिल्म की शूटिंग पूरी तरह से खत्म होने वाली है, लेकिन इस बीच निर्माताओं ने आखिरी समय में एक पोस्ट-क्रेडिट गाना शामिल करने का फैसला किया। टीम वर्तमान में गोरेगांव के फिल्म सिटी में रॉयल गोल्ड स्टूडियो में फुट-टैपिंग नंबर की शूटिंग कर रही है।

आखिरी समय पर जोड़ा गया गाना

रिपोर्ट्स के अनुसार, यह गाना आखिरी समय में जोड़ा गया था, लेकिन सलमान और निर्माता साजिद नाडियाडवाला को लगा कि यह दर्शकों का ध्यान खींचने का एक शानदार तरीका होगा। इसे बहुत बड़े पैमाने पर शूट किया जा रहा है और यह प्रमोशनल धमाकेदार अभियान का एक अभिन्न हिस्सा होगा।

इस दिन पूरी होगी फिल्म की शूटिंग

अगर सबकुछ योजना के मुताबिक हुआ तो अगले हफ्ते तक टीम इस ट्रैक को पूरा कर लेगी। इसके साथ ही मुरुगादॉस 8 मार्च को सिकंदर की शूटिंग पूरी कर लेंगे, जिसमें रश्मिका मंदाना मुख्य भूमिका में हैं। यह शूटिंग शुरुआती योजना से थोड़ी देर बाद होगी। टीम को राजकोट में दो दिन शूटिंग करनी थी, लेकिन वे हिस्से पहले ही मुंबई में शूट हो चुके हैं।

सलमान खान के लिए खास गाना

फिल्म की टीम के अनुसार, सलमान की फिल्मों में गानों की भूमिका हमेशा अहम रही है, चाहे वह जुम्मे की रात हो या स्वैग से स्वागत। इस ट्रैक के लोगों की यादों में बने रहने की उम्मीद है। इस वजह से आखिरी समय पर फिल्म में यह गाना डाला गया है, ताकि यह चार्टबस्टर बन सके। वहीं, इस साल का सबसे मशहूर गाना भी हो।

इस दिन रिलीज होगी फिल्म

वहीं, बात करें सिकंदर के कलाकारों के बारे में तो एआर मुरुगादॉस द्वारा निर्देशित इस फिल्म में रश्मिका मंदाना और काजल अग्रवाल भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। सलमान के साथ यह रश्मिका की पहली फिल्म है। यह फिल्म ईद के मौके पर 28 मार्च, 2025 को सिनेमाघरों में आने वाली है।

फिल्में हैं पहला प्यार

लव लाइफ के बारे में बोलीं सामांथा रुथ प्रभु

सामांथा रुथ प्रभु ने तकरीबन एक साल के बाद फिल्म इंडस्ट्री में दोबारा कदम रखा है। वह मायोसाइटिस बीमारी से जूझ रही थीं। सिटाडेल फिल्म की एक्ट्रेस ने फिल्म में लौटने को लेकर अपना अनुभव साझा किया है। उन्होंने बताया है कि यह उनका पहला प्यार है।

इन प्रोजेक्ट पर काम करने वाली हैं सामांथा

सामांथा रुथ प्रभु ने एक इंटरव्यू में अपने आने वाले प्रोजेक्ट के बारे में बात ही है। सामांथा ने बताया है कि वह जल्द ही बंगाराम फिल्म से बतौर फिल्म निर्माता डेब्यू करने वाली हैं। उन्होंने बताया है कि रक्त ब्रह्मांड सीरीज को भी प्रोड्यूज करने वाली हैं। यह सीरीज अभी प्रोडक्शन फेज में है।

फिल्म है सामांथा का पहला प्यार

सामांथा रुथ प्रभु ने बताया मुझे जल्द ही रक्त ब्रह्मांड को खत्म करके दूसरी फिल्मों का काम पूरा करना है, जो अगले महीने में रिलीज होने वाली हैं। एक या दो महीने में बहुत काम हैं जो खत्म करने हैं। उन्होंने फिल्मों को लेकर अपने प्यार के बारे में बताया है। मुझे लगता है कि फिल्मों से मेरी दूरी अब खत्म हो चुकी। यह मेरा पहला प्यार है। सामांथा रुथ प्रभु को पिछली बार सिटाडेल; हनी बनी में वरुण धवन के साथ देखा गया था। फिल्म का निर्देशन राज डीके ने किया था।

लव लाइफ को प्राइवेट रखेंगी

सामांथा रुथ प्रभु ने इंटरव्यू में बताया है कि अपनी लव लाइफ को बहुत प्राइवेट रखेंगी। उन्होंने कहा कि सामांथा सिंगल हैं। मुझे नहीं लगता कि मैं दोबारा अपनी लव लाइफ के बारे में किसी से बात करूंगी। ये ये मेरी जिंदगी का हिस्सा है, मैंने इसे बहुत ही निजी रखने के बारे में सोचा है। मैं इसके बारे में दोबारा बात नहीं करूंगी।

कैंसर के इलाज के बाद शूटिंग पर लौटने के लिए तैयार शिवा राजकुमार, आरसी 16 पर साझा किया अपडेट

साउथ सुपरस्टार शिवा राजकुमार ने हाल ही में कैंसर से अपनी लड़ाई और कीमोथेरेपी के दौरान फिल्मांकन के दौरान सामना किए गए संघर्षों के बारे में बात की। जब अभिनेता को कैंसर का पता चला था तो उन्हें सर्जरी के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका के मियामी कैंसर संस्थान में भर्ती कराया गया था। अभिनेता एक सफल प्रक्रिया से गुजरे और अब वह अपनी आगामी फिल्मों के सेट पर लौटने के लिए तैयार हैं।

डरे हुए थे अभिनेता

हाल ही में शिवा राजकुमार ने बताया कि कैसे उन्होंने कीमोथेरेपी के दौरान काम करना जारी रखा। उन्होंने कहा, जब मुझे पता चला तो मैं डर गया, जैसा कि कोई भी होगा। डर का कारक हमेशा होता है, लेकिन सवाल यह था कि इसके बारे में क्या किया जा सकता है? आपको इसका सामना करना होगा। मैंने केवल एक ही सवाल पूछा कि क्या मैं यह प्रोजेक्ट 45 द मूवी पूरा कर सकता हूं।

इलाज के दौरान काम जारी रखा

उन्होंने आगे बताया, मैं डांस कर्नाटक डांस में जज भी था और अगर मैं कीमो लेता तो मेरे बाल झड़ जाते। मैं थोड़ा चिंतित था। उन्होंने बताया कि डॉक्टरों ने उन्हें जल्द ही थेरेपी शुरू करने की सलाह दी, लेकिन उन्हें प्रोत्साहित किया और कहा कि वे आवश्यक उपचार के दौरान काम करना जारी रख सकते हैं। जब उनसे पूछा गया कि क्या कीमोथेरेपी के दौरान एक्शन सीन्स की शूटिंग के दौरान उन्हें दर्द का अनुभव हुआ तो शिवा राजकुमार ने कहा, मैं थका हुआ रहता था। मैं कीमो सेशन के दो दिन बाद ही शूटिंग के लिए जाता था। जब आप 45 का क्लाइमेक्स देखेंगे तो आप चौंक जाएंगे, यह सोचकर कि शिवन्ना ने ऐसा कैसे किया?... मुझे लगता है कि भगवान ने मुझे इससे बाहर निकलने में मदद की।

अभिनेता ने आगामी फिल्मों पर साझा किया अपडेट

उन्होंने अपने परिवार, फिल्म बिरादरी और अपने प्रशंसकों से मिले समर्थन को भी स्वीकार किया, जिसने उन्हें इस स्थिति से बाहर निकलने में मदद की। साथ ही शिवा राजकुमार ने अपनी अगली फिल्मों पर भी जानकारी साझा की। उन्होंने कहा, मेरी 131वीं फिल्म की 20-25 प्रतिशत शूटिंग हो चुकी है। मुझे अब उस पर काम करना शुरू करना है। मैं राम चरण की फिल्म आरसी 16 में एक स्पेशल परफॉर्मेंस कर रहा हूं। मेरे पास हेमंत के साथ एक फिल्म है। उन्होंने आगे कहा, मैं 3 मार्च से अपनी आगामी फिल्मों की शूटिंग फिर से शुरू करूंगा। मैं 5 मार्च को हैदराबाद में राम चरण की आरसी 16 की टीम में शामिल हो जाऊंगा और 8 मार्च तक शूटिंग करूंगा।

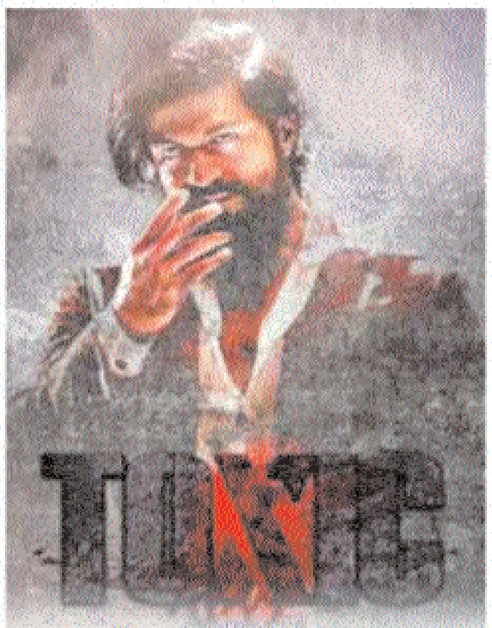

अंग्रेजी और कन्नड़ भाषा में होगी शूट टॉक्सिक

'केजीएफ' फेम एक्टर यश की फिल्म टॉक्सिक पहली ऐसी बड़े पैमाने की भारतीय फिल्म होगी जिसका लेखन और फिल्मांकन अंग्रेजी और भारतीय भाषा कन्नड़ दोनों में किया जाएगा। फिल्म को हिंदी, तेलुगु, तमिल और मलयालम सहित कई भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय भाषाओं में डब किया जाएगा। यश की 'टॉक्सिक' को निर्देशक गीतू मोहनदास ने लिखा और निर्देशित किया है। वह क्रॉस-कल्चरल स्टोरीटेलिंग को फिर से परिभाषित करने के लिए तैयार है। अंग्रेजी और कन्नड़ दोनों में शूट की गई इस फिल्म का उद्देश्य विश्व स्तर पर अपनी मौजूदगी दर्ज कराना है। कन्नड़ भारतीय दर्शकों को बारीकियों से समझती है, जबकि अंग्रेजी दुनिया भर में इसकी पहुंच सुनिश्चित करती है। फिल्म को लेकर इसकी निर्देशक गीतू मोहनदास कहती हैं, टॉक्सिक के लिए हमारा विजन एक ऐसी कहानी तैयार करना था, जो भारत और वैश्विक स्तर पर दर्शकों के साथ तालमेल बिठा सके। हमने कन्नड़ और अंग्रेजी दोनों में कहानी की बारीकियों को पकड़ने का प्रयास किया है, जिससे अलग-अलग भाषा और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के दर्शकों के लिए एक प्रामाणिक मिल सके। टॉक्सिक कलात्मक दृष्टि और व्यावसायिक कहानी कहने की सटीकता रखती है। इसे दुनिया भर के दिलों और दिमागों से जुड़ने के लिए डिजाइन किया गया है।

मैंने कभी भी एक जैसा रोल नहीं निभाया

भूमि पेडनेकर की फिल्म मेरे हस्बैंड कर बीवी रिलीज हो गई है। इस फिल्म में उनके साथ अर्जुन कपूर और रकुल प्रीत सिंह भी लीड रोल में हैं। अब भूमि ने एक इंटरव्यू में कहा... मैंने कभी एक ही तरह की महिला का किरदार नहीं निभाया। मैंने हमें एक अलग बोली अपनाई है। अपनी फिल्मों के लिए मेरी भाषा पर पकड़ और नियंत्रण बहुत अच्छा है, इसलिए मुझे नहीं लगता कि मैं कभी एक तय खांचे में फिट रही हूं। ईमानदारी से कहूं तो मैं इस डर से काम के लिए ना नहीं करने वाली कि मुझे एक निश्चित किरदार के साथ सीमित कर दिया जाएगा। मैं इसकी चिंता नहीं करती। मैं बहुत खुशनसीब हूं कि पिछले 10 सालों में मुझे अलग-अलग काम करने का अवसर मिला है। मुझे अपने काम पर बहुत गर्व है। मैं जानती हूं कि महिलाएं हमेशा सवालों के कटघरे में रही हैं और रहती हैं।

मेकर्स को पठान का प्रीक्वल बनाना चाहिए

जॉन अब्राहम इन दिनों अपनी फिल्म डिप्लोमेट को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में जॉन ने असल डिप्लोमेट रहे जेपी सिंह का रोल किया है। फिल्म की कहानी पाकिस्तानी में फंसी, भारत की एक बेटी को सुरक्षित घर वापस लाने की है। इस फिल्म को लेकर जॉन खुश हैं। साथ ही वह चाहते हैं कि प्रोड्यूसर आदित्य चोपड़ा फिल्म पठान का प्रीक्वल भी बनाएं। एक इंटरव्यू में एक्टर जॉन अब्राहम कहते हैं... मैं किसी फ्रैंचाइज फिल्म का हिस्सा तभी बनता हूं, जब उसमें मेरा किरदार खास होता है। जैसे फिल्म पठान में जिम का मेरा रोल बहुत ही कूल, स्पेशल था। आदित्य चोपड़ा को पठान का प्रीक्वल बनाना ही चाहिए। इसमें मेरे किरदार जिम की बैंक स्टोरी क्या है, इसे दिखाया जा सकता है। उम्मीद है कि हम इस फिल्म का प्रीक्वल करेंगे। पठान में जॉन अब्राहम विलेन के रोल में थे, इस किरदार में कई लेयर्स देखी गईं। जॉन फिल्म डिप्लोमेट के अलावा कुछ और फिल्मों में भी अभिनय कर रहे हैं। इसमें तेहरान और तारिक जैसी फिल्में भी शामिल हैं। इन फिल्मों से जॉन बतौर प्रोड्यूसर भी जुड़े हुए हैं।

मैं स्मिता पाटिल का बोया हुआ एक छोटा सा पेड़ हूं

इन दिनों अपनी वेब सीरीज ऊप्स! अब क्या? को लेकर चर्चा बटोर रहीं सोनाली थिएटर से लेकर मराठी सिनेमा, हिंदी फिल्मों से लेकर ओटीटी, हर जगह सक्रिय हैं। ऐसे में सोनाली से विविध पहलुओं पर की खास बातचीत -

आपने महज 26 साल की उम्र में फिल्म मिशन कश्मीर में रितिक रोशन की मां का रोल किया था, जबकि करियर के शुरुआत में ही दायरा जैसी बोल्ड फिल्म के हां कहना भी हिम्मत का काम है। यह हिम्मत कहां से लाती हैं?

निश्चित तौर पर यह साहसी काम है। मिशन कश्मीर मेरी पहली बड़ी कमर्शल फिल्म थी, जिसमें मैं एक मां थी। अभी ऊप्स ! अब क्या? में भी मैं एक मां हूं, पर मेरे बच्चे छोटे होते जा रहे हैं (हंसती हैं)। मिशन कश्मीर में बेटा बड़ा था, जबकि आज 25 साल बाद इस सीरीज में बच्ची छोटी है। ये इंडस्ट्री का कॉम्प्लिमेंट है मेरे लिए कि वे मुझे अलग-अलग रोल में कुबूल कर रहे हैं, क्योंकि हम देखते-सुनते आए हैं कि आप पर एक टैग लग जाता है, तो फिर वैसा ही काम मिलता है, पर मैं अलग-अलग भाषाओं, अलग-अलग जॉनर में लगातार काम करती रही, क्योंकि विधु वनोद चोपड़ा, फरहान अख्तर, राम गोपाल वर्मा जैसे निर्देशकों ने मुझ पर भरोसा दिखाया। इसलिए लगा कि मुझे क्यों डरना चाहिए। अगर मैं जब्बार पटेल के साथ मुक्ता या डॉक्टर अंबेडकर जैसी फिल्में नहीं करती तो मुझे देश की सोशियो पॉलिटिकल सिचुएशन समझ ही नहीं आती। जब आप काबिल लोगों के साथ काम करते हैं, तो आपकी सोच बड़ी होती है। दायरा ने मुझे सिखाया कि असल मर्दानगी क्या होती है? एक औरत होना क्या होता है? तो जो स्कूल और कॉलेज ने मुझे नहीं सिखाया, वह फिल्मों ने सिखाया है।

सीरीज में आपका ऑनस्क्रीन मां अपरा मेहता और बेटी श्वेता बसु के साथ जो रिश्ता दिखाया गया है, वह बहुत ही खूबसूरत है। निजी जिंदगी में आपका अपनी मां और बेटी के साथ कैसा रिश्ता है?

मेरी मां जिस तरह की इंसान हैं, मैं उनकी बहुत बड़ी फैन हूं। मैं बहुत ही निम्न मध्यमवर्गीय परिवार से हूं। हमारे लिए हमारे संस्कार सबसे महत्वपूर्ण हैं। मेरी मां ने जो मूल्य हमें सिखाए कि किसी को ठेस ना पहुंचाओ, वक्त की कद्र करो और दुनिया में सबसे बड़ी कमाई अच्छा रिश्ता है, वे अब भी बरकरार हैं। मेरी मां बहुत मजेदार हैं। उनको किस्से सुनाना, लोगों को हंसाना अच्छा लगता है। उनकी तबीयत अभी थोड़ी ठीक नहीं है, फिर भी हमेशा हंसती रहती हैं। वहीं, मेरी बेटी कावेरी उन्हीं का वर्जन है। बहुत क्रिएटिव है, पोएटिक है। वह 13 साल की है, मगर मुझे अच्छा लगता है कि वह काफी मासूम है। वरना उसकी उम्र के बच्चों को मैं देखती हूं कि वे अपनी उम्र से कहीं ज्यादा मैच्योर हैं। वह सेंसिटिव है। आसपास वाले उसे नेचर लवर कावेरी बोलते हैं। मैं भी उसे यह आजादी देती हूं कि उसे जो पसंद है वो करे। जैसे, मेरी सोसायटी में बहुत से बच्चे स्केट्स करते हैं, वह नहीं करती है, तो मैं जबरदस्ती नहीं करती। जरूरी नहीं कि हर बच्चा एक रेस में दौड़े।

कई बार आपकी तुलना महान स्मिता पाटिल से भी होती है। आपको स्मिता पाटिल सम्मान से भी नवाजा गया है। इसे कितनी जिम्मेदारी से लेती हैं?

जब शुरू में मैंने यह सुना तो सातवें आसमान में पहुंच गई थी। मैं स्मिता पाटिल की बहनों से मिली थी और उनकी आंखों में जब यह बात देखी तो खुशी हुई। मगर बाद में लगा कि लोग क्या बोल रहे हैं। मेरी स्टाइल अलग है। आपको एक किस्सा सुनाती हूं। मेरी दिल चाहता है रिलीज हो गई थी। हर तरफ फिल्म की चर्चा थी। हमारा एक बड़ा इवेंट था। वहीं, मेधा पाटकर एक नाटक के लिए आने वाली थीं। मैं मेधा जी से मिली, उन्हें कहा कि आपकी बड़ी प्रशंसक हूं। उन्होंने मुझे गले लगाया और पूछा-आपका नाम? मैं दंग रह गई कि इन्होंने मुझे पहचाना नहीं। मुझे लग रहा था कि मुझे तो सब जान चुके हैं, दिल चाहता है के बाद। बाद में मैंने एक लेख लिखा। असल में, स्मिता पाटिल मेरे स्कूल में आई थीं। मैंने स्मिता जी के साथ मिलकर एक पेड़ लगाया था, तो मैंने लिखा- मैं एक छोटा सा पेड़ हूं, जो स्मिता ताई ने बोया है। इसलिए, मैं बहुत कृतज्ञता से इस कॉम्प्लिमेंट को स्वीकार करती हूं।

सीरीज में ऐसी ऊप्स हैं, जब हालात किसी के कंट्रोल में नहीं होते। आपके साथ कभी ऐसा उप्स मोमेंट हुआ है?

सिंघम की शूटिंग के दौरान हुआ था। मेरे हिस्से का शूट खत्म हो गया था। मैं प्रेग्नेंट थी तो सबने बधाई दी। फिर 4-5 महीने बाद फोन आया कि सोनाली तुम्हें एक सीन करना पड़ेगा, क्योंकि सिंघम की कहानी तुमसे शुरू होती है तो आखिर में एक सीन में तुम्हारा रहना जरूरी है। मैंने कहा कि मैं तो प्रेग्नेंट हूं, तो सबने कहा कि अरे हां, तुमने बताया था। कितने महीने हुए, तो मैंने कहा कि मैं प्रेग्नेंट दिख रही हूं। साढ़े छह महीने हो चुके थे, तो उन्होंने कहा कि कोई नहीं, मिड शॉट ले लेंगे, डार्क कलर दे देंगे पर जब मैं सेट पर गई तो रोहित सर और अजय दोनों खड़े हो गए कि फिल्म की शुरुआत होती है कि अजय एक विधवा के लिए लड़ाई लड़ रहे हैं और फिल्म के अंत में वो विधवा प्रेग्नेंट है। मेरे लिए वह बड़ा ऊप्स मोमेंट था।

स्वास्थ्य जयपुर टाइम्स

सोमवार
28 अप्रैल, 2025

अर्जुन से बदला लेने के लिए जब कर्ण के तूणीर में पहुंचा एक जहरीला सर्प

महाभारत से इतर भी हमें महाभारत के संबंध में कुछ कथाएं मिलती हैं। उन्हीं में से एक कथा है कर्ण और सर्प के बारे में। लोककथाओं के अनुसार माना जाता है कि युद्ध के दौरान कर्ण के तूणीर में कहीं से एक बहुत ही जहरीला सर्प आकर बैठ गया। तूणीर अर्थात जहां तीर रखते हैं, जिसे तरकश भी कहते हैं। यह पीछे पीठ पर बंधी होती है। कर्ण ने जब एक तीर निकालना चाहा तो तीर की जगह यह सर्प उनके हाथ में आ गया। कर्ण ने पूछा, तुम कौन हो और यहां कहां से आ गए। तब सर्प ने कहा, हे दानवीर कर्ण, मैं अर्जुन से बदला लेने के लिए आपके तूणीर में जा बैठा था। कर्ण ने पूछा, क्यों?

इस पर सर्प ने कहा, राजन! एक बार अर्जुन ने खांडव वन में आग लगा दी थी। उस आग में मेरी माता जलकर मर गई थी, तभी से मेरे मन में अर्जुन के प्रति विद्रोह है। मैं उससे प्रतिशोध लेने का अवसर देख रहा था। वह अवसर मुझे आज मिला है। कुछ रुककर सर्प फिर बोला, आप मुझे तीर के स्थान पर चला दें। मैं सीधा अर्जुन को जाकर डस लूंगा और कुछ ही क्षणों में उसके प्राण-पखेरू उड़ जाएंगे।

सर्प की बात सुनकर कर्ण सहजता से बोले, हे सर्पराज, आप गलत कार्य कर रहे हैं। जब अर्जुन ने खांडव वन में आग लगाई होगी तो उनका उद्देश्य तुम्हारी माता को जलाना कभी न रहा होगा। ऐसे में मैं अर्जुन को दोषी नहीं मानता। दूसरा अनैतिक तरह से विजय प्राप्त करना मेरे संस्कारों में नहीं है इसलिए आप वापस लौट जाएं और अर्जुन को कोई नुकसान न पहुंचाएं। यह सुनकर सर्प वहां से उड़ गया। यदि कर्ण सर्प की बात मान लेते तो क्या होता?

विंध्याचल पर्वत माला का पौराणिक महत्व

यह पर्वत प्राचीन भारत के सप्तकुल पर्वतों में से एक है। विंध्य' शब्द की व्युत्पत्ति 'विध' धातु से कही जाती है। भूमि को बेध कर यह पर्वतमाला भारत के मध्य में स्थित है। यही मूल कल्पना इस नाम में निहित जान पड़ती है। विंध्य की गणना सप्तकुल पर्वतों में है। विंध्य का नाम पूर्व वैदिक साहित्य में नहीं है। इस पर्वत श्रंखला का वेद, महाभारत, रामायण और पुराणों में कई जगह उल्लेख किया गया है। विंध्य पहाड़ों की रानी विंध्यवासिनी माता है। मां विंध्यवासिनी देवी मंदिर (मिरजापुर, उप्र.) श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केन्द्र है। देश के 51 शक्तिपीठों में से एक है विंध्याचल। विंध्यांचल पर्वतश्रेणी पहाड़ियों की टूटी-फूटी श्रृंखला है, जो भारत की मध्यवर्ती उच्च भूमि का दक्षिणी कगार बनाती है। यह पर्वतमाल भारत के पश्चिम-मध्य में स्थित प्राचीन गोलाकार पर्वतों की श्रेणियां है, जो भारत उपखंड को उत्तरी भारत व दक्षिणी भारत में बांटती है। इस पर्वतमाला का विस्तार उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, बिहार तक लगभग 1,086 किमी.तक विस्तृत फैला है। हालांकि इसकी कई छोटी बड़ी पहाड़ियों को विकास का नाम पर काट दिया गया है। इन श्रेणियों में बहुमूल्य हीरे युक्त एक भ्रंशीय पर्वत भी हैं।

इसकी प्रमुख नदियां : पहाड़ों के कटने से यहां से निकलने वाली नदियों का अस्तित्व भी संकट में है। विंध्य पर्वत में से उद्गम पाने वाली नदियां- शिप्रा या भद्रा (सिप्रा), पयोष्णी, निर्विंध्या (नेबुज), तापी निषधा या निषधावती (सिंद), वेण्वा या वेणा (वेणगंगा), वैतरणी (बैत्रणी), सिनीवाली या शिति बाहू, कुमुद्वती (स्वर्ण रेखा), करतोया या तोया (ब्राह्मणी), महागौरी (दामोदर), और पूर्णा, शोण (सोन), महानद (महानदी) और नर्मदा। मध्यप्रदेश और गुजरात की सरकार ने मिलकर सबसे बड़ी नर्मदा नदी की हत्या कर दी है। इस एक नदी के कारण संपूर्ण मध्यप्रदेश और गुजरात के जंगल हरे भरे और पशु पक्षी जीवंत रहते थे। लेकिन अब बांध बनाकर एक ओर जहां नदी के जलचर जंतु मर गए है।

प्राकृतिक संपदा : भारत में पर्यावरण विनाश की सीमा अरावली पर्वत श्रेणियों और पश्चिम के घाटों तक ही सीमित नहीं हैं, मध्यक्षेत्र में भी बेतरतीब ढंग से जारी रहकर प्राकृतिक संपदाओं के दोहन के कारण सतपुड़ा और विंध्याचल की पर्वत श्रेणियां तो खतरे में हैं ही अनेक जीवनदायी नदियों का वजूद भी संकट में है। वे लोग देशद्रोही है जो अपनी ही धरती को छलनी कर उसे विकास के नाम पर नष्ट कर रहे हैं।

पुराणों अनुसार : इसके अंतर्गत रोहतासगढ़, चुनारगढ़, कलिंजर आदि अनेक दुर्ग हैं तथा चित्रकूट, विन्ध्याचल आदि अनेक पावन तीर्थ हैं। पुराणों के अनुसार इस पर्वत ने सुमेरू सेर् ईर्ष्या रखने के कारण सूर्यदेव का मार्ग रोक दिया था और आकाश तक बढ़ गया था, जिसे अगस्त्य ऋषि ने नीचे किया। यह शरभंग, अगस्त्य इत्यादि अनेक श्रेष्ठ ऋषियों की तप:स्थली रहा है। हिमालय के समान इसका भी धर्मग्रंथों एवं पुराणों में विस्तृत उल्लेख मिलता है।

अगस्त्य मुनि : दक्षिण भारत और हिंदु महासागर से संबंधि अगस्ति (अगस्त्य) मुनि की गाथा है। उन्होंने विंध्याचल के बीच से दक्षिण का मार्ग निकाला। किंविंदती है कि विंध्याचलपर्वत ने उनके चरणों पर झुककर प्रणाम किया। उन्होंने आशीर्वाद देकर कहा कि जब तक वे लौटकर वापस नहीं आते, वह इसी प्रकार झुका खड़ा रहे। वह वापस लौटकर नहीं आए और आज भी विंध्याचल पर्वत वैसे ही झुका उनकी प्रतीक्षा कर रहा है।

विंध्याचल के जंगल : विंध्यांचल पर्वत श्रेणियों के दोनों तरफ घने जंगल हैं, जो अब शहरी आबादी और विकास के चलते काट दिए गए हैं। अन जंगलों में शेर, चीते, भालु, बंदर, हिरणों के कई झुंड होते थे जो अब दर बदर हैं। अब चंबल, सतपुड़ा और मालवा के पठारी इलाके में ही कुछ जंगल बचे हैं। यहां की पर्वतों की कंदराओं में कई प्राचीन ऋषियों के आश्रम आज भी मौजूद हैं। यह क्षेत्र पहले ऋषि मुनियों का तप स्थल हुआ करता था। पर्वतों की कंदराओं में साधना स्थल, दुर्लभ शैल चित्र, पहाड़ों से अनवरत बहती जल की धारा, गहरी खाईयां और चारों ओर से घिरे घनघोर जंगलों पर अब संकट के बादल घिर गए हैं। यहीं पर भीम बैठका जैसी गुफाएं हैं।

शिव को क्यों प्रिय है भस्म?

शिवजी के पूजन में भस्म अर्पित करने का विशेष महत्व है। बारह ज्योतिर्लिंग में से एक उज्जैन स्थित महाकालेश्वर मंदिर में प्रतिदिन भस्म आरती विशेष रूप से की जाती है। यह प्राचीन परंपरा है। आइए जानते है शिवपुराण के अनुसार शिवलिंग पर भस्म क्यों अर्पित की जाती है। भगवान शिव अद्भुत व अविनाशी हैं। भगवान शिव जितने सरल हैं, उतने ही रहस्यमयी भी हैं। भोलेनाथ का रहन-सहन, आवास, गण आदि सभी देवताओं से एकदम अलग हैं। शास्त्रों में एक ओर जहां सभी देवी-देवताओं को सुंदर वस्त्र और आभूषणों से सुसज्जित बताया गया है, वहीं दूसरी ओर भगवान शिव का रूप निराला ही बताया गया है। शिवजी सदैव मृगचर्म (हिरण की खाल) धारण किए रहते हैं और शरीर पर भस्म (राख) लगाए रहते हैं। शिवजी का प्रमुख वस्त्र भस्म यानी राख है, क्योंकि उनका पूरा शरीर भस्म से ढंका रहता है। शिवपुराण के अनुसार भस्म सृष्टि का सार है, एक दिन संपूर्ण सृष्टि इसी राख के रूप में परिवर्तित हो जानी है। ऐसा माना जाता है कि चारों युग (त्रेता युग, सत युग, द्वापर युग और कलियुग) के बाद इस सृष्टि का विनाश हो जाता है और पुन: सृष्टि की रचना ब्रह्माजी द्वारा की जाती है। यह क्रिया अनवरत चलती रहती है। इस सृष्टि के सार भस्म यानी राख को शिवजी सदैव धारण किए रहते हैं। इसका यही अर्थ है कि एक दिन यह संपूर्ण सृष्टि शिवजी में विलीन हो जानी है। शिवपुराण के लिए अनुसार भस्म तैयार करने के लिए कपिला गाय के गोबर से बने कंडे, शमी, पीपल, पलाश, बड़, अमलतास और बेर के वृक्ष की लकड़ियों को एक साथ जलाया जाता है। इस दौरान उचित मंत्रोच्चार किए जाते हैं। इन चीजों को जलाने पर जो भस्म प्राप्त होती है, उसे कपड़े से छान लिया जाता है। इस प्रकार तैयार की गई भस्म शिवजी को अर्पित की जाती है। ऐसा माना जाता है कि इस प्रकार तैयार की गई भस्म को यदि कोई इंसान भी धारण करता है तो वह सभी सुख-सुविधाएं प्राप्त करता है। शिवपुराण के अनुसार ऐसी भस्म धारण करने से व्यक्ति का आकर्षण बढ़ता है, समाज में मान-सम्मान प्राप्त होता है। अत: शिवजी को अर्पित की गई भस्म का तिलक लगाना चाहिए। जिस प्रकार भस्म यानी राख से कई प्रकार की वस्तुएं शुद्ध और साफ की जाती है, ठीक उसी प्रकार यदि हम भी शिवजी को अर्पित की गई भस्म का तिलक लगाएंगे तो अक्षय पुण्य की प्राप्ति होगी और कई जन्मों के पापों से मुक्ति मिल जाएगी।

भस्म की यह विशेषता होती है कि यह शरीर के रोम छिद्रों को बंद कर देती है। इसे शरीर पर लगाने से गर्मी में गर्मी और सर्दी में सर्दी नहीं लगती। भस्म, त्वचा संबंधी रोगों में भी दवा का काम भी करती है। शिवजी का निवास कैलाश पर्वत पर बताया गया है, जहां का वातावरण एकदम प्रतिकूल है। इस प्रतिकूल वातावरण को अनुकूल बनाने में भस्म महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। भस्म धारण करने वाले शिव संदेश देते हैं कि परिस्थितियों के अनुसार स्वयं को ढाल लेना चाहिए। जहां जैसे हालात बनते हैं, हमें भी स्वयं को उसी के अनुरूप बना लेना चाहिए।

क्यों लगाते हैं भोलेनाथ शरीर पर भस्म, कैसे बनती है भस्मार्ती की भस्म

भगवान शिव ने अपने तन पर जो भस्म रमाई है वह उनकी पत्नी सती की चिता की भस्म थी जो कि अपने पिता द्वारा भगवान शिव के अपमान से आहत हो वहां हो रहे यज्ञ के हवनकुंड में कूद गई थी। भगवान शिव को जब इसका पता चला तो वे बहुत बेचैन हो गये। जलते कुंड से सती के शरीर को निकालकर प्रलाप करते हुए ब्रह्माण्ड में घूमते रहे। उनके क्रोध व बेचैनी से सृष्टि खतरे में पड गई। जहां जहां सती के अंग गिरे वहां शक्तिपीठ की स्थापना हो गई। फिर भी शिव का संताप जारी रहा। तब श्री हरि ने सती के शरीर को भस्म में परिवर्तित कर दिया। शिव विरह की अग्नि में भस्म को ही उनकी अंतिम निशानी के तौर पर तन पर लगा लिया। पहले भगवान श्री हरि ने देवी सती के शरीर को छिन्न भिन्न कर दिया था। जहां जहां उनके अंग गिरे वहीं शक्तिपीठों की स्थापना हुई। लेकिन पुराणों में भस्म का विवरण भी मिलता है। भगवान शिव के तन पर भस्म रमाने का एक रहस्य यह भी है कि राख विरक्ति का प्रतीक है। भगवान शिव चूंकि बहुत ही लौकिक देव लगते हैं। कथाओं के माध्यम से उनका रहन-सहन एक आम सन्यासी सा लगता है। एक ऐसे ऋषि सा जो गृहस्थी का पालन करते हुए मोह माया से विरक्त रहते हैं और संदेश देते हैं कि अंत काल सब कुछ राख हो जाना है। एक रहस्य यह भी हो सकता है चूंकि भगवान शिव को विनाशक भी माना जाता है। ब्रह्मा जहां सृष्टि की निर्माण करते हैं तो विष्णु पालन-पोषण लेकिन जब सृष्टि में नकारात्मकता बढ़ जाती है तो भगवान शिव विध्वंस कर डालते हैं। विध्वंस यानि की समाप्ति और भस्म इसी अंत इसी विध्वंस की प्रतीक भी है। शिव हमेशा याद दिलाते रहते हैं कि पाप के रास्ते पर चलना छोड़ दें अन्यथा अंत में सब राख ही होगा।

महाकाल की भस्मार्ती

उज्जैन स्थित महाकालेश्वर की भस्मार्ती विश्व भर में प्रसिद्ध है। ऐसी मान्यता है कि वर्षों पहले श्मशान भस्म से भूतभावन भगवान महाकाल की भस्म आरती होती थी लेकिन अब यह परंपरा खत्म हो चुकी है और अब कंडे की भस्म से आरती-श्रृंगार किया जा रहा है। वर्तमान में महाकाल की भस्म आरती में कपिला गाय के गोबर से बने औषधियुक्त उपलों में शमी, पीपल, पलाश, बड़, अमलतास और बेर की लकड़ियों को जलाकर बनाई भस्म का प्रयोग किया जाता है। जलते कंडे में जड़ीबूटी और कपूर-गुगल की मात्रा इतनी डाली जाती है कि यह भस्म ना सिर्फ सेहत की दृष्टि से उपयुक्त होती है बल्कि स्वाद में भी लाजवाब हो जाती है। श्रौत, स्मार्त और लौकिक ऐसे तीन प्रकार की भस्म कही जाती है। श्रुति की विधि से यज्ञ किया हो वह भस्म श्रौत है, स्मृति की विधि से यज्ञ किया हो वह स्मार्त भस्म है तथा कण्डे को जलाकर भस्म तैयार की हो वह लौकिक भस्म है। शिव का शरीर पर भस्म लपेटने का दार्शनिक अर्थ यही है कि यह शरीर जिस पर हम घमंड करते हैं, जिसकी सुविधा और रक्षा के लिए ना जाने क्या-क्या करते हैं एक दिन इसी इस भस्म के समान हो जाएगा। शरीर क्षणभंगुर है और आत्मा अनंत। कई सन्यासी तथा नागा साधु पूरे शरीर पर भस्म लगाते हैं। यह भस्म उनके शरीर की कीटाणुओं से तो रक्षा करता ही है तथा सब रोम कूपों को ढंककर ठंड और गर्मी से भी राहत दिलाती है। रोम कूपों के ढंक जाने से शरीर की गर्मी बाहर नहीं निकल पाती इससे शीत का अहसास नहीं होता और गर्मी में शरीर की नमी बाहर नहीं होती। इससे गर्मी से रक्षा होती है। मच्छर, खटमल आदि जीव भी भस्म रमे शरीर से दूर रहते हैं।

कैसे हुई भीष्म पितामह की पराजय

महाभारत युद्ध के दसवें दिन भी भीष्म पितामह ने पांडवों की सेना में भयंकर मारकाट मचाई। यह देखकर युधिष्ठिर ने अर्जुन से भीष्म पितामह को रोकने के लिए कहा। अर्जुन शिखंडी को आगे करके भीष्म से युद्ध करने पहुंचे। शिखंडी को देखकर भीष्म ने अर्जुन पर बाण नहीं चलाए और अर्जुन अपने तीखे बाणों से भीष्म पितामह को बींधने लगे। इस प्रकार बाणों से छलनी होकर भीष्म पितामह सूर्यास्त के समय अपने रथ से गिर गए। उस समय उनका मस्तक पूर्व दिशा की ओर था। उन्होंने देखा कि इस समय सूर्य अभी दक्षिणायन में है, अभी मृत्यु का उचित समय नहीं हैं, इसलिए उन्होंने उस समय अपने प्राणों का त्याग नहीं किया।

युधिष्ठिर को दिया धर्म ज्ञान

महाभारत युद्ध की समाप्ति के बाद भगवान श्रीकृष्ण ने युधिष्ठिर से कहा कि इस समय पितामह भीष्म बाणों की शैय्या पर हैं। आप उनके पास चलकर उनके चरणों को प्रणाम कीजिए और आपके मन में जितने भी संदेह हो, उनके बारे में पूछ लीजिए। श्रीकृष्ण की बात मानकर युधिष्ठिर भीष्म पितामह के पास गए और उनसे धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष का ज्ञान प्राप्त किया। युधिष्ठिर को ज्ञान देने के बाद भीष्म पितामह ने उनसे कहा कि अब तुम जाकर न्यायपूर्वक शासन करो, जब सूर्य उत्तरायण हो जाए, उस समय फिर मेरे पास आना।

ऐसे त्यागे भीष्म पितामह ने अपने प्राण

जब सूर्यदेव उत्तरायण हो गए तब युधिष्ठिर सहित सभी लोग भीष्म पितामह के पास पहुंचे। उन्हें देखकर भीष्म पितामह ने कहा कि इन तीखे बाणों पर शयन करते हुए मुझे 58 दिन हो गए हैं। उन्होंने श्रीकृष्ण को संबोधित करते हुए कहा कि अब मैं प्राणों का त्याग करना चाहता हूं। ऐसा कहकर भीष्मजी कुछ देर तक चुपचाप रहे। इसके बाद वे मन सहित प्राणवायु को क्रमश: भिन्न-भिन्न धारणाओं में स्थापित करने लगे। भीष्मजी का प्राण उनके जिस अंग को त्यागकर ऊपर उठता था, उस अंग के बाण अपने आप निकल जाते और उनका घाव भी भर जाता। भीष्मजी ने अपने देह के सभी द्वारों को बंद करके प्राण को सब ओर से रोक लिया, इसलिए वह उनका मस्तक (ब्रह्म रंध्र) फोड़कर आकाश में चला गया। इस प्रकार महात्मा भीष्म के प्राण आकाश में विलीन हो गए।

दीपशिखा बनी श्री धाकड़ महासभा महिला इकाई प्रदेश अध्यक्ष

जयपुर टाइम्स

बिजौलियां(निसं.)। श्री धाकड़ महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेंद्र नागर की अनुशंसा पर श्री धाकड़ महासभा (महिला ईकाई) की राष्ट्रीय अध्यक्ष राजश्री नागर द्वारा दीपशिखा धाकड़ को श्री धाकड़ महासभा (महिला ईकाई) की राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया। साथ ही संगठन एवं समाज की उत्तरोत्तर प्रगति हेतु निष्ठा एवं समर्पण के साथ संगठन के विज़न डॉक्यूमेंट को लक्षित कर कार्य करने की अपेक्षा भी जताई।

परिंदे लगाओ परिंदे बचाओ अभियान का शुभारंभ

कस्बे सहित आसपास में 251 परिंडे लगाने सहित देखरेख का लिया संकल्प

जयपुर टाइम्स

पावटा(निसं.)। भीषण गर्मी के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए पावटा कस्बे में पक्षियों के लिए पानी और भोजन की व्यवस्था करने के उद्देश्य से एक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। भारती पीजी कॉलेज व किड्स गार्डन एआई स्कूल पावटा " द्वारा शुरू किए गए इस अभियान का नाम है "परिंडे लगाओ, परिंदे बचाओ"। इस पहल के तहत,कस्बे के विभिन्न हिस्सों में लोगों को अपने घरों, बालकनियों और छतों पर मिट्टी के परिंडे (पानी के बर्तन) और अनाज के पात्र लगाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। आयोजकों ने स्वयं भी कई सार्वजनिक स्थानों पर परिंडे स्थापित किए हैं।अभियान के संयोजक व संस्था के निदेशक कमल यादव ने बताया कि "गर्मी के मौसम में पानी की कमी के कारण कई पक्षी बेहाल हो जाते हैं। इस अभियान का लक्ष्य यही है कि हर पक्षी को आसानी से पानी मिल सके और वे सुरक्षित रहें।" उन्होंने महाविद्यालय व विद्यालय स्टाफ तथा कस्बेवासियों से अपील की कि वे इस नेक कार्य में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें और अपने आसपास के पक्षियों का ध्यान रखें।इस अभियान को नागरिकों से भी अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है। कई लोगों ने सोशल मीडिया के माध्यम से परिंडे लगाने की तस्वीरें साझा की हैं और दूसरों को भी प्रेरित कर रहे हैं। "परिंडे लगाओ, परिंदे बचाओ" अभियान न केवल पक्षियों को गर्मी से राहत दिलाएगा, बल्कि लोगों को पर्यावरण और वन्यजीवों के प्रति संवेदनशील बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। आयोजक का कहना है कि यह अभियान पूरे गर्मी के मौसम तक जारी रहेगा और वे भविष्य में भी इस तरह की पहल करते रहेंगे। कस्बे में जागरूक नागरिक इस अभियान में शामिल होकर मूक प्राणियों के जीवन को बचाने में अपना योगदान दे रहे हैं। यह पहल निश्चित रूप से अन्य कस्बों के लिए भी एक प्रेरणास्रोत बनेगी।

दीपशिखा धाकड़ का किया स्वागत

जयपुर टाइम्स

बिजौलियां(निसं.)। ऊपरमाल धाकड़ समाज के 26 वें सामूहिक विवाह सम्मेलन की तैयारियां को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक में शामिल होने पहुंची विवेक सुषमा स्मृति चैरिटेबल ट्रस्ट अध्यक्ष व श्री धाकड़ महासभा (महिला ईकाई) की राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष दीपशिखा धाकड़ का समाज के पदाधिकारियों तथा गणमान्य लोगों ने भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि महिलाओं की सामाजिक ,राजनीतिक तथा शैक्षणिक क्षेत्र में भागीदारी बढ़ाने के लिए उन्हें जागरूक करना उनकी पहली प्राथमिकता रहेगी।दीपशिखा झरिया महादेव में 7 वीं वार्षिक पूर्णाहुति में भी शिरकत की जहां भील समाज के लोगों ने स्वागत किया।

चिंकारा शूटिंग रेंज के खिलाड़ियों का केन्द्रीय विद्यालय रीजनल स्पोर्ट्स मीट में शानदार प्रदर्शन

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। जयपुर में 4 से 26 अप्रैल तक आयोजित केंद्रीय विद्यालय संगठन की रीजनल स्पोर्ट्स मीट - 2025 में चिंकारा शूटिंग रेंज के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एक स्वर्ण और दो रजत पदक अपने नाम किए हैं। इस प्रतियोगिता में 10 मीटर एयर राइफल और 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धाओं में खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। खिलाड़ियों की चूरू वापसी पर चिंकारा शूटिंग रेंज में उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया। इस दौरान एक भावुक क्षण तब आया जब सभी पदक विजेताओं ने अपनी सफलता का श्रेय कोच एवं रेंज संचालक कर्णवीर सिंह को देते हुए उन्हें अपने पदक पहनाए। चिंकारा शूटिंग रेंज के संचालक कर्णवीर सिंह ने बताया कि वर्णिका तिवारी ने 10 मीटर एयर राइफल में स्वर्ण पदक जीता है वहीं आयुष कपरूवान को 10 मीटर एयर राइफल में रजत पदक प्राप्त हुआ। रेंज की हीं वर्षा सैनी ने 10 मीटर एयर पिस्टल में रजत पदक जीतकर अपनी काबिलियत का प्रदर्शन किया। इसके अलावा हार्दिका रणवां और निश्चय राठौड़ ने भी 10 मीटर एयर पिस्टल में दमदार प्रदर्शन करते हुए चतुर्थ स्थान प्राप्त किया तथा अपने खेल से सभी को प्रभावित किया।

कार्यालय ग्राम पंचायत ईयारा,
पंचायत समिति बीदासर (चूरू)

क्रमांक -G.P. IYARA / 2025-26/ E-TENDER/11-17 दिनांक- 25-04-2025

ई-निविदा सूचना संख्या 01/2025-26

ग्राम पंचायत ईयारा में वर्ष 2025-26 के लिये महात्मा गांधी नरेगा योजना एवं अन्य ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज की योजनाओं के लिये निर्माण सामग्री क्रय हेतु ई-निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित अन्य विवरण तथा समस्त निविदा शर्ते www.eproc.rajasthan.gov.in पर www.sppp.rajasthan.gov.in पर NIBNo.- ZCR2526A0098 UBN No. - ZC2526GLOB00231 देखी एवं डाउनलोड कर प्राप्त की जा सकती है।

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत ईयारा
पं. स. बीदासर (चूरू)

प्रशासक
ग्राम पंचायत ईयारा
पं. स. बीदासर (चूरू)

दी एजुकेशन कमेटी ऑफ माहेश्वरी समाज की मैराथन में दौड़े प्रतिभागी

जयपुर टाइम्स

नरैना(निसं)। जयपुर शहर का माहेश्वरी समाज जयपुर में ही नहीं अपितु पूरे प्रदेश सहित पूरे देश में समय-समय पर आयोजित अपने विभिन्न सामाजिक, शैक्षणिक, धार्मिक कार्यक्रमों की वजह से जाना जाता है। कार्यक्रम की इसी कड़ी में माहेश्वरी समाज जयपुर की शैक्षणिक संस्था दी एजुकेशन कमेटी ऑफ माहेश्वरी समाज के तत्वावधान में रविवार को तड़के रनफार हैप्पीनेस मैराथन-2 का आयोजन रामनिवास बाग स्थित अल्बर्ट हॉल के सामने से किया गया। समाज के रामचरण परवाल ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ राम स्तुति, जूंबा, आर्केस्ट्रा से किया गया। लगभग सात हजार लोगों ने सामुहिक राम स्तुति की,जो अपने आप में सर्वाधिक राम स्तुति करने का रिकार्ड है। वहीं मैराथन के लिए उपस्थित प्रतिभागियों को जयपुर मेयर ने स्वच्छ राजस्थान की शपथ दिलाई। मैराथन दौड़ तीन तरह 4 किमी, 10 किमी व 21 किमी की रखी गई थी। मैराथन में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहे विजेता प्रतिभागियों को विशेष मेडल व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। वहीं मैराथन में शामिल अन्य प्रतिभागियों को मेडल व प्रमाणपत्र दिये गये।

पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में राजलदेसर रहा बन्द

जयपुर टाइम्स

राजलदेसर(निस)। पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में राजलदेसर व्यापार मण्डल और भारतीय जनता पार्टी व सर्व समाज के आव्हान पर आपातकालीन मेडिकल सेवा को छोड़कर कर सम्पूर्ण कस्बा बन्द रहा। व्यापार मण्डल अध्यक्ष विष्णु स्वामी, भाजपा मण्डल अध्यक्ष विष्णु प्रजापत के नेतृत्व में सुबह नो बजे नगरपालिका के आगे इक्टठे हुए पहलगाम में आतंकी हमले में शहीद हुए 26 लोगों को श्रद्धांजलि दी गई। जिसके बाद रैली स्वरूप रवाना होकर राजलदेसर तहसील कार्यालय पहुंचे। तहसीलदार को प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। रैली के दौरान पाकिस्तान मुर्दाबाद भारत माता की जय के नारे लगे। विष्णु प्रजापत ने कहा सरकार से मांग करते हैं कि दोषियों को जल्द से जल्द कड़ी सजा दी जाए। उन्होंने यह भी अपील की कि देशभर के व्यापारी और नागरिक आतंकवाद के खिलाफ एकजुट होकर अपनी आवाज बुलंद करें। रैली में सैकड़ों की संख्या में लोग मौजूद रहे।

कार्यालय ग्राम पंचायत कातर छोटी
पंचायत समिति बीदासर

क्रमांक: 28-34 दिनांक- 23.4.2025

संशोधित खुली निविदा सूचना संख्या 02 (वित्तीय वर्ष 2025-26)

साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत कातर छोटी के अधीनस्थ ग्रामों में वित्तीय वर्ष 2025-26 में घर एवं व्यवसायिक प्रतिष्ठानों से कचरा संग्रहण एवं पृथक्ककरण, गांवों की सड़क एवं नालियों की सफाई कार्य तथा सामुदायिक स्वच्छता परिसर की सफाई कार्य की सेवाओं हेतु इच्छुकजी.एस.टी. पंजीकृत निविदादाताओं / फर्मों से निविदाएँ आमन्त्रित की जाती है। निविदा फार्म / शर्तें कार्यालय में तथा SPPPपोर्टल पर उपलब्ध है।

क.सं.	बोली का विवरण	अनुमानित लागत राशि रू मे	बोली प्रतिभूमि राशि (रू में)	बोली प्रपत्र शुल्क (रूपये) में	बोली प्रपत्र डाउनलोड एवं अपलोड शुरू करने की प्रारम्भ दिनांक एवं समय	प्रोसोसिंग शुल्क निविदा शुल्क व धरोहर राशि जमा कराने की तिथि व समय	ऑनलाइन निविदा खोलने कि तिथी व समय
1	2	3	4	5	6	7	8
1	ग्राम कातर बड़ी के गांवो में घर-घर (आवासीय एवं व्यवसायिक) से कचरा संग्रहण एवं पृथक्ककरण, सड़क एवं नाली सफाई तथा सामुदायिक स्वच्छता परिसर की सफाई सहित कार्य	411801	8237	500	दिनांक 16.4.2025 से साय 6.00 बजे सें दिनांक 23.4.2025 दोपहर 12.00 बजे तक	दिनांक 23.4.2025 समय 02.00 बजे	दिनांक 23.4.2025 साय 4.00 बजे
2	ग्राम मालासर के गांवो में घर-घर (आवासीय एवं व्यवसायिक) से कचरा संग्रहण एवं पृथक्ककरण, सड़क एवं नाली सफाई तथा सामुदायिक स्वच्छता परिसर की सफाई सहित कार्य	202386	4048	500	दिनांक 16.4.2025 से साय 6.00 बजे सें दिनांक 23.4.2025 दोपहर 12.00 बजे तक	दिनांक 23.4.2025 समय 02.00 बजे	दिनांक 23.4.2025 साय 4.00 बजे

संशोधित निविदा की दिनांक

1	ग्राम कातर बडी गांवो में घर-घर (आवासीय एवं व्यवसायिक) से कचरा संग्रहण एवं पृथक्ककरण, सड़क एवं नाली सफाई तथा सामुदायिक स्वच्छता परिसर की सफाई सहित कार्य	411801	8237	500	दिनांक 23.4.2025 से साय 6.00 बजे सें दिनांक 30.4.2025 दोपहर 12.00 बजे तक	दिनांक 30.4.2025 समय 02.00 बजे	दिनांक 30.4.2025 साय 4.00 बजे
2	ग्राम मालासर के गांवो में घर-घर (आवासीय एवं व्यवसायिक) से कचरा संग्रहण एवं पृथक्ककरण, सड़क एवं नाली सफाई तथा सामुदायिक स्वच्छता परिसर की सफाई सहित कार्य	202386	4048	500	दिनांक 16.4.2025 से साय 6.00 बजे सें दिनांक 23.4.2025 दोपहर 12.00 बजे तक	दिनांक 30.4.2025 समय 02.00 बजे	दिनांक 30.4.2025 साय 4.00 बजे

1. निविदा प्रपत्र कार्यालय ग्राम पंचायत कार्यालय से व्यक्तिशः अथवा http://sppp.rajasthan.gov.in एवं https://eproc.rajasthan.gov.in पोर्टल से डाउनलोड किया जा सकता है। साथ ही निविदा शुल्क, अमानत राशि का डी.डी./ बैंकर चैक एवं अन्य वांछित दस्तावेज निविदा के साथ संलग्न करने होंगे ।
2. निविदा आमंत्रण की विस्तृत सूचना मय बोली दस्तावेज ग्राम पंचायत कातर छोटी कार्यालय से व्यक्तिशः अथवा राजस्थान राज्य लोक उपापन पोर्टल https://eproc.rajasthan.gov.in एव http://sppp.rajasthan.gov.in पर भी देखा व प्राप्त किया जा सकता है।
3. निविदा प्रपत्र शुल्क व अमानत राशि का डी. डी. / बैंकर चैक प्रशासक ग्राम पंचायत कातर छोटी के नाम बनाना होगा।
4. किसी निविदा को स्वीकार / अस्वीकार करने या किसी बोली को निरस्त करने का उपापन समिति का अधिकार सुरक्षित है।
5. बोलीदाता / संवेदक बंद लिफाफे पर ग्राम पंचायत कातर छोटी का नाम लिखकर एवं टेण्डर की कॉपी नियमानुसार कार्यालय ग्राम पंचायत कातर छोटी कार्यालय में जमा करावें ।

NIB code ZCR2526A0112 UBN is: ZCR2526WSOB00245 ZCR2526WSOB00247

प्रशासक
ग्राम पंचायत कातर छोटी
पं. स. बीदासर (चूरू)

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत कातर छोटी
पं. स. बीदासर (चूरू)

सुनील कुमार शर्मा को मिला राज्य स्तर पर सम्मान

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। बीकानेर में आयोजित शिक्षा विभागीय मंत्रालयिक कर्मचारी राज्य स्तरीय सम्मान समारोह में सुनील कुमार शर्मा मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी रतनगढ़ को राज्य स्तर पर सम्मानित किया गया। राजस्थान के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, शासन सचिव शिक्षा कृष्ण कुणाल व माध्यमिक शिक्षा निदेशक सीताराम जाट की ओर से सुनील कुमार शर्मा को सम्मान स्वरूप प्रशस्ति पत्र, प्रतीक चिन्ह, शॉल और 11 हजार रुपए का चैक प्रदान किया। उल्लेखनीय है कि सुनील कुमार शर्मा रतनगढ़ में ब्लॉक शिक्षा कार्यालय में सहायक प्रशासनिक पद पर सेवारत हैं।

भाजपा कार्यकर्ताओ ने सुनी मोदी के मन की बात

जयपुर टाइम्स

रतनगढ़(निस)। भाजपा शहर मंडल के कार्यकर्ताओं ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात का 121वां संस्करण सुना। भाजपा ओबीसी मोर्चा के अध्यक्ष किशनलाल घोड़ेला ने बताया कि मोदी ने मन की बात के माध्यम से पहलगाम में मारे गए लोगों को याद करते हुए कहा कि इस आतंकी हमले के बाद पूरा देश एक स्वर में बोल रहा है तथा पूरे विश्व ने संवेदना प्रकट की है। पहलगाम हमले से देश के लोगों में आक्रोश है, पीड़ित परिजनों को न्याय जरूर मिलेगा। कश्मीर में शांति लौट रही थी, स्कूल-कॉलेज नियमित संचालित हो रहे थे, निर्माण कार्यों में गति आई थी, पर्यटकों की संख्या में भी बढ़ोतरी हुई थी, युवाओं के लिए नए अवसर तैयार हो रहे थे, लेकिन जम्मू-कश्मीर के दुश्मनों को यह रास नहीं आया। प्राकृतिक आपदा से निपटने के लिए मोबाइल एप सचेत की जानकारी देते हुए कहा कि यह किसी भी प्राकृतिक आपदा में फंसने से बचाने में सहायक होगा। यह एप क्षेत्रीय भाषाओं में भी कई जानकारियां उपलब्ध करवाता है।

पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में निकाली कैंडल यात्रा

जयपुर टाइम्स

झुंझुनू/ बगड़(निस)। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में धर्म पूछ कर हिंदू पर्यटको की हत्या करने के विरोध में सर्व हिंदू समाज ने गांव के मुख्य चौक पर एक बैठक कर पूरे गांव में कैंडल यात्रा निकाली। इस अवसर पर अनेक संगठनो व व्यापार मंडल के पदाधिकारियो ने अपने विचार रखते हुए कहा कि पहलगाम की घटना अत्यंत शर्मनाक कृत्य है। इस घटना को लेकर संपूर्ण देश क्रोधित है। इस मौके पर सुनील शर्मा, सौरभ योगी व अन्य ग्रामीण मौजूद रहे।

पंचायत राज चुनाव से पहले संगठन और कांग्रेस पार्टी को मजबूत बनाना है: मेघवाल

जयपुर टाइम्स

सालासर(निस)। निकटवर्ती ग्राम भीमसर मंडल कांग्रेस की मीटिंग विधानसभा प्रभारी दिनेश कस्वा व सुजानगढ़ विधानसभा विधायक मनोज मेघवाल, पूर्व देहात अध्यक्ष विद्याधर बेनीवाल, पूर्व प्रधान गणेश ढाका व कांग्रेस मंडल अध्यक्ष विजेंद्र सिंह राठौड़ भीमसर की अध्यक्षता संपन्न हुई जिसमें विद्याधर बेनीवाल आयोजित मीटिंग के उद्देश्य के बारे में विस्तार से बताया। पूर्व प्रधान गणेश ढाका ने भाजपा सरकार का विरोध करने वालों का दमन व

रिमांड नीति के बारे में कहा। विधानसभा प्रभारी दिनेश कस्वा ने कांग्रेस पार्टी में हर वर्ग को जोड़ने व हर बूथ को मजबूत करने की बात कही पंचायती राज चुनाव जल्द ही होने वाले हैं उससे पहले संपूर्ण तैयारी करनी है। इस मौके पर सुजानगढ़ विधायक मनोज मेघवाल भी भाजपा सरकार की नीतियों को जमकर कोसा और कहा विकास कार्य ठप हो गए हैं, सरपंचों का ग्रास पीरियड चल रहा है। सरपंचों के पास कोई काम नहीं है सरपंच सिर्फ थैला लेकर के ठप्पा लगाने का काम कर रहे हैं, विकास में यह सरकार फेल साबित हो रही है, पंचायत चुनाव से पहले संगठन व कांग्रेस पार्टी को हर जगह मजबूत करना हर कार्यकर्ता का ध्येय चाहिए, पंचायत परिसीमन में कहीं गड़बड़ हुई है तो उसकी आपत्ति दें। इस दौरान विधायक मेघवाल को खदाया गांव के लोगों ने एडवोकेट दशरथ सिंह के निर्देशन में खदाया गांव को यथावत ग्राम भीमसर में ही रखने हेतु ज्ञापन सौंपा गया, व युवा नेता बाबूलाल पांडर ने गांव की समस्याओं को लेकर बिंदुवार सड़क, नहरी मीठा पानी, पशु चिकित्सा आदि समस्याओं के बारे में ज्ञापन सौंपा। भीमसर सरपंच लूणाराम मेघवाल ने विधायक से निवेदन किया कि गोगामेड़ी से लेकर अस्पताल तक नई इंटरलॉक सड़क की मांग की। इस दौरान पूर्व सरपंच प्रतिनिधि चरण सिंह, मलसीसर सरपंच मुकेश मेघवाल, बोबासर सरपंच आनंद सिंह, नोरंगसर सरपंच भवानी सिंह, लोढसर के पूर्व सरपंच किशन मेघवाल सहित कांग्रेस के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भाजपा शहर मण्डल ने सुनी प्रधानमंत्री की "मन की बात"

जयपुर टाइम्स

लक्ष्मणगढ़(निसं.) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मन की बात का 121वां एपिसोड शहर की सभी बूथो पर सुना गया।शहर मण्डल अध्यक्ष ललित पंवार के नेतृत्व में बुथ संख्या 108 संस्कार मैरिज गार्डन में वरिष्ठ भाजपा नेता सज्जन पुरोहित के नेतृत्व में बुथ संख्या 129 में ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष विनित सोनी के नेतृत्व में बुथ संख्या 125 में पूर्व मण्डल अध्यक्ष जयप्रकाश सरावगी के नेतृत्व में बुथ संख्या 128 व 129 में पूर्व मण्डल अध्यक्ष मनोज शर्मा के नेतृत्व में बुथ संख्या 109 व 110 में एससी मोर्चा अध्यक्ष संतोष वाल्मीकि के नेतृत्व में बूथ संख्या 122 में युवा मोर्चा अध्यक्ष चंद्रकांत जाजोदिया के नेतृत्व में बूथ 121 में युवा भाजपा नेता जयशंकर पुजारी के नेतृत्व में बुथ संख्या 132 युवा भाजपा नेता अंकित सुरोलिया के नेतृत्व में बूथ संख्या 131 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मन की बात का 121वां एपिसोड सुना गया।इस अवसर शहर मण्डल अध्यक्ष ललित पंवार, पूर्व मण्डल अध्यक्ष जयप्रकाश सरावगी, मनोज शर्मा, वरिष्ठ भाजपा नेता सज्जन जी पुरोहित, महिला मोर्चा उपाध्यक्ष अलका शर्मा, ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष विनित सोनी, एससी मोर्चा अध्यक्ष संतोष वाल्मीकि, युवा मोर्चा मंत्री मुकुल शर्मा, आशीष शर्मा, जतिन शर्मा, पप्पू महाराज, अमित वाल्मीकि , राकेश वाल्मीकि, अर्जुन, दिनेश, विहान सोनी, तनुश्री, प्रहलाद राय सरावगी, पुरूषोत्तम मिश्रा, रामस्वरूप पारीक, हेमंत चेजारा, विनय सरावगी, सौरभ जोशी, संजय टेलर, सुमन पारीक, सोशल मीडिया प्रभारी कमल सुरोलिया आदि भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

गढ़वाल अध्यक्ष व बगड़िया बने शिक्षक संघ शेखावत के मंत्री

जयपुर टाइम्स

लक्ष्मणगढ़(निस)। राजस्थान शिक्षक संघ शेखावत का वार्षिक अधिवेशन रविवार को आयोजित हुआ। इस अवसर पर निर्वाचन अधिकारी लीलाधर मील प्राचार्य व पर्यवेक्षक नंदकिशोर जाखड़ व फारुख अली के सानिध्य में उपशाखा लक्ष्मणगढ़ के चुनाव आयोजित हुए। निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि इस अवसर पर सभाध्यक्ष हनुमान प्रसाद, उपसभाध्यक्ष केशरदेव व प्यारेलाल नायक, अध्यक्ष महेश कुमार गढ़वाल, मंत्री दिनेश बगड़िया, उपाध्यक्ष मनोज पाण्डेय, मनोज महला, सुधीर महरिया, श्रीचंद, संघर्ष समिति संयोजक संदीप जांगिड़, कोषाध्यक्ष प्रहलाद राय जांगिड़, सहसंयोजक दिनेश महला, राजकुमार, प्रवक्ता ओमप्रकाश सर्वा, संयुक्त मंत्री हरदयाल, शारीरिक शिक्षक प्रतिनिधि प्रेमसुख थालौड़, महिला मंत्री मोनिका, कार्यालय मंत्री श्रवण कुमार, संरक्षक मंडल में प्रेमसिंह डोटासरा, राजेंद्र सिंह नैण, देवी सिंह मूंड, सोहनलाल कुमावत, बिहारी लाल, देवकरण गोदारा, मामचंद ढुकिया, शिवपाल सिंह महला चुने गए। अधिवेशन व चुनाव का संचालन रामावतार फगेडिया ने किया।

करणपुर विधायक का भव्य स्वागत

आतंकवाद की कोई जाति नहीं होती: कुनर

जयपुर टाइम्स

लक्ष्मणगढ़(निस)। करणपुर विधायक गुरमीत सिंह कुनर का रविवार को करणपुर से जयपुर जाते समय लक्ष्मणगढ़ में खटीक समाज की ओर से बजरंग लाल बगड़ी के नेतृत्व में जोरदार स्वागत किया गया। इस मौके पर शीशपाल बागड़ी, बाबूलाल बागड़ी, गजानंद बागड़ी, पूर्व पार्षद प्रवीण दायमा, पप्पू चौहान, मोहन चंद दायमा सहित खटीक समाज के लोग मौजूद रहे। पहलगाम आतंकी हमले पर बोलते हुए कुनर ने कहा कि यह हमला अमानवीय हमला है जिसकी हम कड़े शब्दों में निंदा करते हैं। आतंकवादी हमले में हिंदुस्तानी भाई शहीद हुए है, उनको हम नमन करते है। साथ ही सरकार से अपील करते है कि आतंकवाद के खिलाफ जल्द से जल्द कड़ी कार्रवाई करे और उक्त हमले में जो शहीद हुए उन परिवारों को सरकारी नौकरी दे। उन्होंने कहा कि आतंकवाद की कोई जाति नहीं होती है, हिंदुस्तान में जो एकजुटता है उसको खत्म करने के लिए ये सब किया जा रहा है।

नाबालिग घर से लापता

जयपुर टाइम्स

रतनगढ़(निस)। तहसील के एक गांव की युवती लापता हो गई। लापता युवती की 40 वर्षीय मां ने शनिवार की रात इस आशय की रिपोर्ट पुलिस में दी है, जिस पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि 17 वर्ष 10 माह की युवती 25 अप्रैल को बिना बताए घर से कहीं चली गई। युवती की सब जगह तलाश की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं लगा। मां ने रिपोर्ट में शंका जताई है कि उनके मोहल्ले का ही एक युवक उसकी बेटी को बहला फुसलाकर ले जा सकता है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच सब इंस्पेक्टर सुभाषचंद्र के सुपुर्द की है।

बंगाली कारीगर ने लगाई चपत, दस लाख रुपए का सोना लेकर फरार

जयपुर टाइम्स

रतनगढ़(निस)। शहर के एक ज्वेलर का लगभग 10 लाख रुपए का सोना लेकर एक बंगाली कारीगर फरार हो गया। इस संबंध में ज्वेलर ने शनिवार रात बंगाली कारीगर के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर फरार कारीगर की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि राजकुमार पुत्र गणपतराम सोनी ने रिपोर्ट दी कि रामचंद्र पार्क के पास उसकी ज्वैलरी की दुकान है। उसकी दुकान के ऊपर एक कमरे में 15 महिने से जयंत राणा पुत्र स्वपन राणा निवासी होली मध्य ताड़केश्वर हुगली पश्चिमी बंगाल गहनों की जड़ाई का कार्य करता था। वह भी उससे गहनों की जड़ाई का कार्य करवाता था, जिसके चलते उसने 21 अप्रैल को 23 ग्राम, 22 अप्रैल को 51 ग्राम एवं 23 अप्रैल को 29 ग्राम सोना गहने बनाने के लिए दिया था। कारीगर को गहने बनाकर 25 अप्रैल को वापस लौटाने थे। जब गहने लेने के लिए उसने कारीगर की तलाश की, तो वह नदारद मिला और उसका मोबाइल भी बंद आ रहा है। कारीगर 105 ग्राम सोना, जिसकी कीमत बाजार भाव से लगभग 10 लाख है, लेकर फरार हो गया। पुलिस ने राजकुमार की रिपोर्ट पर जयंत के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

जोधपुर डिस्कॉम के स्टोर में आग से अफरा तफरी मची

जयपुर टाइम्स

रतनगढ़(निस)। जोधपुर डिस्कॉम के स्टोर में रविवार की शाम अचानक आग लग गई, जिससे अफरा-तफरी का माहौल बन गया। पॉवर हाऊस रोड पर स्थित स्टोर के पीछे की साईड में पेड़ के सूखे पत्तें बिखरे हुए थे, उसमें अचानक आग लग जाने से चारों और धुआं फैल गया। सूचना पर डिस्कॉम के अधिकारी व कर्मचारी मौके पर पहुंचे और अपने स्तर पर आग बुझाने का प्रयास किया और नगरपालिका दमकल को सूचना दी, जिस पर पालिका की दमकल भी मौके पर पहुंची। डिस्कॉम के जेईएन विकास जोशी ने बताया कि आग लगने के कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है। हालांकि घटना में किसी भी प्रकार का नुकसान नहीं हुआ है। करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर समय रहते हुए काबू पा लिया गया, नहीं तो पास में पड़े तेल के भरे व खाली ड्रम में आग लगने से बड़ा नुकसान हो सकता था।

वर्तमान समय में गीता के उपदेषों पर चल्ना बहुत जरूरी- सिंघानिया

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। प्रत्येक रविवार को भास्कर भवन में सुबह 9 से 12 बजे तक चलने वाली गीता क्लासेस में रविवार को बच्चों ने गीता पढ़ने के साथ-साथ कॉपी में गीता के श्लोक लिखने के लिए पेन वितरत किए गए। जिससे बच्चे अपनी हैंडराइटिंग सुधार सकें। संजय सिघानिया ने बताया कि वर्तमान समय समय में गीता के उपदेषों पर चल्ना बहुत जरूरी। जिससे कि बच्चे संस्कारवान बन सके। रेणू बजाज ने बच्चों को पांच श्लोक नौ नियम गजल गीत और 12वें अध्याय का पाठ करवाया। माधुरी शर्मा ने बच्चों को सूर्य भगवान को जल अर्पण करने का सही तरीका बताया। इस अवसर पर मोहित सिंघानिया, प्रमोद गौड़, दिव्या शर्मा, पूनम शर्मा, मीनाक्षी चोटिया ने बच्चों को कीर्तन करवाया।

कार्यालय ग्राम पंचायत सांडवा
पंचायत समिति बीदासर

क्रमांकः ग्रा.प.सा./2025-26/5-11 दिनांक- 21.4.2025

ई निविदा सूचना संख्या 01 (वित्तीय वर्ष 2025-26)

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत सांडवा के अधीनस्थ ग्रामों में वित्तीय वर्ष 2025-26 में घर एवं व्यवसायिक प्रतिष्ठानों से कचरा संग्रहण एवं पृथक्ककरण गांवों की सड़क एवं नालियों की सफाई कार्य तथा सामुदायिक स्वच्छता परिसर की सफाई कार्य की सेवाओं हेतु इच्छुकजी.एस.टी.पंजीकृत निविदादाताओं / फर्मों से निविदाएँ आमन्त्रित की जाती है। निविदा फार्म / शर्तें कार्यालय में तथा SPPP पोर्टल पर उपलब्ध है।

क.सं.	बोली का विवरण	अनुमानित लागत राशि रू मे	बोली प्रतिभूमि राशि (रू में)	बोली प्रपत्र शुल्क (रूपये) में	बोली प्रपत्र डाउनलोड एवं अपलोड शुरू करने की प्रारम्भ दिनांक एवं समय	प्रोसोसिंग शुल्क निविदा शुल्क व धरोहर राशि जमा कराने की तिथि व समय	ऑनलाइन निविदा खोलने कि तिथी व समय
1	2	3	4	5	6	7	8
1	ग्राम पंचायत सांडवा के समस्त गावों में घर-घर (आवासीय एवं व्यवसायिक) से कचरा संग्रहण एवं पृथक्ककरण, सड़क एवं नाली सफाई तथा सामुदायिक स्वच्छता परिसर की सफाई सहित कार्य	885007	17701	500	दिनांक 24.4.2025 से साय 6.00 बजे सें दिनांक 30.4.2025 दोपहर 12.00 बजे तक	दिनांक 30.4.2025 समय 02.00 बजे	दिनांक 30.4.2025 साय 4.00 बजे

1. निविदा प्रपत्र कार्यालय ग्राम पंचायत कार्यालय से व्यक्तिशः अथवा http://sppp.rajasthan.gov.in एवं https://eproc.rajasthan.gov.in पोर्टल से डाउनलोड किया जा सकता है। साथ ही निविदा शुल्क, अमानत राशि का डी.डी./ बैंकर चैक एवं अन्य वांछित दस्तावेज निविदा के साथ संलग्न करने होंगे ।
2. निविदा आमंत्रण की विस्तृत सूचना मय बोली दस्तावेज ग्राम पंचायत सांडवा कार्यालय से व्यक्तिशः अथवा राजस्थान राज्य लोक उपापन पोर्टल https://eproc.rajasthan.gov.in एव http://sppp.rajasthan.gov.in पर भी देखा व प्राप्त किया जा सकता है।
3. निविदा प्रपत्र शुल्क व अमानत राशि का डी. डी. / बैंकर चैक प्रशासक ग्राम पंचायत सांडवा के नाम बनाना होगा।
4. किसी निविदा को स्वीकार / अस्वीकार करने या किसी बोली को निरस्त करने का उपापन समिति का अधिकार सुरक्षित है।
5. बोलीदाता / संवेदक बंद लिफाफे पर ग्राम पंचायत सांडवा का नाम लिखकर एवं टेण्डर की कॉपी नियमानुसार कार्यालय ग्राम पंचायत सांडवा कार्यालय में जमा करावें ।

NIB code ZCR2526A0094 UBN is: ZCR2526WSOB00227

प्रशासक
ग्राम पंचायत सांडवा
पं. स. बीदासर (चूरू)

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत सांडवा
पं. स. बीदासर (चूरू)

कार्यालय ग्राम पंचायत कातर छोटी
पंचायत समिति बीदासर

क्रमांकः 13-19 दिनांक- 22.3.2025

ई निविदा सूचना संख्या 03 (वित्तीय वर्ष 2025-26)

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत कातर छोटी के अधीनस्थ ग्रामों में वित्तीय वर्ष 2025-26 में घर एवं व्यवसायिक प्रतिष्ठानों से कचरा संग्रहण एवं पृथक्ककरण, गांवों की सड़क एवं नालियों की सफाई कार्य तथा सामुदायिक स्वच्छता परिसर की सफाई कार्य की सेवाओं हेतु इच्छुकजी. एस.टी.पंजीकृत निविदादाताओं / फर्मों से निविदाएँ आमन्त्रित की जाती है। निविदा फार्म / शर्तें कार्यालय में तथा SPPP पोर्टल पर उपलब्ध है।

क.सं.	बोली का विवरण	अनुमानित लागत राशि रू मे	बोली प्रतिभूमि राशि (रू में)	बोली प्रपत्र शुल्क (रूपये) में	बोली प्रपत्र डाउनलोड एवं अपलोड शुरू करने की प्रारम्भ दिनांक एवं समय	प्रोसोसिंग शुल्क निविदा शुल्क व धरोहर राशि जमा कराने की तिथि व समय	ऑनलाइन निविदा खोलने कि तिथी व समय
1	2	3	4	5	6	7	8
1	ग्राम कातर छोटी के गवों में घर-घर (आवासीय एवं व्यवसायिक) से कचरा संग्रहण एवं पृथक्ककरण, सड़क एवं नाली सफाई, तथा सामुदायिक स्वच्छता परिसर की सफाई सहित कार्य	957084	19142	500	दिनांक 23.4.2025 से साय 6.00 बजे सें दिनांक 30.4.2025 दोपहर 12.00 बजे तक	दिनांक 30.4.2025 समय 02.00 बजे	दिनांक 30.4.2025 साय 4.00 बजे

1. निविदा प्रपत्र कार्यालय ग्राम पंचायत कार्यालय से व्यक्तिशः अथवा http://sppp.rajasthan.gov.in एवं https://eproc.rajasthan.gov.in पोर्टल से डाउनलोड किया जा सकता है। साथ ही निविदा शुल्क, अमानत राशि का डी.डी./ बैंकर चैक एवं अन्य वांछित दस्तावेज निविदा के साथ संलग्न करने होंगे ।
2. निविदा आमंत्रण की विस्तृत सूचना मय बोली दस्तावेज ग्राम पंचायत कातर छोटी कार्यालय से व्यक्तिशः अथवा राजस्थान राज्य लोक उपापन पोर्टल https://eproc.rajasthan.gov.in एव http://sppp.rajasthan.gov.in पर भी देखा व प्राप्त किया जा सकता है।
3. निविदा प्रपत्र शुल्क व अमानत राशि का डी. डी. / बैंकर चैक प्रशासक ग्राम पंचायत कातर छोटी के नाम बनाना होगा।
4. किसी निविदा को स्वीकार / अस्वीकार करने या किसी बोली को निरस्त करने का उपापन समिति का अधिकार सुरक्षित है।
5. बोलीदाता / संवेदक बंद लिफाफे पर ग्राम पंचायत कातर छोटी का नाम लिखकर एवं टेण्डर की कॉपी नियमानुसार कार्यालय ग्राम पंचायत कातर छोटी कार्यालय में जमा करावें ।

NIB code ZCR2526A0110 UBN is: ZCR2526WSOB00243

प्रशासक
ग्राम पंचायत कातर छोटी
पं. स. बीदासर (चूरू)

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत कातर छोटी
पं. स. बीदासर (चूरू)

शेखावाटी जयपुर टाइम्स

जयपुर, सोमवार
28 अप्रेल, 2025

जिले में शांति और सौहार्द बनाए रखना हमारी सर्वोच्च जिम्मेदारी : सुराणा

जिला कलक्टर ने कानून व सुरक्षा व्यवस्था को लेकर वीसी के जरिए दिए निर्देश

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने रविवार को जिले में कानून व सुरक्षा व्यवस्था को लेकर वीसी के जरिए उपखंड अधिकारियों, तहसीलदार व पुलिस अधिकारियों को विस्तृत निर्देश दिए। जिला कलक्टर सुराणा ने कहा कि जिले में शांति और सौहार्द बनाए रखना हमारी सर्वोच्च जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी अधिकारियों से कहा कि वे अपने क्षेत्रों में कानून व्यवस्था की स्थिति पर लगातार निगरानी बनाए रखें और किसी भी असामाजिक गतिविधि की जानकारी मिलने पर तुरंत कार्रवाई करें। उन्होंने सभी उपखंडों की कानून, सुरक्षा व शान्ति व्यवस्था के संबंध में जानकारी लेते हुए समुचित निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि देश - प्रदेश में कानून एवं सुरक्षा व्यवस्था की सुनिश्चितता के लिए हम सभी मुस्तैद रहें और क्षेत्र की समस्त गतिविधियों पर निगरानी रखें। सुराणा ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि अपने-अपने क्षेत्रों में सतर्क दृष्टि बनाए रखें, संवेदनशील इलाकों में नियमित

गश्त सुनिश्चित करें और किसी भी अवांछित घटना को रोकने के लिए त्वरित कार्रवाई करें। उन्होंने कहा कि चूरू जिले की जनता की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि मुख्य बाजार, पर्यटन स्थलों, धार्मिक स्थलों, होटलों, धर्मशालाओं, बस स्टेण्ड, रेल्वे स्टेशन व संवेदनशील/भीड़भाड़ वाले अन्य स्थानों पर सतत निगरानी रखें। उन्होंने कहा कि सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से सशस्त्र बलों के मूवमेन्ट व सुरक्षा बलों के ऑपरेशन्स की लाईव कवरेज न करने के सम्बन्ध में जारी मीडिया एडवाइजरी की पालना की जाए। उन्होंने पुलिस गश्त बढ़ाने, रूट मार्च व फ्लैग मार्च करने, सीएलजी की बैठक आयोजित करने और स्थानीय समुदायों से संवाद बनाए रखने के निर्देश दिए। एसपी जय यादव ने कहा कि जिले में शान्ति व्यवस्था बनाने के लिए पुलिस अधिकारी मुस्तैद रहें। सीमावर्ती क्षेत्रों में पुलिस विशेष निगरानी रखें और संसेटिव स्थानों पर नियमित पुलिस जाब्ता तैनात रहे। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की तनाव की स्थिति होने पर त्वरित कार्यवाही करें और अवगत करवाएं। सोशल मीडिया पर भ्रामक और भड़काऊ टिप्पणी, अफवाहों, भड़काऊ या संदिग्ध पोस्ट करने वालों पर कार्रवाई करें। उन्होंने सभी पुलिस थानों को नियमित सीएलजी और शान्ति समितियों की बैठक लेकर संदिग्ध व्यक्तियों, स्थानों, भ्रामक और सांप्रदायिक तनाव भड़काने वाले व्यक्तियों की पहचान कर उन पर सख्त कार्यवाही करने के निर्देश दिए। इसके बाद जिला कलक्टर सुराणा व एसपी जय यादव ने अभय कमांड का निरीक्षण किया तथा व्यवस्थाएं देखीं। उन्होंने कहा कि सभी सीसीटीवी कैमरे सुचारू रहें और किसी कैमरे के खराब होने की स्थिति में तुरंत दुरुस्त करवाएं। इसी के साथ अन्य स्थानों पर आवश्यकता देखते हुए जनसहयोग से भी कैमरे आदि लगवाएं और गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखें। इस दौरान सीईओ श्वेता कोचर, चूरू एसडीएम साक्षी पुरी, डीवाईएसपी सुनील झाझड़िया, चूरू सदर थानाधिकारी बलवंत सिंह, कोतवाली थानाधिकारी सुरेंद्र, रतननगर थानाधिकारी रामकरण सहित जिले के समस्त उपखंडों से उपखंड अधिकारी व पुलिस अधिकारी वीसी के जरिए जुड़े रहे।

जानलेवा हमला का आरोपी गिरफ्तार, सरिया बरामद

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। शहर पुलिस ने जानलेवा हमला करने के मामले में कार्रवाई करते हुए गिड़गिचिया निवासी 37 वर्षीय मघराज पुत्र सीताराम स्वामी को गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी मदनलाल बिश्नोई ने बताया कि गिड़गिचिया निवासी जयप्रकाश जाट ने मामला दर्ज करवाया था कि 28 मार्च को मेरे गांव के ही मघराज पुत्र सीताराम स्वामी ने मेरे ऊपर जानलेवा हमला कर मेरे साथ मारपीट की थी। जिस पर पुलिस ने मामला दर्ज कर मामले की जांच हेड कॉन्स्टेबल विजेंद्रसिंह को दी। हेड कॉन्स्टेबल विजेंद्रसिंह ने मामले में कार्रवाई करते हुए गिड़गिचिया निवासी 37 वर्षीय मघराज पुत्र सीताराम स्वामी को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं पुलिस ने आरोपी के पास से मारपीट की वारदात में काम में लिया गया एक सरिया भी बरामद किया है।

सरकार का घेराव करेंगे शिक्षक

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। राजस्थान शिक्षक संघ शेखावत उपशाखा की बैठक का आयोजन उपशाखा अध्यक्ष सुरेंद्र झोरड़ की अध्यक्षता में शिक्षक भवन में किया गया। जिसमें अध्यापक स्थानांतरण, पदोन्नति, वेतन विसंगति, गैर शैक्षणिक कार्यों का बहिष्कार और शिक्षा नीति 2020 को लेकर विचार-विमर्श किया गया। जिला अध्यक्ष विजय पोटलिया ने बताया कि इन सभी मांगों को लेकर राजधानी जयपुर को घेरने के लिए 21 मई को हर संभाग से शिक्षक वाहन जत्थों से शुरुआत करेंगे। 27 मई को संभाग से पैदल मार्च करते हुए जयपुर में चारों तरफ से सरकार का घेराव करेंगे। जिला उपाध्यक्ष रणवीर सहारण ने बताया कि उपशाखा स्तर पर ज्ञापन देकर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। संयुक्त कर्मचारी महासंघ के आह्वान पर जिला मुख्यालय पर कलेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन देकर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। राजपाल ढाका व अमरचंद सांडेला ने बताया कि सरदारशहर उपशाखा से ज्यादा से ज्यादा संख्या में शिक्षक साथियों को भाग लेकर जीवटता का परिचय देते हुए कार्यक्रम को सफल बनाना है। बैठक उपशाखा की नवीन कार्यकारिणी के गठन की सर्वसम्मति से 4 मई रखी गई है। जिसमें ज्यादा से ज्यादा संख्या में शिक्षक साथी प्रातः 10 बजे शिक्षक भवन पंहुचने का आह्वान किया गया है। उपशाखा अधिवेशन में पर्यवेक्षक जिला अध्यक्ष विजय पोटलिया, मुख्य वक्ता प्राचार्य याकूब खान तथा निर्वाचन अधिकारी प्राचार्य बीरबलराम मेव होंगे। बैठक में सत्यनारायण पुरोहित, भंवरलाल सारण, रेखाराम सांडेला, भींवराज पाटोदिया, भागीरथ मेव, रामनिवास सारण, रणजीत डेलू, लालचंद बैरड़, ज्ञानाराम मेघवाल सहित अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।

नशा मुक्ति का दिया संदेश

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। ब्रह्मा कुमारीज की ओर से चलाए जा रहे नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत सुजानमल बगडिया अस्पताल में ब्रह्मा कुमारीज माउंट आबू से आई बीके बसंती ने सभी उपस्थित रोगियों व अस्पताल कर्मचारी को नशे से होने वाले दुष्प्रभाव से अवगत कराया। सभी को नशे से मुक्त रहकर दूसरों को भी नशे से मुक्त करने के लिए इस समाज में अपनी भूमिका निभाने के लिए संकल्प कराया। पीएमओ डॉ. पुरुषोत्तम करवा, नर्सिंग अधीक्षक अन्नाराम, बजरंग लाल ने ब्रह्मकुमारीज के कार्य की सराहना की। बीके बसंती ने ब्रह्मा कुमारीज की ओर से सहज राजयोग की शिक्षा के बारे में भी बताया गया। कार्यक्रम में बीके मिनाती, बीके देविका, बीके दीपिका, सीताराम शर्मा, लक्ष्मी नारायण सोनी ने नशा मुक्ति का पट्टा पहन कर लोगों नशामुक्ति को संदेश दिया।

61 लोगों के नैत्र लैंस प्रत्यारोपित

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। द् यंग्स क्लब ऑफ सुजानगढ की ओर से लालचंद टमकू देवी पाटनी की पुण्य स्मृति में प्रकाशचन्द बिमलकुमार पाटनी व पाटनी परिवार के सौजन्य से आयोजित हुए निःशुल्क नेत्र जांच व लैंस प्रत्यारोपण शिविर का समापन रविवार को हुआ। क्लब के सांस्कृतिक सचिव गिरधर शर्मा ने बताया कि नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ अपूर्व कोटिया की ओर से 61 नेत्र रोगियों के निःशुल्क लेंस प्रत्यारोपण डॉ. मोहन जैन आई हॉस्पिटल में किए गए। समापन के अवसर पर बिमल पाटनी, अंकित-आकांक्षा पाटनी, दानमल शर्मा, गोपाल चोटिया, ललित सोनी, हाजी मोहम्मद, पूसाराम, मनोज शर्मा, ओमप्रकाश आदि मौजूद रहे।

दो स्थायी वारंटी गिरफ्तार

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। एरिया डोमिनेशन अभियान के तहत 11 साल से फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। एसपी जय यादव की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि विशेष अभियान के सीआई दौरान बैगाराम मीणा के नेतृत्व में 3 अलग-अलग टीमों का गठन किया गया और हिस्ट्रीशीटर को चैक किया गया। इसी प्रकार स्थायी वारंटी फिरोज पुत्र फजलू रहमान, निवासी हनुमान धोरा सुजानगढ़ को गिरफ्तार किया गया, जो कि 11 सालों से वांछित था। इसी प्रकार स्थायी वारंटी नदीम पुत्र मोहम्मद अली, निवासी झारिया, पुलिस थाना दूधवाखारा को गिरफ्तार किया गया। तीनों टीमों ने कुल 22 स्थानों पर दबिश दी। इसी प्रकार जुआ खेलते हुए भी आरोपी पकड़ा गया है।

विद्युत तार चोरी मामले में 3 आरोपी गिरफ्तार

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। शहर पुलिस ने भोजरासर गांव की रोही में 33 केवी विद्युत लाईन के तार काटकर चोरी कर ले जाने के आरोप में तीन जनों को गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी मदनलाल विश्नोई ने बताया कि 26 अप्रैल को सुभाषचन्द चैजारा पुत्र बोदूराम चैजारा निवासी वार्ड 16 उदयपुरवाटी जिला झुझुनू हाल वैष्णों एशोसिएट विद्युत प्रोजेक्ट एलएलपी ब्लॉक इंचार्ज ने मामला दर्ज करवाया कि 24 अप्रैल रात्रि को हालासर 220 केवी जीएसएस से भोजरासर गांव की तरफ न्यू 33 केवी लाईन के करीब 31 पोल की करीब 1.5 किमी. की लाईन के तार चोरी कर ले गए। जिस पर प्रकरण सख्या 166/2025 जुर्म धारा 136 विद्युत अधिनियम 2003 में दर्ज कर अनुसंधान प्रारम्भ किया गया। उक्त घटना को ट्रेस आउट करने व अपराधियो की गिरफ्तारी के लिए पुलिस अधीक्षक

जय यादव के आदेशानुसार तथा अति0 पुलिस अधीक्षक लोकेन्द्र दादरवाल व वृताधिकारी रामेश्वरलाल सारण आरपीएस के निर्देशन में थानाधिकारी मदनलाल बिश्नोई पुनि. व प्रदीप कुमार सउनि. के नेतृत्व में घटना की सुचना मिलते ही तुरन्त प्रभाव से अलग अलग टीमों का गठन कर आरोपियों की तलाश शुरू की गई। पुलिस टीमों की ओर से जगह जगह तलाशी करते हुए तार चोरी करने के आरोपी अनिल कुमार 27 पुत्र मदनलाल जाट नि मुण्डवाडा सीकर, किरोडीमल 40 पुत्र खांगाराम मेघवाल नि नांगल भावसिंह जिला अलवर, नरोतम 24 पुत्र हीरालाल माली नि बीच गांवा लक्ष्मणगढ जिला अलवर को चिन्हीत कर दस्तयाब कर पुछताछ कर गिरफ्तार किया। गिरफ्तारशुदा आरोपियों से बरामदगी व अन्य चोरियों की वारदातों बाबत पुछताछ की जा रही है।

आंतकवाद के खिलाफ फूटा गुस्सा: बाज़ार बंद, रैली निकाली

जयपुर टाइम्स

बीदासर(निस)। क़स्बे में शनिवार को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के विरोध में हिन्दू संगठनों ने क़स्बे के बाज़ार बंद कर विरोध रैली निकाली। काफ़ी संख्या में भूतनाथ मंदिर के सामने लोगों की भीड़ इकट्ठा हुई और पाकिस्तान का झंडा रोड पर रखकर पाकिस्तान और आंतकवाद के खिलाफ नारेबाज़ी की। बाद में रैली के रूप में नया बस स्टैंड होकर बैरी चौक होते हुए गांधी चौक चौक पहुँचे और वहाँ पाकिस्तान का पुतला फूँका। विहिप प्रखंड अध्यक्ष संजय कुमार मोदी ने बताया कि हमने वीडियो के माध्यम से लोगों से विरोध प्रदर्शन में शामिल होने की और बाज़ार बंद करने की अपील की थी जिस पर क़स्बे के लोगों का अच्छा सहयोग मिला। वहीं विहिप जिला उपाध्यक्ष प्रहलाद सिंह राजपुरोहित ने कहा कि प्रधानमंत्री और गृहमंत्री से निवेदन हैं कि पहलगाम हमले लिप्त सभी लोगों का पता लगाया जाए और उन्हें कड़ी से कड़ी सज़ा दी जाए। बजरंग दल अध्यक्ष धनराज सेन ने कहा कि हमले में मारे गए निर्दोष लोगों को न्याय मिले और भारत में जो घुसपैठिए है उनको निकाला जाए। विरोध प्रदर्शन में दलिप सिंह राजपुरोहित, अरूण तिवाड़ी, भैरूदान बछावत, रामप्रताप केवटिया, सुरेंद्र टांटिया, देवेंद्र सिंह शेखावत, सांवरमल सेन, राजेश सोनी, शिवरतन दर्जी, मदन शर्मा, जयप्रकाश दर्ज़ी, अमु तेजस्वी, गिरधारी पुनिया, सुरेंद्र सुथार, सुजल सेन, महेश शर्मा, सुरेंद्र जांगीड, बाबूलाल खाती, राजेश दुगड, दिनेश मोदी, परमेश्वर मारोठिया, बाबूलाल बैगाणी, मनोज शर्मा आदि शामिल रहे।

सालासर में कैंडल मार्च निकाल कर दी आतंकी हमले में मृत लोगों को श्रद्धांजलि

जयपुर टाइम्स

सालासर(निस)। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए कायरतापूर्ण हमले के विरोध में सालासर के हनुमान सेवा समिति अध्यक्ष उपाध्यक्ष व गांव के लोगों ने कैंडल मार्च निकालकर भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। कैंडल मार्च सालासर बालाजी मंदिर के पास मीराबाई मूर्ति के पास ग्रामीण लोग एकत्रित होकर मोमबत्ती जलाकर 2 मिनट का मौन धारण कर वीरगति को प्राप्त हुए निर्दोष लोगों को श्रद्धांजलि दी। बालाजी महाराज से प्रार्थना कर परिजनों को इस वज्रपात सहने की शक्ति प्रदान करने की कामना की। हनुमान सेवा समिति के अध्यक्ष ने कहा कि पहलगाम में हुए आंतकी हमले में 27 लोगों ने अपनी जान गवा दी जिससे पूरे देश की भावनाएं आहत हुई है उन्होंने सरकार से आतंकवादियों को कड़ी से कड़ी सजा देने व आतंकवाद पर ठोस कदम उठाए जाने की मांग की। इस दौरान हनुमान सेवा समिति अध्यक्ष सत्यप्रकाश पुजारी, पूर्व हनुमान सेवा समिति अध्यक्ष यशोधानंद पुजारी, मांगीलाल पुजारी, नागरमल पुजारी, महावीर सिंह, बेगाराम ढाका, सालासर व्यापार मंडल अध्यक्ष ओमप्रकाश जाट, मनोहर लाल ढाका, कुंभाराम ढुकिया, मनोज शर्मा, लालचंद पहिहार, श्रीलाल खदाया, हीरालाल, शोभासर सरपंच प्रतिनिधि इमरान खान, सचिन प्रजापत नरेंद्र गुलरिया टिकुराम ढाका सहित सालासर बालाजी दर्शन करने वाले श्रद्धालु सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

भगवान परशुराम प्राकट्य दिवस पर 141 यूनिट रक्तदान

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। शहर में विप्र फाउंडेशन व समस्त ब्राह्मण समाज के तत्वाधान में भगवान श्री परशुराम प्राकट्य दिवस पर पांच दिवसीय कार्यक्रम का भगवान परशुराम जन्मोत्सव के तहत आयोजन किया जा रहा है। इसी के तहत दूसरे दिन सूर्यदेव अनुष्ठान व हवन गंगाधर मिश्र परिवार की ओर से किया गया। बाद में विप्र फाउंडेशन व समस्त ब्राह्मण समाज के तत्वाधान में सूर्य मंदिर गेस्ट हाउस में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। रक्तदान शिविर का शुभारंभ विप्र फाउंडेशन के राष्ट्रीय संयोजक सुशील ओझा, संगठन मंत्री पवन पारीक, प्रभारी प्यारेलाल शर्मा, सचिव मुकेश रामपुरा, प्रदेश उपाध्यक्ष मधुसूदन राजपुरोहित, सचिव श्यामलाल जोशी, युवा प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष सुनील मिश्र सहित तमाम पदाधिकारियों ने किया। शिविर में 141 रक्तदाताओं ने अपने रक्तदान कर मानवता का धर्म निभाया। राष्ट्रीय संयोजक सुशील ओझा कहा कि सरदारशहर विप्र फाउंडेशन की ओर से अग्रणी भूमिका निभाते हुए भगवान श्री परशुराम जन्मोत्सव के तहत पांच दिवसीय कार्यक्रम का

आयोजन कर एक सराहनीय कार्य कर रहा है। इस अवसर पर नेपाल प्रवासी ओमप्रकाश जोशी ने अपनी दिवंगत पत्नी शांति देवी जोशी की स्मृति में विप्र फाउंडेशन को शांति देवी जोशी महिला कन्या छात्रावास के लिए जमीन का दान किया। इस पर राष्ट्रीय संयोजक सहित विप्र फाउंडेशन के तमाम पदाधिकारियों ने उनका सम्मान किया। इस अवसर पर जयपुर में बन रहे परशुराम ज्ञानपीठ के भवन के सहयोग के लिए प्रधान प्रतिनिधि मधुसूदन राजपुरोहित की ओर से एक लाख रुपए का सहयोग दिया गया। जिस पर उनका सम्मान किया गया। इस अवसर पर अतिथियों ने रक्तदाताओं का प्रशस्ति पत्र व मोमेंटो देकर सम्मान किया। बीकानेर की जनसेवा ब्लड बैंक ने रक्त संग्रहण किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय संयोजक सुशील ओझा, राष्ट्रीय संगठन मंत्री पवन पारीक, राष्ट्रीय प्रभारी प्यारेलाल शर्मा, राष्ट्रीय सचिव मुकेश रामपुरा, केके उपाध्याय, प्रदेश उपाध्यक्ष मधुसूदन राजपुरोहित, प्रदेश सचिव श्यामलाल जोशी, युवा प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष सुनील मिश्र, भरत शर्मा, तहसील अध्यक्ष वैद्य महेंद्र शर्मा, देहात अध्यक्ष मांगीलाल सेवदा, नरेंद्र सिंह राजपुरोहित, पवन चोटिया, पंडित बालकृष्ण कौशिक, नेपाल प्रवासी ओमप्रकाश जोशी, अभिषेक पारीक, गोपी राम डीडवानिया, महेंद्र देरासरी, मदन मिश्रा, मुरलीधर शर्मा, शुभकरण पारीक, मदनलाल बबेरवाल, शंकरलाल उपाध्याय, राजीव भोजक, रामलाल शर्मा, अमृत सारस्वत, जनक दाधीच, श्रवण पारीक, विमल भोजक, डॉ पवन महर्षि, सुरेंद्र दाधीच, रामचंद्र दाधीच, कमलकांत शर्मा, भैरोसिंह राजपुरोहित, अनूप राजपुरोहित, प्रमोद राजपुरोहित पातलीसर, प्रेम रतन भोजक, सुशील पारीक, राजकुमार गौड़, लक्ष्मी नारायण राजपुरोहित, श्यामलाल गिल, सुशील तिवारी, शंकरलाल उपाध्याय, रामगोपाल जोशी आदि मौजूद रहे।

हाई कोर्ट न्यायाधीश मनोज कुमार गर्ग व कुलदीप माथुर ने किया राजकीय सम्प्रेक्षण व किशोर गृह का निरीक्षण

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। राजस्थान उच्च न्यायालय किशोर न्याय समिति के अध्यक्ष न्यायाधिपति मनोज कुमार गर्ग ने बाल संरक्षण के क्षेत्र में जमीनी स्तर पर हो रहे कार्यों की समीक्षा के लिए चूरू का दौरा किया। राजस्थान उच्च न्यायालय किशोर न्याय समिति के वरिष्ठ सलाहकार राकेश कुमार चौधरी ने बताया कि किशोर न्याय अधिनियम 2015 के आलोक में राजस्थान उच्च न्यायालय किशोर न्याय समिति के अध्यक्ष न्यायाधिपति मनोज कुमार गर्ग की ओर से राजस्थान के सभी जिलों में बाल संरक्षण की स्थिति की समीक्षा करने की उद्देश्य से नियमित रूप से दौरे किए जा रहे हैं। उनकी ओर से अब तक जयपुर, जोधपुर, दौसा, प्रतापगढ़, बांसवाड़ा, राजसमंद, हनुमानगढ़, श्रीगंगानगर, बीकानेर, पाली, नागौर, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, जालौर,

सिरोही, डूंगरपुर व उदयपुर का दौरा किया है। इसी क्रम में न्यायाधिपति गर्ग ने न्यायाधिपति कुलदीप माथुर के साथ चूरू जिले में बाल अधिकारिता विभाग की ओर से संचालित राजकीय सम्प्रेक्षण व किशोर गृह, शिशु गृह, किशोर न्याय बोर्ड, बाल कल्याण समिति का निरीक्षण किया व आवश्यक दिशा निर्देश दिए। न्यायाधिपति ने गृह में आवासित बालको से संवाद करते हुए उनको उपलब्ध करवायी जा रही सुविधाओ के बारे में उनसे जानकारी प्राप्त की, गृह में उनके शैक्षणिक, शारिरिक, मानसिक सहित सर्वांगीण विकास के लिए किए जा रहे कार्यो की समीक्षा करते हुए गृह में दी जा रही समस्त सुविधाओ की सराहना की। उन्होंने बच्चों की दैनिक दिनचर्या,योगाभ्यास, प्रातः व सायं की जा रही ईश वंदना के कार्यो को भी सराहा व बालको को सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ जीवन मे आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। न्यायाधिपति गर्ग ने किशोर न्याय बोर्ड प्रिंसिपल मजिस्ट्रेट को विधि के साथ संघर्षरत बालकों के बोर्ड के समक्ष लंबित प्रकरणों को त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए न्यायाधिपति कुलदीप माथुर ने कहा कि सरकार को व समाज को मिलकर यह प्रयास करना चाहिए कि विधि के साथ संघर्षरत बच्चे पुनः समाज के मुख्य धारा से जुड़ सके जिससे उनका शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक आर्थिक, चारित्रिक विकास सुनिश्चित किया जा सके। जिससे वह जिम्मेदार नागरिक बनकर हमारे देश के उत्थान में अपना योगदान दे सके। इस अवसर पर अतिथियों की ओर से राजकीय संप्रेक्षण व किशोर गृह परिसर में पौधरोपण किया। निरीक्षण के समय जिला व सेशन न्यायाधीश रविंद्र कुमार, जिला कलेक्टर अभिषेक सुराणा, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव डॉ शरद कुमार व्यास, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट हरीश कुमार, किशोर न्याय बोर्ड प्रिंसिपल मजिस्ट्रेट कनिष्का यादव, बाल अधिकारिता विभाग सहायक निदेशक सत्येंद्र पाल वीर, अधीक्षक किशोर व संप्रेषण गृह राजेश कुमार सर्वा बाल कल्याण समिति अध्यक्ष कमला गोदारा, सदस्य हरफूल पचार, किशोर न्याय बोर्ड सदस्य ताराचंद सैनी, लक्ष्मी चौहान उपस्थित रहे।

राजस्थान जयपुर टाइम्स

जयपुर, सोमवार
28 अप्रेल, 2025

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता जन स्वास्थ्य अभियान्त्रिकी विभाग खण्ड राजगढ (अलवर)

जिला अलवर आगामी ग्रीष्म ऋतु 2025 में आमजन की पेयजल की समस्याओं के निवारण हेतु अलवर में कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। जिसका दूरभाष नं. 0144-2337900 है। यह समय प्रातः 6:00 बजे से रात्रि 10:00 बजे तक कार्यरत रहेगा राज्य सरकार के निर्देशानुसार ग्रीष्मकाल में PHED का जिला स्तरीय कंट्रोल रूम स्थापित जो दिनांक 31.07.2025 तक चालू रहेगा

हाथ धोते समय कम से कम पानी का उपयोग करें।

रहिमन पानी राखिये, बिन पानी सब सून।
पानी बिना ना उबरे, मोती मानस चून ॥

शेविंग या बर्तन धोते समय जब प्रयोग में न हो, नल बंद कर दें

बदलती जीवनशैली और बदलते शहरीकरण के कारण पानी की मांग लगातार बढ़ रही है।
भू-जल अतिदोहन के कारण पानी की कमी निरन्तर बढ़ रही है।
अतः जीवन को सुरक्षित रखना है तो वर्षा एवं भूमिगत जल को संरक्षित रखना होगा। के दूरुपयोग को रोकना होगा वरना जीवन खतरे में पड़ जायेगा।
आओ हम दैनिक कार्यो में जल उपयोग के निम्नांकित तरीकों को अपनाकर जल की बचत कर आने वाली पीढ़ी के जीवन को सुरक्षित रखने में सहयोग प्रदान कर सकते हैं-

अपने दाँत ब्रश करते समय एक कप या गिलास का उपयोग करें

नहाते समय शॉवर की बजाय बाल्टी का इस्तेमाल करें

जल बिन सब सून

' जल ही जीवन है ' जल के बिना जीवन सुरक्षित नहीं है इस बाबत महान कवि रहिमनजी ने भी अपने निर्म्नांकित दोहे के मार्फत जीवन पर जल की उपयोगिता का चित्रण किया है।

सब्ज़ियों को धोने के लिए नल के पानी को चलाने से बचें, इसके बजाय एक कटोरी का उपयोग करें, पानी डालें और फिर इन्हें धो ले

बचे हर बूंद, पले जीवन, हमने किये हैं वो सारे जतन । अब आगे आये एक-एक जन, जल संचय में लगा दे तन मन ।।

क्र. सं.	दैनिक क्रिया का नाम	खर्च पानी की मात्रा लीटर में	जल उपयोग करने के तरीके	पानी बचत की मात्रा लीटर में
1.	स्नान करने में	फव्वारे से - 180 लीटर	बाल्टी से 18 लीटर	162 लीटर
2.	शौचालय जाने में	फ्लक्स टैंक से 13 लीटर	छोटी बाल्टी से 4 लीटर	9 लीटर
3.	शेव करने में	नल खोलकर करने से 11 लीटर	मग से पानी लेकर 1 लीटर	10 लीटर
4.	दंत मंजन	नल खोलकर करने में 33 लीटर	मग या छोटे लोटे से पानी लेकर 1 लीटर	32 लीटर
5.	कपड़ों की धुलाई	नल खोलकर करने में 166 लीटर	बाल्टी के उपयोग से 18 लीटर	148 लीटर
6.	एक लॉन / कोर्ट यार्ड में 10,000 से 12,000 लीटर उपयोग किये जल से एक छोटे परिवार हेतु एक माह का जल उपलब्ध हो सकता है।			
7.	प्रति सैकण्ड नल से टपकती जल बूंद से एक दिन में 17 लीटर जल का अपव्यय होता है।			
8.	इसके अलावा उपभोक्ता अपनी सर्विस लाईनों की मरम्मत कर पानी के रिसाव को रोककर भी सहयोग प्रदान कर सकते हैं।			
9	जलदाय विभाग की पाईप लाईनों में यदि कहीं लीकेज हो तो उसकी सूचना भी विभाग को समय पर देकर सहयोग कर सकते हैं।			

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता जन स्वास्थ्य अभियान्त्रिकी विभाग खण्ड राजगढ (अलवर)

स्वात्वाधिकारी, कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक रामेश्वरलाल जाट द्वारा कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि., सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर में मुद्रित एवं सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर -302013 से प्रकाशित।
सम्पादक : नीतू चौधरी, सी-588, 4सी स्कीम, न्यू लोहा मण्डी रोड, जयपुर-302013 मो. : 7014217770, E-Mail : jaipurtimes2007@gmail.com *पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार, समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर।